एनएचपीसी

वार्षिक रिपोर्ट

2019-20

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और धारणीयता

चित्र -1 दुलहस्ती बिजली केंद्र में सीएसआर के तहत निर्मित सामुदायिक शौचालय परिसर

चित्र -2 टीएलडीपी-IV द्वारा राजकीय विद्यालयों में बेंच डेस्क उपलब्ध कराया जाना

चित्र -3 जोरावर अस्पताल, सलल बिजली केंद्र में पृथकवास केंद्र

चित्र -4 धौज गांव, फरीदाबाद में एनएचपीसी द्वारा आयोजित चिकित्सा शिविर

चित्र -5 सरकारी अस्पताल, मणिपुर को उपलब्ध कराये गये 2 एंबुलें

चित्र -6 तीस्ता- V बिजली केंद्र द्वारा सिंगबेल में स्व सहायता समूहें के लिये आयोजित सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम

चित्र -7 शाहपुर ब्लॉक के ग्राम बिलौती में सामुदायिक केंद्र सह मैरिज हॉल

चित्र -8 तीस्ता लो डैम- IV बिजली केंद्र, बायरिक वन ग्राम में लगाये गये सोलर स्ट्रीट लाईट

संदेश

एनएचपीसी को समाज के प्रति अपने दायित्वों का हमेशा से भान रहा है और यह जिम्मेदारी हमारी संगठनात्मक संस्कृति की विचार प्रक्रिया में रची-बसी है। हमेशा की तरह पिछले वर्ष भी हमने विभिन्न पहलों के जरिये देश के नागरिकों के जीवन स्तर मे सुधार के सतत प्रयास किए हैं। मुझे इस बात की अत्यंत प्रसन्नता है कि सीएसार विभाग ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान की गयी सीएसआर गतिविधियों को लिपिबद्ध किया है और सीएसआर कार्यों का संग्रह तैयार किया है।

हमने हमेशा स्थानीय समुदायों और अन्य हितधारकों के साथ अपने संबंधों को महत्व दिया है। मुझे बहुत ही खुशी है कि समाज के सदस्यों के रूप में हमने सामाजिक दायित्वों में सक्रियता से भागीदारी की है तथा मजबूत, स्वस्थ और समृद्ध समुदायों के विकास के लिये नियमित योगदान कर रहे हैं। हमारी सीएसआर पहल ने समाज के लिये सार्थक और दीर्घ काल तक उपयोगी स्थायी महत्व के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

हमारी सीएसआर पहल निरंतर और लंबी अवधि के लाभ उपलब्ध कराने वाली गतिविधियों और लोगों के जीवन में बदलाव लाने वाले अवसरों पर केंद्रित हैं। आगे भी हम इन गतिविधियों को प्राथमिकता देना जारी रखेंगे। समाज के भरोसे का संगठन होने का अर्थ है हम भावी पीढियों के लिये एक बेहतर विश्व के सृजन में योगदान दे रहे हैं।

हस्ताक्षरित

(अभय कुमार सिंह)

अध्यक्ष व प्रबंध निर्देशक

संदेश

कॉरपोरेट-सामाजिक दायित्व और सतत विकास विभाग की 'वार्षिक रिपोर्ट 2019-20' देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इसमें समाज के कल्याण और उत्थान के लिये एनएचपीसी द्वारा संचालित सभी गतिविधियां संकलित हैं। हाल के वर्षों में एनएचपीसी की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और सतत विकास गतिविधियों से न केवल समाज का समग्र विकास हुआ है बल्कि एक ध्यान रखने वाले सामाजिक उत्तरदायी संगठन के रूप में कंपनी की छवि भी मजबूत हुई है।

कंपनी अधिनियम का अनुच्छेद 135, सीएसआर के बारे में महत्वपूर्ण प्रावधान करता है। इसके द्वारा सभी व्यावसायिक संगठनों के लिये सीएसआर गतिविधियां अनिवार्य बनायी गयी हैं। यह बिल्कुल एक नये मार्ग की शुरूआत है। यह व्यापार दृष्टिकोण के साथ कंपनी के सामाजिक दायित्व को जोड़ता है जिसमें कार्यान्वयन रणनीतियां, प्रभाव विश्लेषण के अनुरूप संशोधन की गुंजाईश शामिल है।

कॉरपोरेट-सामाजिक दायित्व को नई ऊचांइयों तक ले जाने के लिये लगाव, करुणा और समानुभूति जैसी संवेदनाएं अनिवार्य हैं। इस सिलसिले में एनएचपीसी लगातार अपनी गतिविधियां शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास जैसे क्षेत्रों में चला रहा है, जैसे गांवों में सामुदायिक केंद्र बनाना, सोलर लाईट लगाना, पीने के साफ पानी और पशु धन का प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण के प्रति दायित्व, तथा स्वच्छ भारत अभियान, दिव्यांग जन कौशल और अन्य कई गतिविधियां। एनएचपीसी की सीएसआर गतिविधियों ने लोगों के बीच भरोसा जगाया है और अपने लिये सद्भाव सृजित किया है जिससे संगठन की कॉरपोरेट छवि निखरी है। कोविड-19 महामारी के दौरान एनएचपीसी के कार्यों और योगदान की समाज के सभी वर्गों ने व्यापक सराहना की है।

मैं निगम के सीएसआर व एसडी में शामिल सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। 'वार्षिक रिपोर्ट 2019-20' को तैयार करने में एनएचपीसी की सीएसआर एंड एसडी टीम द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय है और यह बेहतर और समृद्ध राष्ट्र बनने में भारत को सक्षम बनाने की राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में भाग लेने की पहल करने दूसरों को भी प्रेरित करेगा।

हस्ताक्षरित

(रतीश कुमार)

निदेशक (परियोजना)

संदेश

वर्तमान युग व्यवसायिक युग है जिसमें नैतिकता के साथ समाज, व्यवसाय एवं पर्यावरण की रक्षा करते हुए आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना भविष्य की आवश्यकता है। जमीनी स्तर पर सीएसआर परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्रामीण भारत के ढांचागत संरचना के विकास पर एनएचपीसी का उचित योगदान है, जो बड़े पैमाने पर समुदायों को स्वस्थ और स्थायी भविष्य बनाने में मदद कर रहे हैं। इस कड़ी मे सामुदायिक भवन निर्माण, एलईडी स्ट्रीट लाइट स्थापन, विद्यालयों को सुविधायुक्त बनाना, ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य मेला आयोजन, एकल विद्यालय को प्रश्रय, पेयजल, कौशल विकास प्रशिक्षण, महिला शसक्तिकरण इत्यादि कार्यक्रमों को एनएचपीसी के सीएसआर कार्यक्रमों मे प्रमुख स्थान दिया गया है।

इन चुनौतियों के साथ जुड़कर देश के विकास मे एनएचपीसी की भूमिका एवं हमारे कर्मचारी सदस्यों का पूरे मनोयोग से योगदान करते हुए देखकर गर्व होता है। इसमें कोई शक नहीं कि हमारी सीएसआर टीम अपनी रचना के वास्तविक उद्देश्य की पूर्ति के लिए पूरी तरह समर्पित रही है। प्रभावी तरीके से दीर्घकालिक स्थिरता को ध्यान में रखकर सीएसआर परियोजनाओं का डिजाइन, विकास और प्रबंधन एवं नियंत्रित लागत इत्यादि कार्य हमारे सीएसआर टीम के सदस्यों द्वारा स्वयं की जाती हैं। इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार सीएसआर परियोजनाओ के आकलन, प्रभाव मूल्यांकन और कुशल रिपोर्टिंग के लिए सामाजिक प्रभाव, दृष्टिकोण और रूपरेखा को मापने की प्रक्रिया भी आवश्यक है जो निरंतर चलता रहता है ताकि परियोजना के गुणवत्ता के रूप् में अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सके। इस तरह भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019-20 हेतु प्रदत्त विषयगत क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य और पोषण तथा स्कूल शिक्षा के लक्ष्य को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया जा सका।

मुझे हर्ष है कि एनएचपीसी के सीएसआर और एसडी गतिविधियों की 2019-20 वार्षिक रिपोर्ट का यह स्वरूप एक संकलन के रूप प्रेषित किया जा रहा है जो इस वर्ष के दौरान भारत के विभिन्न भागों में चलाये जा रहे कुछ प्रमुख कार्यक्रमों की एक संछिप्त रूप रेखा है। मैं अपने टीम के सभी सदस्यों को हार्दिक धन्यवाद देता हूं जिन्होंने एनएचपीसी के सीएसआर वार्षिक रिपोर्ट को इस प्रारूप मे लाने में मदद की है।

हस्ताक्षरित

हरीश कुमार

कार्यपालक निदेशक (सीएसआर एवं एसडी)

विषय सूची

क्रमांक सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
१	परिचय	7
2	पिछले वर्षों में सीएसआर फंड आवंटन और व्यय	10
3	राज्यवार और क्षेत्रवार व्यय	11
4	शिक्षा और कौशल विकास	13
5	स्वास्थ्य देखभाल	43
6	स्वच्छ भारत अभियान	87
7	ग्रामीण विकास	96
8	पर्यावरण और स्थिरता	118
9	विविध सीएसआर पहल :- i) महिला सशक्तिकरण और वरिष्ठ नागरिक ii) क्षमता निर्माण iii) कला और संस्कृति iv) खेल v) सशस्त्र सेना के पूर्व सैनिक	123
10	पावर स्टेशन/परियोजनाएं/इकाईवार व्यय	133
11	गतिविधियां वार व्यय	134

परिचय

एक प्रेरक और समावेशी दृष्टिकोण जो लोगों को साझा हितकारी उद्देश्य के लिये एकजुट करता है, वह है समाज और आने वाली पीढ़ियों की भलाई के लिये निवेश करना, देश और अर्थव्यवस्था के हित में उन्हें एक स्वस्थ, कुशल और प्रगतिशील जीवन के पथ पर आगे बढ़ाना। सेवाओं और पहल के जरिये समाज में मौजूद अंतरों को पाटने के लिये समुदाय (सार्वजनिक, लोक और निजी क्षेत्र) में सभी पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित करना जरूरी है। विन्स्टन चर्चिल ने एक बार कहा था —"यदि मानव जाति को दीर्घ और असीम अवधि के लिये भौतिक समृद्धि हासिल करनी है तो उन्हें शांतिपूर्ण और एक-दूसरे के प्रति मददगार रहना होगा।" मुख्य उद्देश्य है लोगों को बेहतर ढंग से जीने में मदद करना और समाज के सुविधावंचित लोगों को सक्षम बनाना।

अपनी तकनीकी विशेषज्ञता के प्रसिद्ध और सबसे बड़ी पनबिजली उत्पादक कंपनियों में एक एनएचपीसी, जिसकी उपस्थिति भारत के हिमालय क्षेत्र और पड़ोसी देशों में भी है, व्यापक सीएसआर कार्यक्रम का समर्थक रहा है। कंपनी-सामाजिक दायित्व के इन कार्यक्रमों में स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण, कला और संस्कृति को बढ़ावा, ग्रामीण क्षेत्रों में साफ पेयजल की परियोजनाएं और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के जरिये निगम प्रतिस्थापनाओं के निकट और देश के कुछ अन्य स्थानों पर समुदायों के लिये परिसंपति निर्माण शामिल है। एनएचपीसी सामुदायिक कल्याण और राष्ट्रीय पहचान के प्रेरक मॉडल पर काम कर रहा है।

एनएचपीसी सभी पक्षों का भरोसा और विश्वास जीतने के लिये अपना व्यवसाय समाज के प्रति उत्तरदायी तरीके से संचालित कर रहा है।

एनएचपीसी अपने संचालन और गतिविधियों से सीधे प्रभावित होने वालों सहित सभी प्रमुख हितधारकों की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान करते हुए कॉरपोरेट-सामाजिक जिम्मेदारियों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एनएचपीसी का दृष्टिकोण

- सक्षम, उत्तरदायी और नवाचारी उपायों से स्वच्छ ऊर्जा के सतत विकास के लिये प्रमुख वैश्विक संगठन बनना।

एनएचपीसी मिशन

- अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार स्वच्छ ऊर्जा विकास में उत्कृष्टता हासिस करना।
- कुशल और सक्षम अनुबंध प्रबंधन तथा नवाचारी शोध और विकास से पर्यावरण अनुकूल और सामाजिक-आर्थिक उत्तरदायी परियोजनाओं का कार्यान्वयन और संचालन।
- मानव पूंजी को विकसित, पोषित और सशक्त करना ताकि इसकी संपूर्ण क्षमता का सदुपयोग हो सके।
- अपने कर्मचारियों, ग्राहकों, पर्यावरण और समाज का ध्यान रखते हुए सशक्त कॉरपोरेट पहचान बनाने के उद्देश्य से सर्वोत्तम कंपनी प्रशासन और सक्षम मूल्य आधारित प्रबंधन अपनाना।
- अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाना और नवाचारों के लिये अनुसंधान करना तथा प्रभावी प्रबंधन से प्राकृतिक संसाधनों सर्वोत्तम उपयोग करना।

एनएचपीसी का सीएसआर दृष्टिकोण

- धरती, धरती के निवासियों और संगठन के लक्ष्यों और विकास को ध्यान में रखते हुए सतत विकास और समावेशी वृद्धि के लिये योगदान करना।

एनएचपीसी का सीएसआर मिशन

- सामाजिक जीवन की गुणवत्ता में बड़े पैमाने पर सुधार की प्रतिबद्धता के साथ समाज के प्रति उत्तरदायी कंपनी बनना।
- आसपास के संबंद्ध समुदायों के लिये सुविधाओं का सृजन और विकास।
- सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयास से आर्थिक, पर्यावरणीय और कल्याणकारी विकास लक्ष्यों में संतुलन लाना।

सीएसआर गतिविधियों में प्राथमिकता वाले क्षेत्र

- समाज में मौजूद असमानताएं कम करना
- समाज के सुविधावंचित वर्गों के लिये गतिविधियों पर विशेष ध्यान
- सभी समावेशी सामाजिक विकास उपाय अपनाना
- ग्रामीण बुनियादी ढांचा सुविधाओं में मौजूद अंतराल को पाटना
- निरंतरता बनाये रखने वाले अभ्यासों को बढ़ावा देना
- प्राथमिक और उच्च शिक्षा को मजबूती देने वाले प्रयासों पर ध्यान देना
- युवाओं को कौशल विकास और लाभकारी प्रशिक्षण देना
- चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच बढ़ाना
- भारत सरकार के मिशनों का देश के दूरदराज के दुर्गम क्षेत्रों तक प्रचार करना।
- महिलाओं का सशक्तीकरण

सीएसआर गतिविधियों का चयन

- अधिनियम की धारा VII के अनुरूप चयनित गतिविधियां
- स्थानीय क्षेत्र को प्राथमिकता – 80 प्रतिशत आवंटन
- आवश्यकताओं के आधार पर और राष्ट्रीय योजनाओं में सरकारी निर्देशों के अनुसार अन्य स्थलों का भी चुनाव किया जा सकता है।
- प्राप्त प्रस्ताव संकलित किये जाते हैं और कंपनी अधिनियम 2013 की धारा – VII तथा निधि की उपलब्धता के अनुसार आगे छांटे जाते हैं।
- आरंभ में एक समिति द्वारा प्रस्ताव का मूल्यांकन किया जाता है और इसके बाद सीएसआर और निरंतरता पर निर्देशक समिति के विचार के लिये भेजा जाता है।
- चयन केवल प्रस्तावों की योग्यता के आधार पर किया जाता है।

सीएसआर गतिविधियों की निगरानी और मूल्यांकन

- सीएसआर और सतत विकास गतिविधियों के मूल्यांकन, कार्यान्वयन और निगरानी के लिये संस्थागत व्यवस्था मौजूद है।
- एनएचपीसी में सीएसआर योजनाओं/गतिविधियों के कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के लिये तीन स्तर की प्रबंधन रूपरेखा इस प्रकार है—

i. एक स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में सीएसआर पर बोर्ड स्तरीय समिति

ii. कार्यकारी निर्देशक रैंक के नोडल अधिकारी और सहायता के लिये उनकी टीम

iii. कार्यान्वयन और निगरानी के लिये क्षेत्रीय ईडी/प्रोजेक्ट प्रमुख/यूनिट प्रमुख और उनकी टीम

- क्रियान्वित की जा रही सीएसआर और सतत विकास य़ोजनाओं की प्रत्येक स्थल पर प्रगति की रिपोर्ट यूनिट प्रमुख द्वारा कॉरपोरेट कार्यालय में नोडल अधिकारी को मासिक आधार पर दी जायेगी।
- कार्य की प्रगति दर्शाने के लिये फोटोग्राफ/वीडियो के साथ रिकॉर्ड रखा जाता है।
- सीएसआर और सतत विकास गतिविधियों के कार्यान्वयन की प्रगति रिपोर्ट की सीएसआर समिति और एनएचपीसी बोर्ड द्वारा समीक्षा की जाती है।

पिछले वर्षों में सीएसआर निधि आवंटन और व्यय

(करोड़ रुपये में)

क्र सं	वर्ष	लाभ के प्रतिशत के रूप में आवंटन का आधार	अनिवार्य निधि-आवंटन	अतिरिक्त निधि-आवंटन	कुल निधि आवंटन	वास्तविक व्यय
1.	2015-16	पिछले तीन वर्ष के औसत निबल लाभ का 2%	43.28	53.08	96.36	72.68
2.	2016-17	पिछले तीन वर्ष के औसत निबल लाभ का 2%	44.23	31.59	75.82	75.82
3.	2017-18	पिछले तीन वर्ष के औसत निबल लाभ का 2%	59.52	0.00	59.52	38.55
4.	2018-19	पिछले तीन वर्ष के औसत निबल लाभ का 2%	60.03	20.97	81.00	17.58
5.	2019-20	पिछले तीन वर्ष के औसत निबल लाभ का 2%	59.74	66.69	126.43	126.43

निधि आवंटन और व्यय

(करोड़ रुपये में)

- अनिवार्य निधि आवंटन अतिरिक्त निधि आवंटन वास्तविक व्यय

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान

सीएसआर गतिविधियों पर राज्यवार और सेक्टरवार व्यय

राशि लाख में

क.सं	राज्य	शिक्षा	स्वास्थ्य	ग्रामीण विकास	महिला रोजगार.	पर्यावरण	क्षमता निर्माण	कला एवं संस्कृति	खेल	एसबीए+ एसवीए	सशस्त्र सेनाएं	कुल
1	जम्मू कश्मीर	1014.14	159.54	113.36	4.21	3.48	0.00	2.49	4.29	32.61	0.00	**1334.12**
2	हिमाचल	2469.98	1065.25	180.09	2.15	0.17	0.36	2.52	0.87	445.93	0.00	**4167.31**
3	उत्तराखंड	562.43	24.27	17.81	0.00	3.38	0.00	0.00	0.00	36.93	0.00	**644.82**
4	पश्चिम बंगाल	297.28	32.64	77.11	0.00	1.72	0.00	0.00	0.00	31.06	0.00	**439.80**
5	सिक्किम	659.43	118.02	44.12	1.52	4.39	0.00	0.00	0.00	40.79	0.00	**868.28**
6	मणिपुर	336.78	110.50	9.50	8.01	0.00	0.00	0.00	22.63	3.20	0.00	**490.62**
7	असम	318.33	49.12	0.00	0.00	0.00	11.56	4.94	5.00	68.36	0.00	**457.31**
8	अरुणाचल प्रदेश	71.31	44.51	0.00	0.00	4.37	0.00	1.48	9.72	0.00	0.00	**131.40**
9	हरियाणा	49.00	17.81	0.00	20.26	30.72	602.06	0.00	0.00	0.00	0.00	**719.85**
10	दिल्ली	0.00	2500.00	0.00	0.00	200.00	0.00	0.00	0.00	20.10	100.00	**2820.10**
11	राजस्थान	0.00	0.00	0.00	0.00	41.49	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**41.49**
12	उत्तर प्रदेश	0.00	11.15	183.50	0.00	41.49	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**236.15**
13	बिहार	0.00	0.00	274.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**274.78**
14	तमिलनाडू	17.21	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**17.21**
	कुल जोड़	**5795.89**	**4132.82**	**900.27**	**36.15**	**331.22**	**613.98**	**11.42**	**42.52**	**678.97**	**100.00**	**12643.25**

राज्यवार व्यय (राशि लाख रुपये में)

(diagram)

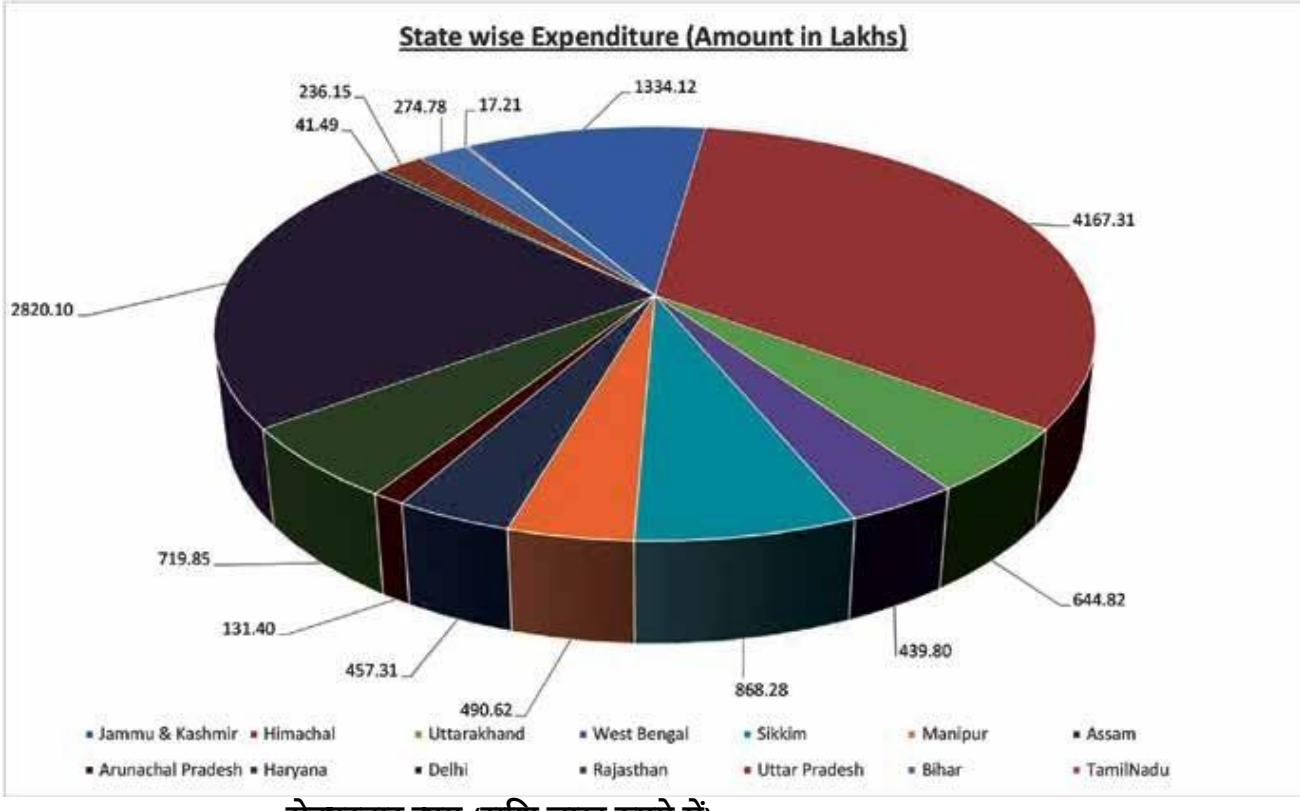

सेक्टरवार व्यय (राशि लाख रुपये में)

(diagram)

शिक्षा और कौशल विकास

शिक्षा जीवन भर चलने वाली सतत प्रक्रिया है जो वैज्ञानिक, सामाजिक साक्षरता तथा उत्तरदायित्व पूर्ण व्यक्तिगत और सामूहिक कार्यों की प्रतिबद्धता रखने वाले सजग और संबद्ध नागरिकों का सृजन करती है।

एनएचपीसी समग्र ज्ञान प्राप्ति और शिक्षा को उच्च प्राथमिकता देता है। वर्तमान में स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देना भविष्य के जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करना है। समग्र शिक्षा के लिये समुचित आधार बनाना विकसित समाज के निर्माण में योगदान करना है। सामाजिक साक्षरता को एक मुख्य लक्ष्य मानते हुए, एनएचपीसी अपने कॉरपोरेट-सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत ग्रामीण आबादी को सफलता प्राप्त करने में सहायता के उद्देश्य से उनकी प्राथमिक शिक्षा, उच्चतर शिक्षा और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिये और अधिक बुनियादी सुविधाएं सृजित/उन्नत करने पर ध्यान देता है।

मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को आकार देने वाले स्कूल कई स्थानों में बहुत ही बुरी हालत में हैं। शिक्षा प्रदान करने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिक्षक स्कूलों के पुराने और जर्जर बुनियादी ढांचे के कारण दयनीय स्थितियों में काम करने को बाध्य हैं। एनएचपीसी ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पहल के तहत बड़ी संख्या में ऐसे स्कूलों में बदलाव किये हैं और उन्हें उन्नत बनाया है। कुछ अन्य स्कूलों को क्लास रूम, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम के निर्माण और उन्नयन तथा परियोजना स्थलों, बिजली केंद्रों, टाऊनशिप के आसपास के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बड़ी संख्या को छात्रवृत्ति देकर उन्नत बनाया जा रहा है। एनएचपीसी देश भर में अपने बिजली केंद्रों और परियोजनाओं में केंद्रीय विद्यालयों और डीएवी स्कूलों के माध्यम से सभी स्तरों पर शिक्षा को बढ़ावा देता रहा है।

लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिये विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरूआत की गयी है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बारामूला और हिमाचल प्रदेश के चंबा तथा अन्य स्थानों पर सरकार द्वारा निर्दिष्ट आकांक्षी जिलो में 70 प्रतिशत को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये लगभग 3000 लोगों को प्रशिक्षित किया गया है। लगभग 1000 दिव्यांग लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने में मदद के लिये रोजगार आधारित प्रशिक्षण शुरू किया गया है।

एनएचपीसी ने एनटीपीसी के सहयोग से हिमाचल प्रदेस के बिलास पुर में एक हाईड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की है। वित्तीयवर्ष 2016-17 के दौरान एनएचपीसी ने कॉलेज की स्थापना पर 37.5 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। इसने कॉलेज के प्रशासनिक व्यय के लिये भी 15 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। पश्चिम बंगाल के तकदाह में दार्जीलिंग इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना के लिये एनएचपीसी ने 13 करोड़ रुपये का योगदान किया है। यह कॉलेज भी निर्माणाधीन है।

एनएचपीसी ने देश में 13 आईटीआई को गोद लिया है, 7 केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में, 4 उत्तराखंड और 2 अरुणाचल प्रदेश में। एनएचपीसी ने इन्हें उन्नत बनाने की गतिविधियों पर लगभग 5 करोड़ 23 लाख रुपये खर्च किये हैं।

कहा जाता है कि शिक्षा एक ऐसी संपदा है जिसे कोई भी आपसे छीन नहीं सकता। भारत की सामाजिक व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका को देखते हुए बालिका और महिला शिक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। यदि आप एक पुरूष को शिक्षित करते हैं तो इसका अर्थ है कि आपने एक व्यक्ति को शिक्षित किया लेकिन यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो समझिये आपने पूरे राष्ट्र को शिक्षित किया। जब लड़कियां शिक्षित होती हैं तो उनका देश अधिक सुदृढ़, अधिक समृद्ध बनता है।

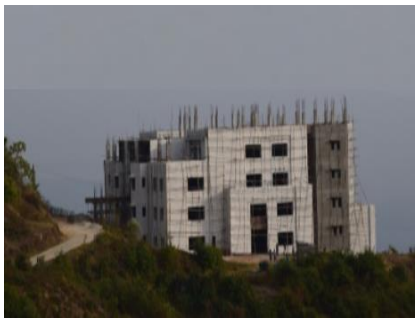

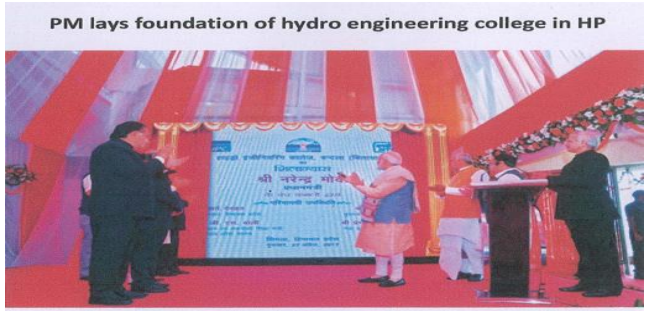

चित्रः- दार्जीलिंग इंजीनियरिंग कॉलेज, तकदाह./प्रधानमंत्री द्वारा हिमाचल प्रदेश में हाईड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज का शिलान्यास

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पावता (फरीदाबाद) का नवीकरण और उन्नयन

फरीदाबाद में गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पावता बहुत ही पुराने और जर्जर भवन में केवल नाम मात्र की बुनियादी सुविधाओं के साथ चलाया जा रहा था। विज्ञान के विद्यार्थियों के लिये प्रयोगशाला में केवल गिनेचुने उपकरण थे, कंप्यूटर कक्ष बिना कंप्यूटर का था, कक्षाओं में कोई फर्नीचर नहीं था, शौचालय गंदे थे, सेप्टिक और वॉटर टैंक टूटे हुए थे।

स्कूल के प्रधानाध्यापक नें एनएचपीसी से कंपनी-सामाजिक दायित्व पहल के अंतर्गत विद्यालय के पुनरुद्धार में मदद का अनुरोध किया। एनएचपीसी के इंजीनियरों ने स्कूल का दौरा किया, पुनर्निमाण कार्य का आकलन तैयार किया और एनएचपीसी ने परियोजना को मंजूरी दे दी। विद्यालय के प्रिंसिपल और एनएचपीसी के बीच समझौता ज्ञापन के तहत निर्माण कार्य संपन्न हुआ।

विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा 100000 रुपये की लागत से परियोजना पूरी की गयी और एनएचपीसी के इंजीनियरों ने सभी वित्तीय, तकनीकी सहायता और आवश्यक निगरानी निःशुल्क उपलब्ध करायी।

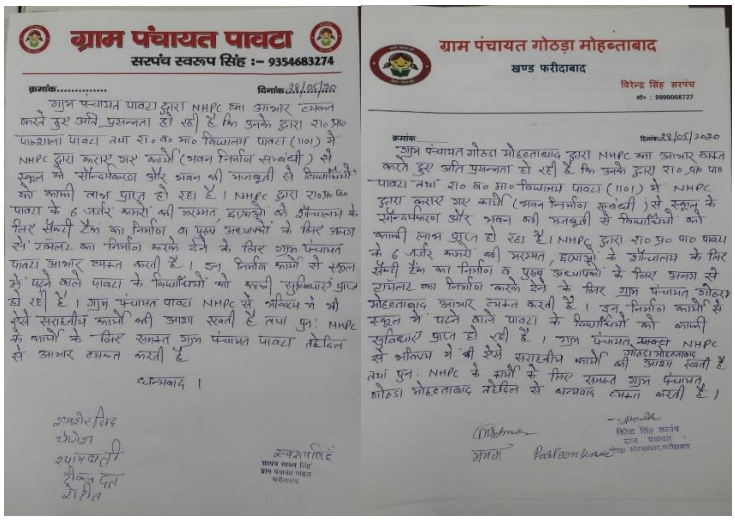
ग्राम पंचायत पावटा
सरपंच स्वरूप सिंह :– 9354683274

ग्राम पंचायत गोठड़ा मोहब्तबाद
खण्ड फरीदाबाद

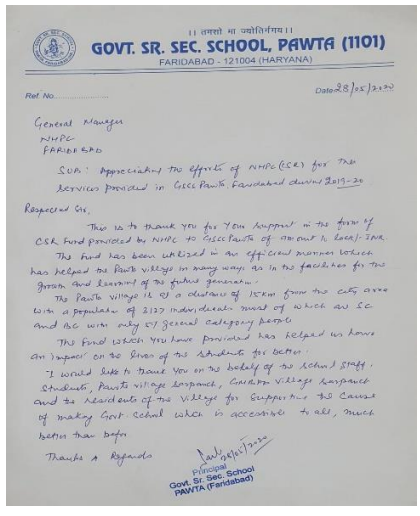
GOVT. SR. SEC. SCHOOL, PAWTA (1101)
FARIDABAD - 121004 (HARYANA)

ग्रामपंचायत और विद्यालय के प्रधानाध्यापक के सराहना पत्र

इसी प्रकार एनएचपीसी के कंपनी-सामाजिक दायित्व प्रभाग ने फरीदाबाद के केंद्रीय विद्यालय,संख्या 3 में वॉटर कूलर, आर.ओ प्लांट, पानी के डिस्पेंसर, क्लासरूम में स्पीकर के साथ इंटरेक्टिव बोर्ड के लिये धन उपलब्ध कराया और सेक्टर 30

के डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में स्मार्ट बोर्ड, पुस्तकालय में पुस्तकें, कंप्यूटर, प्रिंटर और प्रैक्टिकल रूम में आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करायीं। सीएसआर डिविजन ने हिमाचल प्रदेश के गांवों में अनौपचारिक शिक्षा के लिये 100 एकल विद्यालयों को मदद दी।

एनएसडीसी के माध्यम से रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण

रोजगारोन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना एनएचपीसी के प्रमुख सेवाकार्यों में एक रहा है। इसने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), सीआईडीएस जैसी एजेंसियों के जरिये, 7 करोड़ 47 लाख रुपये के वित्तीय निवेश से, 5500 बेरोजगार युवाओं को सहायक इलेक्ट्रीशियन, सिलाई मशीन ऑपरेटर, स्वनियोजित दर्जी, ग्राहक सेवा अधिकारी, खानपान सेवा प्रबंधक, खुदरा बिक्री सहायक, स्वागत अधिकारी का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया है। अबतक 3965 प्रशिक्षित युवाओं को काम मिल चुका है और वे अपने परिवार का भरण- पोषण कर रहे हैं।

चित्रः- बांदीपोरा, जम्मू-कश्मीर में धुपगुरी, जिला जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल में

दिव्यांगजन/विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिये रोजगारन्मुखी कौशल विकास प्रशिक्षणः

एनएचपीसी ने 2 करोड़ 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश से राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त विकास निगम (एनएचएफडीसी) के माध्यम से 1000 दिव्यांग जन को सिलाई मशीन ऑपरेटर, हाथ से कढ़ाई और स्वनियोजित दर्जी के काम के लिये कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध कराया है। देश भर से इन 1000 प्रशिक्षित लोगों में से 329 लोगों को चंबा और बारामुला के आकांक्षी जिलों में प्रशिक्षित किया गया। अबतक 338 दिव्यांगजन को रोजगार मिल चुका है, इनमें से 104 आकांक्षी जिलों के हैं।

एनएचपीसी द्वारा शिक्षा और कौशल विकास के अंतर्गत अन्य सीएसआर पहल इस प्रकार हैँ।

1. **सलाल पावर स्टेशन**
    - गोद लिये गये रियासी और रामबन (जम्मू कश्मीर) का उन्नयनः

सलाल बिजली केंद्र ने दो आईटीआई को गोद लिया है – i) आईटीआई रियासी और ii) आईटीआई रामबन। इन दोनों आईटीआई के मोटर मेकैनिक ट्रेड को 30.11.2019 को 12 लाख 85 हजार रुपये की वित्तीय लागत से हाईड्रोलिक लिफ्टिंग जैक यूनिट, सीआरडीआई डीजल इंजिन तथा पहिये की ग्रीजिंग और वाहन धुलाई के अन्य उपकरण उपलब्ध कराये गये।

- विद्यालय भवन में सुधार कार्यः

  सीएसआर पहल के अंतर्गत रियासी के चार सरकारी स्कूलों में मौजूदा भवनों में सुधार और चारदीवारी/सुरक्षा दीवारों और अन्य सुविधाओं का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। ये कार्य प्रगति पर है।

चित्र- खेरल में स्कूल चारदीवारी का निर्माण कार्य

बक्कल में जारी कार्य

कुंद्रा में जारी कार्य

2. दुलहस्ती पावर स्टेशन

- **गोद लिये गये आईटीआई का उन्नयन**

  एनएचपीसी ने सितंबर 2013 में आईटीआई किश्तवाड़ को गोद लिया था। तबसे अबतक प्रत्येक वर्ष आईटीआई किश्तवाड़ के प्रिंसिपल के अनुरोध पर सुधार और उन्नयन कार्य किये गये हैं। वित्तीय वर्ष 2019-20 में 2,69,113 रुपये की लागत में आईटी किश्तवाड़ में सीसीटीवी कैमरा प्रणाली लगायी गयी है।

- **डुमना, डूल, किश्तवाड़ राजकीय उच्च विद्यालय में पहली मंजिल पर दो कमरों और सीढ़ियों का निर्माणः**

  किश्तवाड़ के डुमना, डूल में राजकीय उच्च विद्यालय में पहली मंजिल पर दो कमरे और सीढ़ियों का निर्माण कार्य वित्त वर्ष 2019-20 में पूरा किया गया। इसपर 11,33,809 रुपये की लागत आई।

- **संग्रामभाटा राजकीय कन्या उच्च विद्यालय भवन का रखरखाव/ मरम्मत /पुनर्निर्माण कार्यः**

  किश्तवाड़ के संग्रामभाटा में राजकीय कन्या उच्च विद्यालय भवन के रखरखाव/ मरम्मत /पुनर्निर्माण कार्य के लिये जिला प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन पर 28.02.2020 को हस्ताक्षर किया गया। कुल परियोजना लागत 7 लाख 40 हजार रुपये की है। कार्य प्रगति पर है।

- **राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बागवान, किश्तवाड़ की चारदीवारी और फर्श की मरम्मतः**

  इस कार्य के लिये जिला प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन पर 28.02.2020 को हस्ताक्षर किया गया। कुल परियोजना लागत 6 लाख 60 हजार रुपये की है। कार्य प्रगति पर है।

3. किशनगंगाः

- **कंप्यूटर लैब के साथ स्मार्ट क्लासरूम की स्थापनाः**

  शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किशनगंगा बिजली केंद्र सीएसआर पहल के तहत जिला प्रशासन, बांदीपोरा के सहयोग से उच्च विद्यालय, वानपोरा, गुरेज में कंप्यूटर लैब के साथ स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना कर रहा है। रु. 1.25 लाख कर स्थापना के लिये आवश्यक सामग्री वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान खरीदी गयी।

4. चुटक पावर स्टेशन

- **निकट के चार राजकीय विद्यालयों में शीतकालीन ट्यूशन**

  यहां के स्थानीय विद्यालय प्रतिवर्ष दिसम्बर से फरवरी माह के बीच कड़ाके की ठंड में बंद रहते हैं। इस अवधि के दौरान संबंधित ग्राम शिक्षा परिषद स्कूल जाने वाले बच्चों के लिये ट्यूशन कक्षाओं की व्यवस्था करता है। संबंधित ग्राम् शिक्षा परिषद के अनुरोध पर चुटक बिजली केंद्र ने निकट के चार सरकारी स्कूलों में विंटर ट्यूशन योजना का जिम्मा लिया। इन स्कूलों को ट्यूटर, कक्षा को गर्म रखने की बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था पर होने वाले खर्च के लिये वित्तीय सहयोग मुहैया कराया गया। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान इस योजना से लगभग 500 बच्चे लाभान्वित हुए और रु. 6.0 लाख रुपये खर्च किए गए।

5. निम्मो- बाजगोः

- **विंटर ट्यूशन**

  स्थानीय विद्यालय़ प्रतिवर्ष दिसम्बर से फरवरी माह के बीच कड़ाके की ठंड के दौरान बंद रहते हैं। कई स्थानीय समितियां और स्कूल इस अवधि के दौरान विद्यार्थियों को व्यस्त रखने के लिये जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों मे शीतकालीन ट्यूशन कक्षाएं चलाते हैं। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान निम्मो-बाजगो बिजली केंद्र ने स्थानीय विद्यार्थियों के हित में ट्यूटर और कक्षा को गर्म रखने की बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था पर खर्च के लिये 4 लाख रूपये की वित्तीय सहायता मुहैया करायी है।

- **आईटीआई का उन्नयन – कम्प्यूटर हार्डवेयर लैब के लिये आईटी स्क्रैप उपलब्ध करानाः**

  आईटीआई लेह के कंप्यूटर हार्डवेयर लैब को कम्प्यूटर हार्डवेयर एंड नेटवर्क मेंटनेंस ट्रेड में विद्यार्थियों की प्रायोगिक प्रस्तुति के लिये आईटी स्क्रैप उपलब्ध कराये गये।

- **छात्राओं की अतिरिक्त कोचिंग क्लासेज के लिये जिला प्रशासन, लेह को वित्तीय सहयोगः**

  महिलाओ को शिक्षित करने के महान उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए तथा उनमें आत्मविश्वास जगाकर उनके भविष्य को आकार देते हुए छात्राओं की अतिरिक्त कोचिंग कक्षाओं के लिये 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता जिला प्रशासन, लेह को दी गयी।

6. सेवा-।। पावर स्टेशन:

- **05 राजकीय मिड्ल/ उच्च /उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापनाः**

हट्ट, माशका, द्रमण, बानी और गट्टी में बिजली केंद्र के आसपास 05 राजकीय मिड्ल/ उच्च /उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना कर आईटी सक्षम स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देना। संबंधित बुनियादी ढांचा, सर्वोत्तम उपयोग और नियमित रखरखाव के लिये स्कूल प्राधिकारियों को सौंप दिया गया है। स्कूल स्टाफ के सभी सदस्यों और स्कूल के विद्यार्थियों ने इस नयी पहल का स्वागत किया है और कुछ ने तो भविष्य में ऐसे और स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किये की मांग भी की है।

- **उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्तियां**

  उच्चतर शिक्षा के लिये एनएचपीसी की स्कॉलरशिप बसोहली और बानी राजकीय डिग्री कॉलेज में विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रम के पात्र 19 विद्यार्थियों को दी गयी है। राज्य प्रशासन, कॉलेज प्राधिकारियों और विद्यार्थियों ने इस सहायत के लिये एनएचपीसी का आभार व्यक्त किया।

7. बैरा स्यूल पावर स्टेशन:

- **"एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के अंतर्गत बारहवीं कक्षा पास करने के बाद उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति प्रदान करना (व्यय- 6 लाख 56 हजार रुपये)**

  चंबा जिले के 31 विद्यार्थियों को (20 महिला, 11 पुरूष) 12 वीं कक्षा पास करने के बाद उच्च शिक्षा के लिये स्कॉलरशिप 28 जनवरी 2020 को प्रदान की गयी। छात्रवृत्ति की राशि ईसीएस के जरिये संबंधित विद्यार्थियों के खाते में सीधे अंतरित कर दी गयी। स्कॉलरशिप पर कुल 6 लाख 56 हजार रुपये का व्यय हुआ। इन विद्यार्थियों और उनके माता-पिता ने छात्रवृत्ति से हुए लाभ के लिये एनएचपीसी का आभार व्यक्त किया।

8. चमेरा-।।

- **एस्पिरेशनल जिला चम्बा के विकास के लिए सीएसआर एण्ड एसडी के अन्तर्गत एनएचपीसी ने रूपये करोड़ के समझौता ज्ञापन किए 21.39:**

नीति आयोग, भारत सरकार द्धारा जिला चम्बा को एस्पीरेशनल जिला घोषित किया गया था एवं सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते एनएचपीसी को जिला चम्बा में स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकास करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

नीति आयोग, भारत सरकार द्धारा जिला चम्बा को एस्पीरेशनल जिला घोषित किया गया था एवं सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते एनएचपीसी को जिला चम्बा में स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकास करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

इसी क्रम मे, शिक्षा के क्षेत्र में विकास करने के लिए जिला प्रशासन चंबा से एक अन्य अनुरोध प्राप्त किया गया जिसके अनुसार जिला चंबा मे 52विध्यालय ऐसे थे जिनके पास अपने विध्यालय भवन नहीं थे तथा इनमे शिक्षा ग्रहण करने वाले विध्यार्थियों को असुविधा होती थी व इस कठिनाई को देख कर अन्य बच्चे भी एड्मिशन नहीं ले पा रहे थे । एनएचपीसी ने शिक्षा के क्षेत्र मे योगदान करने के लिए इन 52स्कूलो के लिए विध्यालय भवन का निर्माण करने का निश्चय किया व जिला प्रशासन के इस अनुरोध को भी स्वीकार किया। शिक्षा के क्षेत्र मे ही,जिला प्रशासन द्वारा एक अन्य अनुरोध किया गया जिसके अनुसार जिला चम्बा में स्थित समानीकोठी विद्यालयों में 04 स्मार्ट क्लासेज तथा पुस्तकालयों का निर्माण करने से संबन्धित था उसे भी एनएचपीसी द्वारा पूर्ण किया जाएगा ।

जिला प्रशासन चंबा द्वारा किए गए उपरोक्त 05प्रस्तावो के लिए दिनांक 22.01.20को जिला प्रशासन चंबा व एनएचपीसी के मध्य रूपये 19.32 करोड़ से संबन्धित 04समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए तथा

समानीकोठी विद्यालयों में 04स्मार्ट क्लासेज तथा पुस्तकालयों के निर्माण जिसकी कुल लागत रूपये 02.07 करोड़ है से संबन्धित समझोता शीघ्र ही हस्ताक्षरित कर लिया जाएगा ।

महाप्रबंधक)प्रभारी (श्री वी .के .चौधरी निस्पादित समझौते को जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ आदान प्रदान करते हुए

9. पार्बती-।। पावर स्टेशन

- **छात्रवृत्ति वितरण**

एनएचपीसी की छात्रवृत्ति योजना विद्यार्थियों में अध्ययन के लिये प्रतिस्पर्द्धी भावना को बढ़ावा देने और उच्चतर अध्ययन में उनकी शैक्षणिक प्रतिभा विकसित करने तथा परियोजना स्थल के आसपास के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को वित्तीय सहयोग के लिये शुरू की गयी है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में "एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के तहत परियोजना स्थल के आसपास के 23 विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप दी गयी जिनमें से 10 नये विद्यार्थियों को गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज से लिया गया जबकि गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कुल्लू और वीसीपी गरसा, फार्मेसी के 13 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति उनके परीक्षा परिणामों के आधार पर दूसरे वर्ष के लिये नवीनीकृत की गयी।

प्रति विद्यार्थी प्रतिवर्ष 24,000 रुपये की दर से छात्रवृत्ति दी गयी और इसपर 6 लाख रुपये के आवंटित बजट में से 5 लाख 82 हजार रुपये खर्च किये गये। कार्यकारी निदेशक श्री आर.के.जयसवाल ने चुने गये विद्यार्थियों को नगवैन कार्यालय परिसर में छात्रवृत्ति का वितरण किया।

चित्र- छात्रवृत्ति वितरण समारोह

Scholarship distribution ceremony

लाभार्थियों का विवरण

कुल	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ावर्ग	सामान्य	महिला
23	9	-	-	14	12

- **विभिन्न सरकारी स्कूलों को सहायता**

  परबती ।। परियोजना ने परियोजना स्थल के आसपास के सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं में सुधार के लिये कई विकास गतिविधियां शुरू की थीं। इस सीएसआर पहल के तहत राजकीय उच्च विद्यालय, नाजन, जीएसपीएस मनिहार, जीएचएस जेष्ठा, जीएसएसएस ब्रेहिन, जीपीएस लोअर नाजन, और जीपीएस धारा शामी को उनकी जरूरतों के अनुरूप कंप्यूटर और संबंधित सामग्री, संगीत उपकरण, सोलर लाईट और फर्नीचर उपलब्ध कराये गये।

  इन सामानों का वितरण मुख्य महा प्रबंधक श्री आर.के.जयसवाल द्वारा बंजार निर्वाचन क्षेत्र के माननीय विधायक श्री सुरेंद्र शोरी की उपस्थिति में किया गया। यह भारत में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक पहल है। इसपर कुल 8 लाख 63 हजार रुपये व्यय हुए।

चित्र – विभिन्न स्कूलों को सामग्री का वितरण

- **विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के माध्यम से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ब्रेहिन में शौचालयों का निर्माण**

चित्र -जीएसएसएस ब्रेहिन में शौचालयों का निर्माण

- **विद्यालय को कंप्यूटर का वितरण**

वर्तमान परिदृश्य में कंप्यूटर शिक्षा बहुत ही उपयोगी और अनिवार्य है, विशेषकर स्कूली विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई के लिये। इसे ध्यान में रखते हुए परबती परियोजना के दूसरे चरण में 21 कंप्यूटर (डेस्क टॉप) और संबंधित सामान खरीदे गये और इन्हें कंप्यूटर लैब बनाने के लिये इन स्कूलों को दिया गया।

क) सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल, भुंतर- 15 डेस्क टॉप कंप्यूटर और 15 यूपीएस,

ख) राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बाजौरा – 6 डेस्क टॉप कंप्यूटर।

यह सहायता निश्चित रूप से इस प्रतिस्पर्द्धात्मक विश्व में शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देगी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक और प्रबंधन समिति ने इन कंप्यूटरों को ग्रहण किया। इस कार्य पर 6 लाख 76 हजार रुपये व्यय किये गये।

चित्र – कंप्यूटरों का वितरण

10. पार्बती ।।। पावर स्टेशन

- **शिक्षा स्तर में लगातार सुधार: सैन्ज से पहली लड़की ने NEET की परीक्षा पास करते हुये लिया MBBS कोर्स में एडमिशन:**

वर्ष 2019-20 में पावर स्टेशन द्वारा सीएसआर एवं एसडी गतिविधि के अंतर्गत शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृति के रूप में "NHPC AWARD SCHOPLARSHIP SCHEME" में कुल रु 5.71 लाख का वितरण 33 छात्रों को किया गया । उक्त छात्रवृति के कारण सैन्ज जैसे दूरस्थ व पिछड़े इलाके के एक छोटे से गांव दुशाड के BPL (Below Poverty Line)से संबंध रखने वाली कुमारी निशा इस क्षेत्र की पहली लड़की बनी है, जोकि राजकीय मेडिकल कालेज, नाहन से MMBS करने वाली छात्रा बनी है । उन्होनें व उनके परिवार ने इस उपलब्धि के लिए एनएचपीसी के केंद्रीय विधालय का इस इलाके में होना और सीएसआर के अंतर्ग रु 24000/- की वार्षिक छात्रवृति को बहुत ही सहायक बताया है । एनएचपीसी अपने इस प्रयास को जारी रखते हुये इस दूरस्थ इलाके को शिक्षा के क्षेत्र में पूरे राज्य की बारहवीं की परीक्षा के मेरीट सूची में स्थान पाने वाली रेशमा देवी को भी छात्रवृति के माध्यम से उनकी आगे की पढ़ाई जारी रखने में सहयोग प्रदान कर रही है ।

एनएचपीसी अवार्ड स्कारशिप स्कीम के अंतर्गत छात्रवृति का वितरण

एनएचपीसी अवार्ड स्कॉलर्शिप स्कीम के अंतर्गत छात्रवृति से राजकीय मेडिकल कालेज , नाहौन से एमबीबीएस कोर्स में अध्यनरत :सैन्ज इलाके से पहली लड़की जोकि एमबीबीएस कर रही है ।

- **आस पास के स्कूलों में विविध सीएसआर कार्य/ गतिविधियाँ:**

इसके साथ ही पार्बती-III द्वारा लगभग रु 4.30 लाख विभिन्न पंचायतों के स्कूलों को भी डेस्क-बेंच, स्पोर्ट्स आईट्म व उनके शौचालयों, कमरों के मरम्मत व भवन विस्तार कार्यों में किया गया जिसके कारण भी शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है । इससे लगभग प्रत्येक वर्ष 1500 छात्रों को लाभ मिला तथा उक्त स्कूलों के वार्षिक परिणाम में भी काफी सुधार हुआ है ।

जीपीएस धामण का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण हुआ 2019-20में

जीपीएस बिहाली का जीर्णोद्धार का कार्य पूर्ण हुआ 2019-20में

जीपीएस सारी में रेलिंग और सीढ़ियो, का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ 2019-20में

11. लोकतक पावर स्टेशन

- **निंगथाउखाँग, मणिपुर में सार्वजनिक पुस्तकालय भवन का निर्माणः**

  लोकटक बिजली केंद्र ने निंगथाउखाँग में सार्वजनिक पुस्तकालय भवन का निर्माण किया है। इसपर लगभग 25 लाख रुपये की लागत आई है। इस पुस्तकालय से स्थानीय लोगों, विशेषकर विद्यार्थियों को लाभ होगा। सीएसआर के तहत इस पहल से लगभग चार हजार लोगों को लाभ हो रहा है।

- **ऑइमोल लाउचुलबुंग गांव में पुस्तकालय भवन का निर्माण तथा पुस्तकें, टेबल, कुर्सी और एक गोदरेज आलमारी की व्यवस्थाः**

  लोकटक बिजली केंद्र ने आईमॉल गांव में 11 लाख 92 हजार रुपये के व्यय से सार्वजनिक पुस्तकालय भवन का निर्माण किया है। एनएचपीसी ने पुस्तकें, टेबल, कुर्सी और गोदरेज आलमारी की खरीद के लिये भी राशि उपलब्ध करायी। इस पुस्तकालय से आसपास के लोगों, विशेषकर विद्यार्थियों को बहुत फायदा होगा। इस कॉरपोरेट-सामाजिक-दायित्व पहल से लगभग 2000 लोगों को लाभ हो रहा है।

- **चूड़ाचांदपुर जिले के मेडिकल में प्रवेश पाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिये नीट कोचिंग**

  इस पहल के तहत एनएचपीसी ने देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा- नीट की निःशुल्क कोचिंग के लिये चूड़ाचांद पुर जिला प्रशासन को 7 लाख 8 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी है। इस सीएसआर पहल से 60 विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं।

12. धौलीगंगा पावर स्टेशन

- **बांध स्थल के निकट ग्राम खेत के राजकीय इंटर कॉलेज में ओडिटोरियम का निर्माण कार्य :**

धौलीगंगा पावर स्टेशन के बांध स्थल, छिरकीला के समीपवर्ती ग्राम खेला में प्रदेश सरकार द्वारा एक इंटर कालेज स्थापित है। पावर स्टेशन के सम्पूर्ण जलग्रह (catchment) क्षेत्र व दारमा घाटी में स्थापित यह एक मात्र इंटर कॉलेज है। वर्तमान में इस कॉलेज में पूरी घाटी के दुर्गम क्षेत्र में स्थित गाँवों के निर्धन/ मध्यमवर्गीय परिवारों के कुल 154 छात्र/ छात्राएं अध्यनरत है। विगत वर्ष 2013 में उत्तराखंड में आई प्राकृतिक आपदा में इस कॉलेज की तीन इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थी। कक्षाओं के लिए कमरों की कमी होने से पठन-पाठन के कार्य में असुविधा होने लगी जिससे इन ग्रामों से पलायन कर लोग आस-पास के

कस्बों में जाने को बाध्य हो गए। आपदाग्रस्त इस कॉलेज में स्थान की भी कमी होने के कारण कॉलेज प्रशासन द्वारा एनएचपीसी से एक ओडिटोरियम निर्माण का अनुरोध किया गया ताकि बच्चों को सामूहिक रूप से भी पढाया जा सके। कार्य के महत्व व अवशयकता को देखते हुए एनएचपीसी द्वारा ऑडिटोरियम निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य से जहां इस वर्ष के 154 बच्चों को लाभ होगा वहीं कार्य के जीवन पर्यंत तक 7700 से अधिक बच्चे लाभान्वित होंगे साथ ही ग्रामों से पलायन भी रुक पाएगा। इस कार्य में कुल 9.59 लाख रुपये कि लागत आई है।

ग्राम खेला में ओडिटोरियम का निर्माण कार्य

- **राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, धारचूला के विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर आवंटन**

सम्पूर्ण धारचूला तहसील में केवल बालिकाओं के लिए स्थापित इस राजकीय इंटर कालेज में 478 बालिकाएँ अध्यन करती है। कॉलेज प्रशासन के अनुरोध पर इस कॉलेज का सर्वे करने उपरांत ज्ञात हुआ कि कॉलेज में अध्ययनरत कुल बालिकाओं में से आधी संख्या में ही फर्नीचर उपलब्ध है। एसे में जाड़ा हो या वरसात अधिकांश बालिकाओं को जमीन में ही बैठ कर पड़ाई करनी होती है। बालिकाओं में शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने की सरकार की नीति व इस विषम भौगोलिक परिस्थितियों में निवास करने वाले ग्रामीणों को बालिकाओं की पढाई बीच में न छोड़ने के हेतु उत्साहित करने के लिए एनएचपीसी की ओर से इन्हें 160 तबले और 160 कुर्सियाँ उपलब्ध कराई गई। इस कार्य में कुल 3.24 लाख रुपये कि लागत आई है।

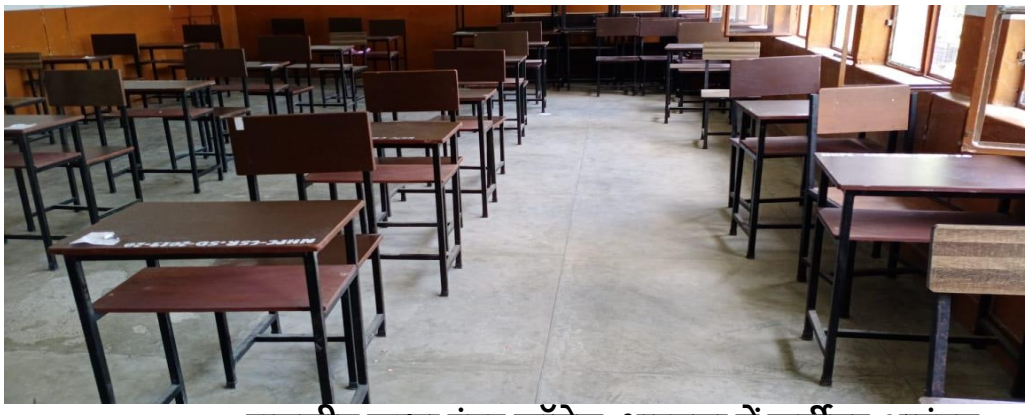

राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, धारचूला में फर्नीचर आवंटन

- **राजकीय प्राइमरी स्कूल भवन जम्कू का नवीकरण**

धौलीगंगा पावर स्टेशन के ऊपरी बहाव में पहाड़ी पर स्थित जमकू गाँव में एक राजकीय प्राइमरी स्कूल है। इस स्कूल में लंबे समय से मरम्मत का कार्य न होने के कारण इसकी छत, फर्स व खिड़कियाँ अत्यधिक खराब हो चुकी थी। वरसात के मैसम में छट से पानी टपकने के कारण बच्चों की पड़ाई का कार्य अवरुद्ध हो जाता था। स्थलीय निरीक्षण के पश्चात आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से संबन्धित इन छोटे बच्चों की स्थिति जो जाड़ों में ठिठुरने व वरसत में भीगने के कारण पड़ाई से वंचित हो जा रहे थे के लिए भवन नवीकरण का कार्य एनएचपीसी द्वारा किया गया। वर्तमान में इस स्कूल में कुल बच्चे पड़ते 26 है इस प्रकार कहा जा सकता है कि इस कार्य से आगामी 20 वर्षों में लगभग 500 से अधिक बच्चे लाभान्वित होंगे। इस कार्य में कुल 2. लाख रुपये कि लागत आई है। 40

- **राजकीय इंटर कॉलेज खेत, राजकीय इंटर कॉलेज खुम्ती, राजकीय इंटर कॉलेज खेला, राजकीय इंटर कॉलेज रांथी एवं आंगन बाड़ी केंद्र एवं प्राइमरी स्कूल, बोरा गाँव में शौचालय का निर्माण**

उपरोक्त दुर्गम पहाड़ी स्थानों में स्थित प्रदेश सरकार के इन स्कूलों के प्रशासन द्वारा लंबे समय से शौचालय न होने अथवा क्षतिग्रस्त होने के कारण एनएचपीसी से शौचालय निर्माण का अनुरोध किया जाता रहा है। धौलीगंगा पावर स्टेशन कि ओर से स्थलीय निरक्षण में भी पाया गया कि पहाड़ियों पर स्थित इन विद्यालयों में बालक व बालिकाएँ सयुक्त रूप से पड़ते है परंतु शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है। पूरे देश में चलाई जा रही स्वच्छ भारत अभियान के मद्देनजर आवश्यकता के अनुरूप इन विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण किया गया। इस कार्य में कुल 15.लाख रुपये कि लागत आई है। 30 वर्तमान में इन विद्यालयों में अध्यनरत 930 विद्यार्थियों के अतिरिक्त कार्य के जीवन पर्यंत कुल 9300 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

13. क्षेत्र – सिलीगुड़ी

- **सीएसआर-एसडी के अंतर्गत राजगंज ब्लॉक, जलपाईगुड़ी जिले के विभिन्न विद्यालयों में Ceiling Fans का वितरण:**

क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी के आसपास इलाकों के कई स्कूलों द्वारा उनके उन्नयन/ उत्थान के संबंध में फर्नीचर और उपकरण जैसे डेस्क-बेंच, अलमिराह, कंप्यूटर, सीलिंग फ़ैन इत्यादि प्रदान करने का आवेदन वर्ष 2019-20 में प्राप्त हुआ था । आवश्यकता को देखते हुए एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी ने अपने निगमित सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास कार्यक्रम के तहत राजगंज ब्लॉक, जिला जलपाईगुड़ी के 27 स्कूलों को 150 छत पंखों का वितरण किया । इस कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विभाग, जिला जलपाईगुड़ी के सहयोग से न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे कॉलोनी हायर सेकेंडरी स्कूल भक्ति नगर, सिलीगुड़ी में किया गया, जिसमें 3988 छात्रों को लाभ मिलेगा । लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है:

सामान्य (GEN)	एससी (SC)	एसटी (ST)	ओबीसी (OBC)	कुल (Total)	महिला लाभार्थियों की संख्या
1118	1288	258	1324	3988	2027

जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधि एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यलाय सिलीगुड़ी से सीलिंग फैन (छत-पंखे) ग्रहण करते हुए।

दैनिक जागरण, सिलीगुड़ी
बुधवार, दिनांक 28.08.2019

27 स्कूलों को एनएचपीसी ने दिए पंखे

जागरण संवाददाता,सिलीगुड़ी: एनएचपीसी के सिलीगुड़ी क्षेत्रीय कार्यालय ने अपने सामाजिक जिम्मेदारी के तहत राजगंज ब्लॉक के 27 स्कूलों को 150 पंखे दिए हैं। इस मौके पर एक विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उसके बाद इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एनएचपीसी के सीनियर मैनेजर एचआर राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि एनएचपीसी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने में हमेशा आगे रहती है। इस मौके पर दिवाकर मंडल,अजीत कुमार श्रीवास्तव,सचिन चंद्र दास आदि भी उपस्थित थे।

- **राजगंज ब्लॉक, जलपाईगुड़ी के विभिन्न विद्यालयों में डेस्क बेंच का वितरण**

क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी के आसपास इलाकों के कई स्कूलों द्वारा उनके उन्नयन/उत्थान के संबंध में फर्नीचर और उपकरण जैसे डेस्क-बेंच, अलमिराह, कंप्यूटर इत्यादि प्रदान करने का आवेदन वर्ष 2019-20 के दौरान प्राप्त हुआ था । राजगंज ब्लॉक, जलपाईगुड़ी स्कूल के सहायक निरीक्षक श्री राजीव चक्रबोर्ती के सिफारिश के अनुसार उन स्कूलों का एक सर्वेक्षण कर यह पाया गया कि स्कूलों की वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए उनकी माँग वास्तव में उचित है । अधिकांश विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जिनमें छात्रों की संख्या बहुत अधिक है, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की कमी है । अतः इन विद्यालयों में बच्चों के लिए कुछ बुनियादी सुविधाओं की अत्यंत आवश्यकता है ।

अतः इस आवश्यकता को देखते हुए एनएचपीसी ने अपने निगमित सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास कार्यक्रम (वर्ष 2019-20) के शिक्षा सैक्टर/ Education Sector के अंतर्गत राजगंज ब्लॉक के 09 विद्यालयों को कुल 246 डेस्क -बेंच (कुल लागत रु 531959/-) का वितरण किया । एनएचपीसी का यह प्रयास केवल स्कूलों की परिस्थितियों में सुधार ही नहीं करेगा बल्कि समाज की शैक्षिक संरचना के उत्थान की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता और प्रयास भी उजागर करता है । लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है:-

सामान्य (GEN)	एससी (SC)	एसटी (ST)	ओबीसी (OBC)	कुल (Total)	महिला लाभार्थियों की संख्या
94	228	12	145	479	252

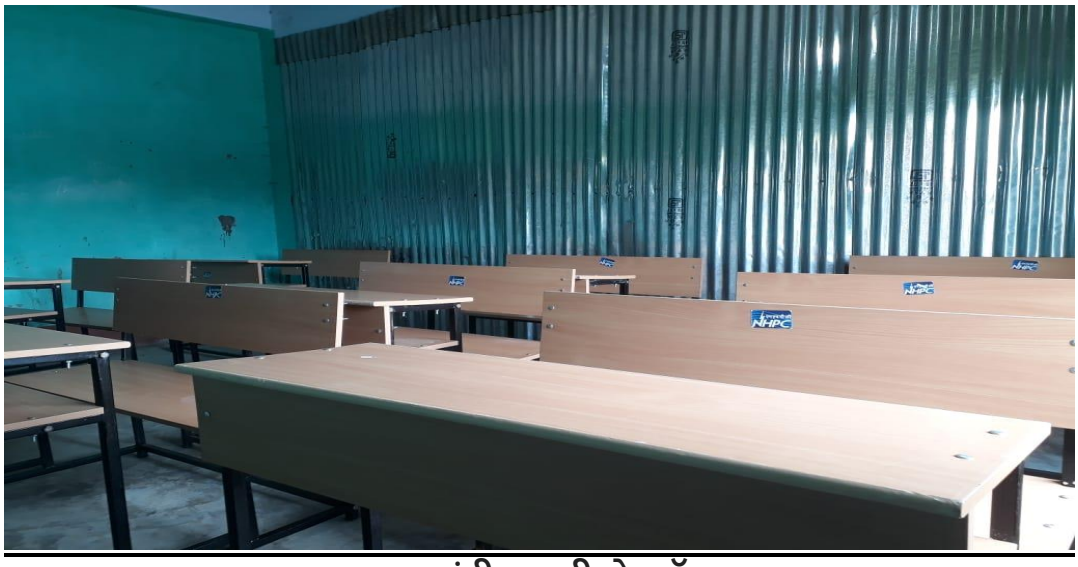

सहूडांगी हाट पी. के. रॉय हाइ स्कूल

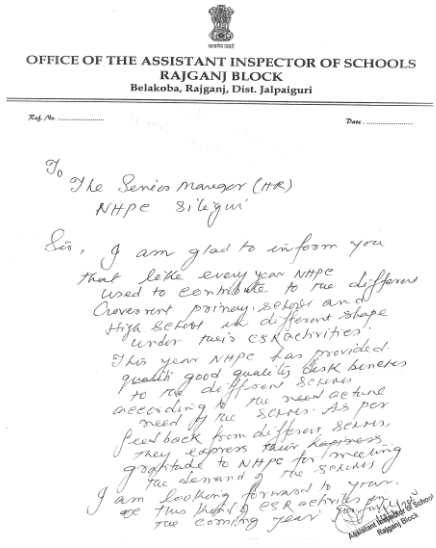

OFFICE OF THE ASSISTANT INSPECTOR OF SCHOOLS
RAJGANJ BLOCK
Belakoba, Rajganj, Dist. Jalpaiguri

Ref. No. .... Date ....

To
The Senior Manager (HR)
NHPC Siliguri

Sir, I am glad to inform you that like every year NHPC used to contribute to the different Government primary school and High School in different shape under their CSR activities.
This year NHPC has provided good quality desk benches to the different schools according to the need at time of the schools. As per need of the feedback from different schools, they express their happiness gratitude to NHPC for meeting the demand of the schools.
I am looking forward to your ... CSR activities in the coming year.

Assistant Inspector of School
Rajganj Block

14. तीस्ता लो- डैम-4 पावर स्टेशन

- **लटपंचोर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना/विकास**

यह एक स्वीकार्य तथ्य है कि बच्चों के लिये विकास अनुकूल माहौल बनाने में बुनियादी सुविधाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। आवश्यक उपकरणों से लैस विज्ञान प्रयोगशाला बच्चों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रयोग गतिविधियां संपन्न करने की सुविधा देती हैं। इनसे विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़ायी गयी विज्ञान की सैद्धांतिक अवधारणाएं बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। उपकरणों से सज्जित प्रयोगशाला विज्ञान के प्रयोगों को न केवल रोचक बनाती हैं बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर परीक्षा परिणाम हासिल करने में भी मदद करती हैं।

टीएलडी-आईवीपीएस,एनएचपीसी ने इस दिशा में पहल की और लटपंचोर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक लाख 71 हजार 586 रुपये के प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराकर विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना

की। इससे लगभग 2000 विद्यार्थियों को लाभ होगा, विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को।

चित्र- लटपंचोर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एनएचपीसी और स्कूल अधिकारी और बच्चे

- **एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के तहत 12वीं और उपर की कक्षाओं के लिये स्कॉलरशिप**

  तीस्ता लो-डैम-IV पावर स्टेशन, एनएचपीसी लिमिटेड ने सीएसआर पहल के तहत 7 प्रतिभाशाली और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को 12वीं कक्षा के बाद आगे की पढ़ाई के लिये वित्तीय सहायता/छात्रवृत्ति उपलब्ध करायी है। स्कॉलरशिप पाने वाले ये विद्यार्थी परियोजना क्षेत्र के आसपास के स्कूलों के हैं तथा नर्सिंग, कला और वाणिज्य में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम पूरा कर रहे हैं। छात्रवृत्ति का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को (सामान्य वर्ग-2,ओबीसी-5,महिला-6) वित्तीय सहयोग देकर अपनी पढ़ाई-लिखाई में उत्कृष्टता हासिल करने के लिये प्रोत्साहित करना है। छात्रवृत्ति योजना पर 1.56,000 रुपये का निवेश किया गया है।

- **परियोजना स्थल के आसपास के सरकारी विद्यालयों को फर्नीचर और शिक्षा संबंधी अन्य सामग्री देकर बुनियादी सुविधाओं में सहयोग देना।**

  बच्चों का अधिकांश समय विद्यार्थी के रूप में स्कूलों में बीतता है। इसलिये बच्चा बड़ा होकर दुनिया को कैसे नजरिये से देखता है इसमें स्कूल की बुनियादी सुविधाओं की बड़ी भूमिका होती है। बैठने की आरामदायक खुली-खुली जगह और सही टेबल बच्चों को शारीरिक आराम उपलब्ध कराते हैं तथा पढ़ाई पर बेहतर एकाग्रता से ध्यान देने और बेहतर लिखावट में उनकी मदद करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए बिजली केंद्र के आसपास के तीन स्कूलों को (समथार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय-(38 सेट), कर्मत प्राथमिक विद्यालय-(15 सेट), कांडुंग प्राथमिक विद्यालय- (15 सेट)) दोहरे डेस्क बेंच वितरित किये गये। इनपर 2 लाख 42 हजार रुपये की लागत आई।

चित्र - टीएलडी-आईवीपीएस,एनएचपीसी के अधिकारी समथार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक को दोहरे डेस्क-बेंच सौंपते हुए।

एनएचपीसी के अधिकारी कानडुंग प्राथमिक विद्यालय के अधिकारियों के साथ	एनएचपीसी के अधिकारी कर्मत प्राथमिक विद्यालय के अधिकारियों के साथ

- **उत्तरी बंगाल दिव्यांग जन पुनर्वास सोसायटी को बुनियादी ढांचा सहयोगः**

  उत्तरी बंगाल दिव्यांग जन पुनर्वास सोसायटी को एक लाख रुपये की वित्तीय लागत से मूक बधिर दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये विशेष डेस्क के साथ श्रवण यंत्र प्रणाली उपलब्ध करायी गयी है।

- **सेरेब्रल पाल्सी यानी मस्तिष्क पक्षाघात के साथ मानसिक विकृति से ग्रस्त विद्यार्थियों के लिये विशेष व्हीलचेयर उपलब्ध कराना:**

सीएसआर-एसडी स्कीम के अंतर्गत तीस्ता लो डैम-IV पावर स्टेशन, एनएचपीसी लिमिटेड ने NORTH BENGAL HANDICAPPED REHABILITATION SOCIETY, सिलीगुड़ी, में दिव्यांगजनों के सतत विकास हेतु Specials Chairs और Group Hearing-Aid का वितरण किया । इस अवसर पर दिव्यांगजनों के लिए बनाए गए 16 विशेष कुर्सियाँ प्रदान की गयी तथा ग्रुप हियरिंग-ऐड की सामाग्री के साथ एक विशेष स्टुडियो का भी निर्माण कर उनको प्रदान किया गया है | Specials Chairs और Group Hearing-Aid के वितरण से संबंधित एनएचपीसी और सोसाइटी के प्राधिकारियों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए । (Beneficiaries Total: 272, Hearing impaired:115, multiple cerebral palsy:38, autestic: 109)

एनएचपीसी लिमिटेड NHPC Limited
DISTRIBUTION OF SPECIAL CHAIRS &
ESTABLISHMENT OF GROUP HEARING-AID
SYSTEM FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT OF
PHYSICALLY CHALLENGED TO NORTH BENGAL
HANDICAPPED REHABILITATION SOCIETY

सिलीगुड़ी 23 जनवरी 2020 विविधा 5

जनपथ समाचार

तीस्ता लो डैम–IV द्वारा आयोजित Specials Chairs & Group Hearing Aid का वितरण

प्रभात खबर

सिलीगुड़ी, गुरुवार 23.01.2020 03

दिव्यांगों में स्पेशल चेयर व ग्रुप हियरिंग ऐड वितरित

15. रंगित पावर स्टेशन

- **विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति वितरणः**

  परियोजना स्थल के निकट रह रहे अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के दो विद्यार्थियों को 48,000 हजार रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति दी गयी।

- **आईटीआई, गीजिंग, पश्चिम सिक्किम में नये ट्रेड की शुरूआत तथा उपकरणों और संयंत्रों का प्रावधान**

  पश्चिम सिक्किम के आईटीआई, गीजिंग, में नये ट्रेड की शुरूआत की गयी है तथा उपकरणों और संयंत्रों के लिये प्रावधान किया गया है। पश्चिम सिक्किम के जिला कलेक्टर के खाते में 22 लाख रुपये की दो किस्त जारी की गयी है।

- **धारगांव प्राथमिक विद्यालय के क्लासरूम और खेल मैदान का रखरखाव और उन्नयनः**

  दक्षिण सिक्किम के धारगांव प्राथमिक विद्यालय के क्लासरूम और खेल मैदान के रखरखाव और उन्नयन का काम शुरू किया गया है और कार्य प्रगति पर है।

16. तीस्ता V पावर स्टेशन

- **तीस्ता V पावर स्टेशन द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप वितरण**

  सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग (गोलय) ने सीएसआर और सीडी पहल से एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को वित्तीय वर्ष 2019-20 की एनएचपीसी स्कॉलरशिप का वितरण किया। सोनामाटी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, खामदांग में 26.07.2019 को आयोजित कार्यक्रम में छात्रवृत्ति प्रदान की गयी। कुल 4 विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप मिली जिनमें 2 सोनामाटी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, खामदांग के और 2, सिंगताम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के थे। इन विद्यार्थियों को बधाई देते हुए श्री प्रेम सिंह तमांग ने जीवन में सफलता पाने के लिये उनसे कड़ा परिश्रम करने को कहा। एनएचपीसी की छात्रवृत्ति, परियोजना क्षेत्र में कई अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को (12वीं कक्षा और उपर के) दी जायेगी।

- **एनएचपीसी स्थापना दिवस-2019 के अवसर पर सीएसआर और एसडी पहल के अंतर्गत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप वितरणः**

  एनएचपीसी तीस्ता V बिजली केंद्र ने सीएसआर-एसडी पहल 2019-20 से एनएचपीसी स्कॉलरशिप योजना के तहत 15 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रति विद्यार्थी 24,000 रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की। 7नवम्बर 2019 को एनएचपीसी के 45वें स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि सिक्किम सरकार के माननीय भवन, आवास और परिवहन मंत्री श्री संजित खरेल, सम्मानित अतिथि श्री ताशी डेनजपा, परियोजना प्रमुख, तीस्ता V पीएस और तीस्ता VI एचई प्रोजेक्ट श्री सहदेव खटुआ ने स्कॉलरशिप विजेताओं को चेक वितरित किये। माननीय मंत्री श्री संजित खरेल ने विजेताओं को बधाई दी और भविष्य में उनकी सफलताओं की कामना की। परियोजना प्रमुख श्री सहदेव खटुआ ने विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा में और अधिक उपलब्धियां हासिल करने में स्कॉलरशिप का उपयोग करने की सलाह दी।

- **71वें गणतंत्र दिवस पर सीएसआर-एसडी पहल के अंतर्गत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरणः**

  एनएचपीसी तीस्ता V बिजली केंद्र ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर सीएसआर-एसडी पहल 2019-20 के तहत एनएचपीसी स्कॉलरशिप योजना से 04 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रति विद्यार्थी 24,000 रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की। मुख्य अतिथि सिक्किम सरकार के माननीय भवन, आवास और परिवहन मंत्री श्री संजित खरेल, सम्मानित अतिथि श्री ताशी डेनजपा, परियोजना प्रमुख, तीस्ता V पीएस और तीस्ता VI एचई प्रोजेक्ट श्री सहदेव खटुआ और महिला कल्याण क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता कठुआ ने

स्कॉलरशिप विजेताओं को चेक वितरित किये। माननीय मंत्री श्री संजित खरेल ने विजेताओं को बधाई दी और भविष्य में उनकी सफलताओं की कामना की। परियोजना प्रमुख श्री सहदेव खटुआ ने विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा के दौरान और अधिक उपलब्धियां हासिल करने में स्कॉलरशिप का उपयोग करने की सलाह दी।

श्रेणी	**प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की संख्या**
अनुसूचित जाति	0
अनुसूचित जनजाति	8
अन्य पिछड़ा वर्ग	1
सामान्य	14
कुल	**23**
छात्राओं की संख्या	12

- **राजकीय विद्यालय लोअर सैमडाँग, पूर्वी सिक्किम में विभिन्न विकास गतिविधियां**

बिजली केंद्र ने राजकीय विद्यालय लोअर सैमडाँग, पूर्वी सिक्किम में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिये लगभग 28 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास गतिविधियों की शुरूआत की है। इन गतिविधियों में क्लास रूम का निर्माण और मरम्मत, पेयजल आपूर्ति लाईन, शौचालयों का पुननिर्माण, स्कूल भवन की रंगाई पुताई शामिल है। महाप्रबंधक श्री सहदेव खटुआ ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक समाज की बुनियाद है और यह पहल भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लक्ष्य साकार करेगा।

17. तीस्ता- IV एचई प्रोजेक्ट

- **दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिये शरदकालीन कोचिंग**

  तीस्ता- IV एचई प्रोजेक्ट ने सिक्किम सरकार के राज्य शिक्षा विभाग के सहयोग से दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिये उत्तरी सिक्किम के राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल और राजकीय माध्यमिक विद्यालय, सिंघिक में एक महीने की (05.01.2020 से 31.01.2020 तक) शिक्षा स्तर सुधार कक्षाएं (विंटर कोचिंग) संचालित कीं।

  चित्र -उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान एनएचपीसी अधिकारी, शिक्षण कर्मी और विद्यार्थी

- **12वीं कक्षा पास करने के बाद एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के तहत उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना:**

  वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 10 विद्यार्थियों को 12वीं कक्षा पास करने के बाद एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के तहत उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति उपलब्ध करायी गयी। इस योजना के तहत कुल एक लाख 80 हजार रुपये की राशि 01.04.2019 से 31.03.20 तक वितरित की गयी।

- **रलक, उत्तरी सिक्किम में जूनियर हाई स्कूल की मरम्मत और नवीकरण**

उत्तरी सिक्किम के रलक में जूनियर हाईस्कूल के विद्यार्थियों की दिक्कतें कम करने के लिये मरम्मत और पुनरुद्धार कार्य किया गया और इसपर 6 लाख 49 हजार रुपये व्यय किये गये।

18. सुबनसिरी लोअर एच ई प्रोजेक्ट

- **छात्रवृत्ति का वितरण**

वित्तवर्ष 2019-20 के दौरान, प्रोजेक्ट ने परियोजना स्थल के आसपास के सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिये सीएसआर –एसडी नीति के तहत छात्रवृत्ति के भुगतान और नियमन संबंधी दिशानिर्देशों के अनुरूप छात्रवृत्ति का वितरण किया है। 79 विद्यार्थियों को(20-20 विद्यार्थी असम के धेमाजी और लखीमपुर तथा अरुणाचल प्रदेश के लोअर सियांग जिले से और 19 विद्यार्थी अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले से) प्रति विद्यार्थी 12,000 रुपये की स्कॉलरशिप दी गयी। इसपर कुल 9 लाख 48 हजार रुपये का व्यय हुआ।

19. दिबांग बहुउद्देशीय परियोजनाः

- **सीएसआर सतत विकास पहल के अंतर्गत आईटीआई सुधार**

आईटीआई रोईंग ने लड़को के लिये छात्रावास का निर्माण कराया। छात्रावास को पानी की आपूर्ति में डीएमपी प्रोजेक्ट ने मदद की।

- **12 वीं कक्षा पास करने के बाद, एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के तहत उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति उपलब्ध करानाः**

एनएचपीसी दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजना ने 13 अगस्त 2019 को निचली दिबांग घाटी के 195 विद्यार्थियों को कॉरपोरेट-सामाजिक दायित्व और सतत विकास के तहत छात्रवृत्ति उपलब्ध करायी। यह छात्रवृत्ति वहां के मूल निवासी आदि समुदाय के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को दी गयी। प्रत्येक विद्यार्थी को 5000 रुपये की स्कॉलर शिप मंजूर की गयी।

चित्र- सीएसआर और एसडी के तहत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण

स्वास्थ्य देखभाल

एनएचपीसी ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत समाज के वंचित वर्गों से संबंधित गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए पूरी सक्रियता के साथ अनेक स्वास्थ्य संबंधी उपाय करने का प्रयास किया है। एनएचपीसी ने देश के दुर्गम और पर्वतीय क्षेत्रों में आंखों और सामान्य स्वास्थ्य जांच के लिए अनेक शिविरों का आयोजन किया, जिनसे स्वास्थ्य और आंख की बीमारियों, कुपोषण आदि से पीड़ित असंख्य लोगों को लाभ पहुंचा। इन शिविरों के दौरान रोगियों को नि:शुल्क परामर्श, औषधियां, रेफरल्स और मोतियाबिंद के ऑपरेशन आदि सुविधाएं प्रदान की गईं ताकि सीएसआर उपायों का प्रभाव अधिकतम किया जा सके।

एनएचपीसी के सीएसआर उपायों के तहत, स्थानीय प्रशासन की मदद से विभिन्न स्थानों पर दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंगों के साथ सहायता प्रदान की जा रही है। एनएचपीसी ने स्कूल जाने वाली छात्राओं को स्वच्छता सुविधा प्रदान करने के लिए स्कूलों में सैनिटरी वेंडिंग मशीनों की स्थापना में भी सहायता की है। उपरोक्त के अलावा, एनएचपीसी राज्य और जिला प्रशासन की अनुशंसा के आधार पर अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों, बहु-उपयोगिता वाहनों/एम्बुलेंस वाहनों और अन्य अवसंरचनात्मक सहायता के साथ सरकारी अस्पतालों को कुछ चिकित्सा केंद्रों की सुविधा प्रदान कर रहा है।

वर्ष के दौरान एनएचपीसी ने केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र प्रतिष्ठान, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के माध्यम से सिक्किम के पश्चिम सिक्किम जिले में लाभार्थियों की पहचान और चुने हुए लाभार्थियों को कृत्रिम अंगों जैसे बैसाखियां, श्रवण यंत्र, व्हील चेयर आदि के वितरण के लिए मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया।

कोविड-19 से बचने के उपाय

कोविड -19 के मौजूदा परिदृश्य में, एनएचपीसी ने इस महामारी का मुकाबला करने में शुरु से ही सरकार के प्रयासों में सहयोग करते हुए देशभर में अपने प्रतिष्ठानों के आस-पास रहने वाले समुदायों के बचाव के लिए अनेक उपाय किए। इन उपायों में मुख्य रूप से लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने, मास्क, पीपीई किट, अल्कोहल आधारित सैनिटाइज़र वितरित करने और दिहाड़ी मजदूरों और अनुबंध श्रमिकों को पारिश्रमिक के साथ भोजन प्रदान करने पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया। इसके अलावा कंपनी ने स्थानीय लोगों को चिकित्सा सहायता प्रदान प्रदान की और कोविड से निपटने में स्थानीय प्रशासन के प्रयासों में सहयोग किया। इनमें एनएचपीसी द्वारा सीएसआर के तहत मणिपुर सरकार के अनुरोध पर किराए के चार्टर्ड विमान से चिकित्सा उपकरणों, दवाओं आदि की आपूर्ति करना विशेष रूप से उल्लेखनीय है। एनएचपीसी कोविड-19 महामारी के दौरान समुदाय का पूरा ख्याल रख रही है।

पीएम केयर फंड में योगदान

एनएचपीसी ने देश में कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए 2019-20 के सीएसआर बजट से पीएम केयर फंड में 25.0 करोड़ रुपये का योगदान दिया।

पेयजल प्रबंधन

पानी का दूषित होना एक बड़ी समस्या है और इससे हर वर्ष करीब **6,00,000** लोगों की मृत्यु हो जाती है। एनएचपीसी ने अपने सीएसआर उपायों के तहत, बोरवेल, आरओ प्लांट, गांवों/स्कूलों में जलापूर्ति लाइनों के निर्माण/स्थापना आदि के माध्यम से सुरक्षित पेयजल सुविधाएं शुरू कीं। सीएसआर के तहत एनएचपीसी की भावी योजनाओं में वर्षा जल संचयन को भी उपयुक्त स्थान दिया जा रहा है।

एनएचपीसी ने सीएसआर उपायों के तहत उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में ग्रामीण नागरिकों के लिए सुरक्षित पेयजल परियोजना शुरू की है।

दिव्यांगजनों/विकलांग व्यक्तियों को सहायता सामग्री और सहायक उपकरण प्रदान करना

एनएचपीसी ने बारामूला, चंबा, पश्चिम सिक्किम, बांदीपोरा, पश्चिम सियांग, सुबानसिरी, लखीमपुर, पिथौरागढ़ और चुड़ाचंद्रपुर में दिव्यांगजनों के जीवन को एक उपचारात्मक स्पर्श प्रदान करने के उद्देश्य से उनकी विशेष जरूरतों का आकलन करने और उन्हें उनके अनुकूल सहायता सामग्री और सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के साथ **3.24** करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के **04** समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

एलिम्को ने **2019** में **22.45** लाख रुपये की कुल लागत से जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में **202** विकलांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के लिए सहायता सामग्री और सहायक उपकरण प्रदान किए। कुल **395** लोगों को सहायता सामग्री और सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिसमें **6** जॉय स्टिक व्हील चेयर, **8** ट्राइसाइकिल, **67** व्हील चेयर, **13** सीपी व्हील चेयर, **122** हियरिंग एड, **13** एमएसआईईडी किट, **3** स्मार्ट कैन, **46** बैसाखी, **54** वॉकिंग स्टिक, **10** रोलेटर, **1** सरवाइकल कॉलर, **9** कृत्रिम अंग और **42** कैलिपर शामिल थे। पश्चिम सिक्किम जिले के **73** दिव्यांगजनों को एलिम्को के माध्यम से **6.18** लाख रुपये की कुल लागत से सहायता सामग्री और सहायक उपकरण प्रदान किए गए हैं। एलिम्को के माध्यम से **22.66** लाख रुपये की कुल लागत से सहायता सामग्री और सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए चंबा जिले के **180** विकलांगजनों (पीडब्ल्यूडी) का चयन किया गया।

पश्चिम सिक्किम जिले में एलिम्को के माध्यम से एड्स एवं सहायक उपकरणों का वितरण

चिकित्सा शिविर का आयोजन

- **धौज और कुराली गांव, हरियाणा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर**

एनएचपीसी ने 5 नवंबर 2019 को ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, धौज, हरियाणा, मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली, बी.के. अस्पताल, फरीदाबाद और सेंटर फॉर साइट, फरीदाबाद के सहयोग से धौज, हरियाणा में एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान हृदय रोग, स्त्री रोग, बाल रोग, नेत्र, अस्थि रोग आदि के बारे में मुफ्त चिकित्सा परामर्श दिया गया और रक्त शर्करा, हीमोग्लोबिन आदि की जांच की गई और आवश्यकता अनुसार आवश्यक दवाएं भी प्रदान की गईं। 168 मरीजों की आंखों की जांच भी हुई, जिनमें से 118 मरीजों को मुफ्त में चश्मा दिया गया। आस-पास के क्षेत्रों के 925 से अधिक व्यक्तियों ने मुफ्त चिकित्सा परामर्श और अन्य सुविधाओं का लाभ उठाया।

5 नवंबर 2019 को धौज, हरियाणा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

- **फरीदाबाद जिले के कुराली गांव में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर**

एनएचपीसी ने सर्वोदय अस्पताल, फरीदाबाद के सहयोग से 5 दिसंबर 2019 को कुराली गांव, फरीदाबाद में एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर एनएचपीसी कॉर्पोरेट कार्यालय, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कुराली और सर्वोदय अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सेवाएं निःशुल्क प्रदान कीं। सेंटर फॉर साइट, फरीदाबाद के विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम और बी. के. सिविल अस्पताल, फरीदाबाद के क्षयरोग विशेषज्ञों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। आसपास के क्षेत्रों के 600 से अधिक रोगियों ने मुफ्त चिकित्सा परामर्श का लाभ उठाया। शिविर के दौरान हृदय रोग, स्त्री रोग, बाल रोग, आंख, अस्थि रोग आदि और ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी आदि के बारे में नि: शुल्क चिकित्सा परामर्श दिया गया। इन रोगों से संबंधित परीक्षण और आवश्यक दवाओं की निशुल्क व्यवस्था की गई। 173 मरीजों को नि:शुल्क चश्मे दिया गया।

फरीदाबाद जिले के धौज गांव में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

एनएचपीसी ने दिल्ली के अपोलो अस्पताल के साथ मिलकर 9 जनवरी 2020 को फरीदाबाद के धौज गांव में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। एनएचपीसी स्टाफ, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, धौज और अपोलो अस्पताल, दिल्ली के डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ, तथा फरीदाबाद के सेंटर फॉर साइट और बी के सिविल अस्पताल के नेत्र चिकित्सकों और क्षयरोग विशेषज्ञों ने इस शिविर में सहयोग किया।

आस-पास के क्षेत्रों के 840 से अधिक व्यक्तियों ने निःशुल्क चिकित्सा परामर्श का लाभ उठाया। शिविर के दौरान हृदय रोग, स्त्री रोग, ईएनटी, बाल रोग, आंख, हड्डी रोग आदि के बारे में मुफ्त चिकित्सा परामर्श दिया गया और रक्त शर्करा, रक्तचाप, ईसीजी, बीएमडी आदि परीक्षण किए गए और आवश्यकता अनुसार दवाएं भी प्रदान की गईं। शिविर के दौरान मरीजों की आंखों की जांच भी की गई, जिसमें से 128 मरीजों को मुफ्त में चश्मे दिए गए।

9 नवंबर 2020 को धौज, हरियाणा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

- **फरीदाबाद जिले के पाली गांव में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर**

एनएचपीसी लिमिटेड ने हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग और फरीदाबाद के क्यूआरजी हॉस्पीटल के सहयोग से 23 जनवरी 2020 को फरीदाबाद जिले के गांव पाली में मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। फरीदाबाद के बी के अस्पताल के छाती और क्षयरोग एवं नेत्र रोग विशेषज्ञों तथा क्यूआरजी अस्पताल, फरीदाबाद के हृदय रोग, स्त्री रोग, बाल रोग और हड्डी रोग विशेषज्ञों तथा जनरल फिजिशियन और सेंटर फॉर साइट, फरीदाबाद के नेत्ररोग विशेषज्ञों ने शिविर के दौरान अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

आसपास के क्षेत्रों के 685 से अधिक व्यक्तियों ने नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया। शिविर के दौरान नि:शुल्क नेत्र जांच और आवश्यक परीक्षण किए गए तथा दवाएं दी गईं और 150 चश्में निःशुल्क प्रदान किए गए।

- **फरीदाबाद जिले के ग्राम कुराली में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर**

ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कुराली के एसएमओ और फोर्टिस एस्कॉर्ट्स के डॉक्टरों के सहयोग से 14 फरवरी 2020 को फरीदाबाद के कुराली गांव में मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

आसपास के क्षेत्रों के 574 से अधिक रोगियों ने मुफ्त चिकित्सा परामर्श का लाभ उठाया। शिविर के दौरान हृदय रोग, स्त्री रोग, बाल रोग, आंख, हड्डी रोग आदि के बारे में मुफ्त चिकित्सा परामर्श दिया गया और रक्त शर्करा, रक्तचाप, ईसीजी आदि परीक्षण किए गए तथा आवश्यकता के अनुसार जरूरी दवाइयां भी प्रदान की गईं। शिविर के दौरान मरीजों की आंखों की जांच भी की गई, जिनमें से 178 जरूरतमंदों को मुफ्त में चश्मे दिए गए।

14 फरवरी 2020 को फरीदाबाद के कुराली गांव में मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

- **गांव पाली, फरीदाबाद में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन**

एनएचपीसी ने 27 फरवरी 2020 को फरीदाबाद जिले के पाली गांव में भी मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इसका आयोजन एनएचपीसी द्वारा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत सिविल अस्पताल, फरीदाबाद, सर्वोदय अस्पताल, फरीदाबाद और सेंटर फॉर साइट, फरीदाबाद के सहयोग से किया गया।

आसपास के क्षेत्रों के 650 से अधिक रोगियों ने मुफ्त चिकित्सा परामर्श का लाभ उठाया। शिविर के दौरान हृदय रोग, स्त्री रोग, बाल रोग, नेत्र, हड्डी रोग आदि के बारे में मुफ्त चिकित्सा परामर्श दिया गया और रक्त शर्करा, रक्तचाप, ईसीजी आदि परीक्षण किए गए और आवश्यकता अनुसार मुफ्त दवाएं भी प्रदान की गईं। शिविर के दौरान मरीजों की आंखों की जांच भी की गई, जिनमें से 176 मरीजों को मुफ्त में चश्मे दिये गये।

27 फरवरी 2020 को ग्राम पाली, फरीदाबाद में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

एनएचपीसी द्वारा स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के तहत किए गए सीएसआर उपायों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

1. **सलाल पावर स्टेशन**

चिकित्सा शिविर का आयोजन

सलाल पावर स्टेशन ने 27 जुलाई 2019 को कबीर सत्संग भवन, रियासी में वरिष्ठ नागरिक और सिविल सोसाइटी रियासी में 3.48 लाख रुपये की लागत से एक नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया, जिसमें कुल 400 लोगों की जांच की गई और दवाइयां वितरित की गईं।

- **जिला रियासी, जम्मू कश्मीर में नशा मुक्ति केंद्र :**

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में हाल ही में युवाओं में नशे की लत में बढ़ोतरी की प्रवृत्ति दिखाई दी। रियासी जिला प्रशासन के अनुरोध पर सलाल पावर स्टेशन में 30 मार्च, 2020 को जिले में नशामुक्ति केंद्र की स्थापना के लिए जिला प्रशासन रियासी, जम्मू कश्मीर को दो लाख रुपये प्रदान किए।

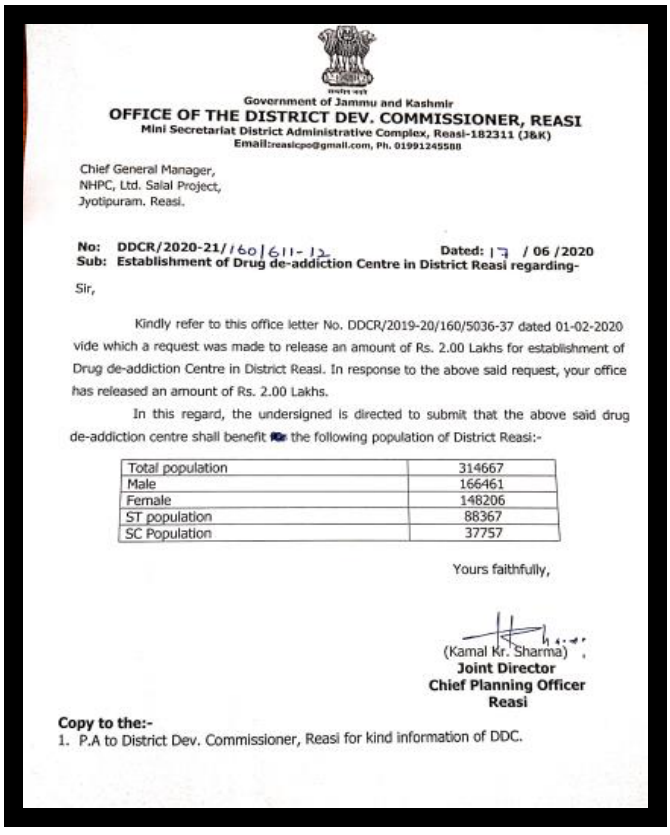

Government of Jammu and Kashmir
OFFICE OF THE DISTRICT DEV. COMMISSIONER, REASI
Mini Secretariat District Administrative Complex, Reasi-182311 (J&K)
Email:reasicpo@gmail.com, Ph. 01991245588

Chief General Manager,
NHPC, Ltd. Salal Project,
Jyotipuram. Reasi.

No: DDCR/2020-21/160/611-12 **Dated: 17 / 06 /2020**
Sub: Establishment of Drug de-addiction Centre in District Reasi regarding-

Sir,

Kindly refer to this office letter No. DDCR/2019-20/160/5036-37 dated 01-02-2020 vide which a request was made to release an amount of Rs. 2.00 Lakhs for establishment of Drug de-addiction Centre in District Reasi. In response to the above said request, your office has released an amount of Rs. 2.00 Lakhs.

In this regard, the undersigned is directed to submit that the above said drug de-addiction centre shall benefit the following population of District Reasi:-

Total population	314667
Male	166461
Female	148206
ST population	88367
SC Population	37757

Yours faithfully,

(Kamal Kr. Sharma)
Joint Director
Chief Planning Officer
Reasi

Copy to the:-
1. P.A to District Dev. Commissioner, Reasi for kind information of DDC.

- **जोरावर अस्पताल, सलाल पावर स्टेशन पर संगरोधन केंद्र**

जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में कोविड-19 महामारी का प्रकोप फैलने के बाद जिला प्रशासन के अनुरोध पर 19 मार्च, 2020 को जोरावर अस्पताल, रियासी, जम्मू कश्मीर में सलाल पॉवर स्टेशन में 50 बिस्तर क्षमता का क्वारंटीन सेंटर स्थापित किया गया। इस केंद्र पर सभी बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं और उपकरण आदि की व्यवस्था की गई, जिनमें बिस्तर, तकिए, बेडशीट, जलापूर्ति, चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति, टीवी आदि शामिल थे। निवासियों के लिए भोजन, चाय और अल्पाहार का भी प्रबंध किया गया। यात्रा के पूर्व वृतांत वाले लोगों को जिला प्रशासन द्वारा 14 दिन के लिए क्वारंटीन में भेजा गया।

- **कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष- जरूरतमंद लोगों को ड्राई राशन पैकेट, सेनिटाइजर्स, हैंडवाश और मास्क वितरित किए गए**

सलाल पॉवर स्टेशन में प्रवासी श्रमिकों, दिहाड़ी मजदूरों, वरिष्ठ नागरिकों, शारीरिक दृष्टि से बाधित व्यक्तियों और अन्य जरूरतमंद लोगों को ड्राई राशन पैकेट, सेनिटाइजर्स, हैंडवाश और मास्क वितरित किए। पॉवर स्टेशन के आसपास रहने वाले करीब 250 जरूरतमंद परिवारों को लाभ पहुंचाया गया।

जरूरतमंदों को राशन बांटते सलाल पावर स्टेशन के अधिकारी। (नरेंद्र)

जरूरतमंदों को ड्राई राशन व मास्क वितरित किए

रियासी, 7 अप्रैल (नरेंद्र): कोविड-19 के संक्रामक प्रकोप से लड़ने के लिए 21 दिनों के देशव्यापी लॉक डाऊन के चलते रियासी जिले में आम लोगों को खाने-पीने की कोई कमी न हो, इसके लिए एन.एच.पी.सी. सलाल पावर स्टेशन ने जरूरतमंद लोगों को ड्राई राशन व मास्क वितरित किए।

सलाल पावर स्टेशन के महाप्रबंधक के दिशा-निर्देश पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व-सतत् विकास के तहत व जिला प्रशासन के साथ मिलकर सलाल पावर स्टेशन के आसपास रह रहे 50 गरीब परिवारों, जिनमें दिहाड़ीदार मजदूर, दिव्यांग एवं बुजुर्ग लोग शामिल हैं, को पुनः ड्राई राशन व मास्क वितरित किए गए। ये वे परिवार हैं जिनकी लॉक डाऊन के कारण आजीविका का कोई स्रोत नहीं रहा है। ऐसे समय में उनको जीवन-यापन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एन.एच.पी.सी. द्वारा जो राशन के पैकेट बांटे गए हैं, उसमें आटा, चावल, चीनी, दालें, नमक, खाना बनाने वाला तेल, बिस्कुट्स व कपड़े धोने का साबुन शामिल है।

- **पीपीई किट वितरण**

अस्पताल के स्टाफ और सलाल पॉवर स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों को निशुल्क पीपीई किट, मास्क, दस्ताने, सेनिटाइजर वितरित किए गए।

- **जिला प्रशासन को दस्ताने प्रदान किए गए**

सलाल पॉवर स्टेशन ने रियासी जिला प्रशासन को दस्तानों के 1000 जोड़े प्रदान किए। इसके लिए रियासी के उपायुक्त ने आकस्मिक अनुरोध किया था। उपायुक्त ने रियासी पॉवर स्टेशन द्वारा दी गई सहायता और समर्थन की सराहना की। संदिग्ध व्यक्तियों/क्वारंटीन किए गए यात्रियों की जांच के लिए जिला प्रशासन रियासी को कोविड-19 की जांच में काम आने वाली 50 वीटीएम किट भी प्रदान की गई।

जिला प्रशासन को वीटीएम किट का वितरण

- **सार्वजनिक घोषणा**

  कोविड-19 से बचाव के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए सलाल पॉवर स्टेशन और आसपास के इलाकों में नियमित रूप से सार्वजनिक घोषणाएं की गईं। लोगो को कोविड-19 के प्रकोप के मद्देनजर अपने घरों में रहने और बाहर जाते समय मास्क पहने तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखने की भी सलाह दी गई।

2. **दुल्हस्ती पॉवर स्टेशन**

- **स्वास्थ्य देखभाल के लिए चिकित्सा शिविरों का आयोजन:**

  वित्तीय वर्ष 2019-20 में दिनांक 07.12.2019, 28.12.2019 और 15.02.2020 को क्रमशः तीन चिकित्सा शिविरों का आयोजन किश्तवाड़ जिले के गांव डूल, थाकराई और सार्थल में किया गया। इस आयोजन पर 5,47,612/-. रुपये की लागत आई। चिकित्सा शिविरों से करीब 989 गांवों को लाभ पहुंचा।

- **किश्तवाड़ के टीबी सेंटर में शौचालय परिसर का निर्माण**

  किश्तवाड़ स्थित क्षय रोग केंद्र में शौचालय परिसर के निर्माण के लिए जिला प्रशासन के साथ 28.02.2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके निर्माण में 3.89 लाख रुपये की लागत आएगी। निर्माण कार्य प्रगति पर है।

- **कोविड-19 के लिए भोजन और स्वास्थ्य वस्तुओं का वितरण:**

  किश्तवाड़ जिला प्रशासन को रुपये 3,10,250 के कुल व्यय के साथ कोविड-19 से बचाव की सामग्री (मास्क एन95, तीन परतों वाले मास्क, हैंड सेनिटाइजर, सोडियम हाइपोक्लोराइट, दस्ताने, पीपीई किट) उपलब्ध कराई गई। तत्संबंधी कार्य पूरा किया गया।

3. **उड़ी पॉवर स्टेशन**

- **बारामूला जिला प्रशासन को चिकित्सा/मशीनरी उपकरण प्रदान किए गए :**

एनएचपीसी लिमिटेड और जिला प्रशासन के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के जरिए सीएसआर कार्यक्रम – **महत्वाकांक्षी जिला बारामूला** के अंतर्गत स्वास्थ्य और स्वच्छता सुविधाओं के विकास के लिए लॉकडाउन की अवधि में बारामूला जिले के विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों को अनेक "जीवन रक्षक चिकित्सा/मशीनरी उपकरण" प्रदान किए गए। संकट के समय एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा किए गए योगदान की बारामूला के उपायुक्त द्वारा सराहना की गई। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के मद्देनजर बारामूला जिले के विभिन्न देखभाल केंद्रों में वेंटिलेटर जैसे विशिष्ट चिकित्सा उपकरण और अन्य उपकरण प्रदान और संस्थापित किए जाएंगे :

क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	आईसीयू वेंटिलेटर	2 नग
2	पोर्टेबल वेंटिलेटर	5 नग
3	हाइड्रोलिक लेबर टेबल	3 नग
4	सीआर सिस्टम	8 नग
5	सीबीसी एनालाइजर	1 नग
6	यूएसजी सिम्पल	2 नग
7	जेनरेटर सेट 250 केवी	1 नग
8	क्रैश कार्ट	10 नग
9	इमरजेंसी रिकवरी ट्राली	10 नग
10	इलेक्ट्रिक टेबल	2 नग
11	एनस्थीसिया वर्क स्टेशन	2 नग
12	आईसीयू बेड	8 नग

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

एनएचपीसी
NHPC
DRYPRO
Σ II
एनएचपीसी
NHPC
REGIUS
Σ II

एनएचपीसी
NHPC
DRYPRO
Σ II
एनएचपीसी
NHPC
REGIUS
Σ II

4. उड़ी-**II** पावर स्टेशन

- **मचीकरंड गाँव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन:**

  दिनांक 3 दिसम्बर 2019 को उड़ी-II पावर स्टेशन द्वारा बारामूला जिले के उड़ी तहसील में स्थित मचीकरंड गाँव के Govt. Boys Middle School Machikarand में सीएसआर व एसडी के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में परियोजना चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा व वरिष्ठ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं स्थानीय उड़ी चिकित्सालय के डॉक्टरों ने चिकित्सीय परामर्श दिया और दवाओं का वितरण किया गया। निःशुल्क चिकित्सा शिविर का मचीकरंड एवं आस पास के गाँवों के 468 लोगो ने लाभ

उठाया। इस अवसर पर मचीकरंड गाँव के Govt. Boys Middle School के हेडमास्टर श्री रफीक अहमद वानी एवं अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने इस शिविर के लिए एनएचपीसी लिमिटेड उड़ी-II पावर स्टेशन के प्रयासों की सराहना की।

- **निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन:**

  दिनांक 11 फरवरी 2020 को उड़ी-II पावर स्टेशन द्वारा बारामूला जिले के उड़ी तहसील में स्थित ईशम गाँव में निगमीय सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास (सीएसआर व एसडी) के अंतर्गत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में परियोजना चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वरिष्ठ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, स्थानीय प्राइमरी हैल्थ सेंटर के चिकित्सक तथा उड़ी चिकित्सालय के डॉक्टरों ने चिकित्सीय परामर्श दिया और नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया । निःशुल्क चिकित्सा शिविर का ईशम एवं आस पास के गाँवों के 511 लोगो ने लाभ उठाया । इस शिविर के लिए ईशम गाँव के सरपंच श्री फयाज़ एवं अन्य स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने एनएचपीसी लिमिटेड उड़ी-II पावर स्टेशन के प्रयासों की सराहना की।

5. **किशनगंगा पॉवर स्टेशन**

- **कोविड-19 महामारी के लिए सहायता**

कोविड-19 महामारी से उत्पन्न आपात स्थिति को देखते हुए, किशनगंगा पॉवर स्टेशन ने जिला प्रशासन, बांदीपोरा को 2.0 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। इसके अतिरिक्त आवश्यक चिकित्सा सामग्री जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर और अनुषंगी वस्तुएं भी जिला प्रशासन को उपलब्ध कराई गईं।

एनएचपीसी जिला प्रशासन को आवश्यक चिकित्सा वस्तुएं उपलब्ध कराते हुए

6. **चुटक पॉवर स्टेशन**

- **चिकित्सा शिविरों का आयोजन**

दूर-दराज क्षेत्र में स्थित होने के कारण पॉवर स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों की पहुंच स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा देखभाल केंद्रों तक अत्यंत सीमित है। चूटक पॉवर स्टेशन ने जिला चिकित्सा अधिकारियों के सहयोग से टीकाकरण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की दिशा में पहल की। स्थानीय लोगों के लाभ के लिए सीएसआर और स्थायी विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत सामान्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। तदनुरूप वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान हेपटाइटिस-बी टीकाकरण शिविर और सामान्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। सीएसआर की इस पहल के तहत लगभग 5247 लोगों को लाभ पहुंचा।

7. निम्मो-बाजगो पॉवर स्टेशन

- पॉवर स्टेशन द्वारा निकटवर्ती क्षेत्रों में स्थायी चिकित्सा जरूरतों के लिए 4.86 लाख रुपये की लागत से चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए।
- लेह के चिकित्सा विभाग को 6.72 लाख रुपये की लागत से एक रोगी वाहन एम्बुलेंस (मारूती इको पेट्रोल मॉडल) उपलब्ध कराई गई।
- पॉवर स्टेशन ने खलत्सी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को हीमेटोलॉजी कम्प्यूटर एनालाइजर एमएस-4ई प्रदान किए। इस काम के लिए 4.60 लाख रुपये खर्च किए गए।
- पॉवर स्टेशन ने खलत्सी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 2.98 लाख रुपये की लागत से यूरिन एनेलाइजर (सीमन्स) प्रदान किया।
- खलत्सी गांव में बोरवेल और पाइपलाइन के जरिए पेयजल उपलब्ध कराया गया। । इस काम के लिए 20.00 लाख रुपये की लागत आई।

8. सेवा-II पॉवर स्टेशन

• चिकित्सा शिविर का आयोजन

स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं के अनुसार वित्तीय वर्ष के दौरान तीन स्थानों पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए पांच चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। 1800 से अधिक स्थानीय व्यक्तियों ने नियमित जांच और अन्य चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाया।

- **जिला मेडिकल कॉलेज और अस्पताल कठुआ को सहायता**

कठुआ के उपायुक्त के अनुरोध पर एनएचपीसी ने जिला मेडिकल कालेज और अस्पताल के प्रसूति/नवजात शिशु वार्ड में हीटिंग और कूलिंग की व्यवस्था के लिए दो स्प्लिट एयर कंडीशनर प्रदान किए। इससे भीषण सर्दी और गर्मी के मौसम में अस्पताल में भर्ती होने वाली गर्भवती महिलाओं की कठिनाइयां दूर करने में मदद मिली।

9. **बनीखेत क्षेत्र**

बनीखेत और डलहौजी के आसपास के इलाकों में तीन चिकित्सा शिविरों का आयोजन क्रमशः 25/9/2019, 14/11/2019 और 6/3/2020 को किया गया। वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान इन शिविरों के आयोजन में 5.67 लाख रुपये खर्च किए गए।

10. **बैरा सियूल पॉवर स्टेशन**

- **चिकित्सा शिविर का आयोजन**

बैरा सियूल पावर स्टेशन के बांध के निकट भजराडू (तिस्सा) में 20.09.2019 को एक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें रोगियों को औषधियां प्रदान की गईं। कुल मिलाकर 1445 ग्रामवासियों ने चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया। इस पॉवर स्टेशन के चिकित्सा अधिकारियों द्वारा ईसीजी और अन्य नियमित जांच भी की गईं। क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ नागरिकों ने इस शिविर का लाभ उठाया और एनएचपीसी के इस प्रयास की सराहना की। (वित्त वर्ष के दौरान 3.73 लाख रुपये खर्च किए गए)

• अस्पताल/डिस्पेंसरी में बाहरी लोगों को सेवाएं प्रदान की गईं :

बैरा सियूल पावर स्टेशन द्वारा सुरांगनी में एक अस्पताल का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में वहां दो डाक्टर हैं, जिनमें से एक महिला चिकित्सक है। आसपास के क्षेत्रों में ऐसा अन्य कोई बड़ा अस्पताल नहीं है। इसे देखते हुए अनेक स्थानीय लोग इस अस्पताल का लाभ उठा रहे हैं। गंभीर रूप से बीमार अनेक रोगियों का भी उपचार किया जाता है और वह भी रात के विषम समय के दौरान। यह अस्पताल स्थानीय लोगों के लिए वास्तव में कल्याणकारी सिद्ध हुआ है। इस नेक कार्य से एनएचपीसी की प्रतिष्ठा बढ़ाने में मदद मिली है। इस सुविधा का करीब 5200 लाभार्थियों द्वारा लाभ उठाया जा रहा है।

11. चमेरा –I पावर स्टेशन

• विभिन्न बीमारियों के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर :

मानव मात्र के विकास और साथ ही स्वस्थ समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिए बेहतर स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण पहलू है। स्थानीय लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करना एनएचपीसी अपना बुनियादी कोरपोरेट सामाजिक दायित्व समझती है। चमेरा पावर स्टेशन-1 ने भारत के प्रमुख अस्पतालों अर्थात् फोर्टिस अस्पताल, कांगड़ा और इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली के सहयोग से प्रोजेक्ट अस्पताल में 07.12.2019 और 04.02.2020 को मल्टी स्पेशियलिटी चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया।
इन चिकित्सा शिविरों में हृदय रोग, हड्डी रोग, सामान्य चिकित्सा, स्त्री रोग आदि के विशेषज्ञ डाक्टरों ने रोगियों को परामर्श प्रदान किया। विभिन्न प्रकार की रोग संबंधी जांच भी की गईं, जिनमें ईसीजी, बोन मिनरल डेंसिटी, एक्सरे, मधुमेह परीक्षण आदि शामिल हैं। इस अवसर पर रोगियों को निशुल्क दवाइयां भी प्रदान की गईं। बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के लोगों ने इन मल्टी स्पेशियलिटी चिकित्सा शिविरों का लाभ उठाया।

श्री एम.ए. पदमानाभाचार, महाप्रबंधक (प्रभारी), चमेरा पॉवर स्टेशन-1 प्रोजेक्ट अस्पताल के चिकित्सा शिविर में दवाएं वितरित करते हुए

• आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र को स्टील बैंच प्रदान किए गए :

चमेरा पॉवर स्टेशन-1 ने मार्च 2020 में गांव सिमनी में स्थित आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र को दो स्टील बैंच प्रदान किए। आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र सिमनी गांव स्थित पावर स्टेशन के रास्ते में है। यह एकमात्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है जो आसपास के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराता है।

12. चमेरा – II पॉवर स्टेशन

- **एस्पिरेशनल जिला चंबा के विकास के लिए सीएसआर एंड एसडी के अन्तर्गत एनएचपीसी ने रूपये 21.39 करोड़ के समझौता ज्ञापन किए:**

नीति आयोग, भारत सरकार द्धारा जिला चंबा को एस्पिरेशनल जिला घोषित किया गया था एवं सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते एनएचपीसी को जिला चंबा में स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकास करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस संबंध में जिला प्रशासन चंबा द्वारा राजकीय मैडिकल कॉलेज, चंबा में एमआरआई व सीटी स्कैन मशीनों के लिए अनुरोध किया। उपरोक्त मशीनों की अनुपलब्धता के कारण जिला चंबा के निवासियों को सी टी स्कैन व एमआरआई कराने के लिए 150 किलोमीटर दूर स्थित पठानकोट जाना पड़ता था एवं इसमें उन्हें अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था । एनएचपीसी ने वस्तुस्थिति को समझते हुए जिला प्रशासन के इस अनुरोध को स्वीकार किया ।

एनएचपीसी द्वारा राजकीय मैडीकल कॉलेज चंबा को एमआरआई व सीटी स्कैन उपलब्ध करवाने के लिए समझौता ज्ञापन के अनुपालन में दिनांक 29.03.20 को रूपये 09.00 करोड़ प्रदान कर दिए गए हैं तथा राजकीय मैडीकल कॉलेज चंबा दवारा उपरोक्त मशीनों की खरीद की प्रक्रिया चल रही है ।

एनएचपीसी द्वारा जिला चबा के विकास के लिए किए गए कार्यो को स्थानीय जनता,जिला प्रशासन , हिमाचल सरकार तथा नीति आयोग द्वारा सराहना की गई व एनएचपीसी की सी एस आर एस डी गतिविधियो को स्वीकारोकती प्राप्त हुई है । इस तरह जिला चंबा के सर्वांगिन विकास का जो सपना एनएचपीसी द्वारा देखा गया हे वह भी चरित्रार्थ हुआ है।

महाप्रबंधक (प्रभारी) श्री वी. के. चौधरी निस्पादित समझौते को जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ आदान प्रदान करते हुए

- **नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन:**

  चमेरा-II पावर स्टेशन दवारा वर्ष 2019-20 के दौरान पावर स्टेशन परिक्षेत्र में आने वाली ग्राम सभाओं जिसमें मुख्यत: ग्राम पंचायत मैहला एवं कोलका में 06 नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन रूपये 05.89 लाख की लागत से किया गया । इस दौरान चिकित्सा शिविरों में आने वाले ग्रामीणों की नि:शुल्क चिकित्सा जिसमें रक्तचाप , ब्लड शुगर की जांच की गई तथा मरीजों को नि:शुल्क दवाईयां प्रदान की गई । आयोजित 06 नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों मे लगभग 2000 ग्रामीणो का नि:शुल्क ईलाज किया गया ।

ग्राम पंचायत महैला मे आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर

ग्राम पंचायत कोलका मे आयोजित निशुल्क चिकित्सा शिविर

13. चमेरा – ।।। पॉवर स्टेशन

- **नि:शुल्क चिकित्सा कैंप:**

  चमेरा-।। पावर स्टेशन द्वारा परियोजना क्षेत्र के आस पास के गाँव जोकि चम्बा शहर से काफी दूर दराज इलाकों में अवस्थित हैं और जहाँ के लोगों को चिकित्सा जाँच एवं दवाईयों के लिए बीमारी की अवस्था में अपने घर से काफी दूर पैदल चलकर जाना पड़ता है । ऐसे ग्रामीण इलाकों में चिकित्सा शिविरों के माध्यम से लोगों को उनके घर के समीप ही आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। इन शिविरों में निशुल्क जाँच करवा कर लोग अपने स्वास्थ के प्रति सजग रहते हैं तथा जो लोग (जिसमें काफी संख्या में बुजुर्ग, बच्चे व महिलाएँ होती है) चिकित्सा-जाँच के दौरान बीमार पाए जाते हैं उन्हें तुरन्त नि:शुल्क दवाईयाँ उपलब्ध करवाई जाती हैं और आवश्यक उपचार सुझाए जाते हैं। वर्ष 2019-20 में भी सी.एस.आर. के अन्तर्गत दो चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया; जिनमें से एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर 02.11.2019 को चम्बा की राड़ी पंचायत के गुआँ गाँव में और एक कैंप 02.12.2019 को बटोट गाँव में लगाया गया। इन दोनों चिकित्सा शिविरों में 711 लोगों ने नि:शुल्क चिकित्सा जाँच व दवाईयों का लाभ उठाया ।

- **कोविड-19 महामारी से निपटने हेतु किए गए कार्य:**

  भारत के समक्ष एक बड़े संकट के रूप में खड़ी वर्तमान चुनौती कोविड-19 से निपटने के लिए एनएचपीसी के अन्य पावर स्टेशनों की तरह चमेरा-।।। भी यथा आवश्यक कार्य कर रहा है। चमेरा-।।। में वैश्विक महामारी कोविड-19 से निपटने के लिए सी.एस.आर. के अन्तर्गत अनेक कार्य किए गए हैं और यह कार्य अभी भी जारी हैं।

इसके लिए कोविड-19 महामारी के दौरान लॉकडाऊन में फंसे हुए श्रमिकों व पावर स्टेशन के आस-पास के लोथल, खड़ामुख व धरवाला इत्यादि गाँवों के जरूरतमंद गरीब स्थानीय लोगों को किराने की वस्तुओं का वितरण किया गया। जून माह के प्रथम सप्ताह तक कुल 4531 किलो राशन का वितरण पावर स्टेशन द्वारा जरूरतमंद लोगों में किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त इस महामारी से लड़ने में सहायता हेतु आवश्यक Medical PPEs थर्मल-स्कैनर की व्यवस्था के साथ-साथ निरंतर सैनिटाइज़र, ग्लव्ज, मास्क इत्यादि भी लोगों को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

कोविड-19 के दौरान फंसे हुए श्रमिकों/ जरूरतमंद गरीब लोगों को किराने की वस्तुओं का वितरण

14. पार्वती**-II** एचई परियोजना

- **चिकित्सा शिविर**

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान सीएसआर और स्थायी विकास गतिविधियों के तहत पार्बती परियोजना, चरण- II द्वारा कुल चार निःशुल्क चिकित्सा शिविर (दो गैर शल्य चिकित्सा और दो शल्य चिकित्सा) आयोजित किए गए। इन शिविरों का उद्देश्य उन स्थानीय लोगों / निवासियों की मदद करना था जिनकी चिकित्सा परामर्श और दवाओं तक पहुंच नहीं है। स्थानीय लोगों और नेताओं / अधिकारियों ने इन चिकित्सा शिविरों के आयोजन में परियोजना के प्रयासों की सराहना की। इसके अलावा कोरोना वायरस से निपटने के लिए स्थानीय लोगों को मास्क/सैनिटाइजर/दस्ताने भी वितरित किए गए। इस गतिविधि में कुल 5.35 लाख रुपये खर्च किए गए।.

चिकित्सा शिविर (गैर शल्य चिकित्सा)

दिनांक **05.09.2019** को मणिकरण घाटी के रतोचा गांव में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप का आयोजन प्रोजेक्ट के डॉक्टरों की टीम के सहयोग से किया गया। इस शिविर में स्थानीय लोगों को नि:शुल्क परामर्श एवं आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क दवाएं प्रदान की गईं। स्थानीय लोगों/नेताओं ने इस गतिविधि के परियोजना प्रबंधन की सराहना की।

रतोचा शिविर

इस चिकित्सा शिविर से लगभग 220 स्थानीय लोग लाभान्वित हुए और लाभार्थियों का विवरण नीचे दिया गया है:

कुल	अजा	अजजा	अपिव	सामान्य	महिला
220	**26**	**-**	**3**	**191**	126

- **नेत्र सर्जरी शिविर (सर्जिकल)**

  नेत्र चिकित्सालय, कुल्लू में दिनांक 23-24.01.2020 को निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रतौच चिकित्सा शिविर में चिन्हित 8 मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया। इस शिविर में प्रवेश के दौरान रोगियों को नि:शुल्क पूर्व एवं पश्चात जांच, शल्य चिकित्सा, दवा/चश्मा, लेंस एवं भोजन प्रदान किया गया। अस्पताल से छुट्टी के समय फलों की टोकरियां दी गईं।

मोतियाबिंद सर्जरी के मरीजों को फलों का वितरण

- थेला गांव में चिकित्सा शिविर (गैर सर्जिकल)

  1 फरवरी, 2020 को गरसा घाटी के थेला गांव में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन श्री नरेन्द्र कुमार, महाप्रबंधक (नागरिक) ने परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। इस कैंप का आयोजन प्रोजेक्ट डॉक्टर टीम के सहयोग से किया गया। इस शिविर में स्थानीय लोगों को नि:शुल्क परामर्श एवं आवश्यकता अनुसार नि:शुल्क दवाएं प्रदान की गईं। स्थानीय लोगों/नेताओं ने इस गतिविधि के लिए परियोजना प्रबंधन की बहुत सराहना की।

Thella Camp

इस चिकित्सा शिविर से लगभग 152 स्थानीय लोग लाभान्वित हुए और लाभार्थियों का विवरण नीचे दिया गया है :

कुल	अजा	अजजा	अपिव	सामान्य	महिला
152	18	-	-	134	64

- **नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर**

नेत्र चिकित्सालय, कुल्लू में दिनांक 23.02.2020 को निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में थेला चिकित्सा शिविर में चिन्हित 2 मरीजों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन किया गया. इस शिविर में प्रवेश के दौरान रोगियों को नि:शुल्क पूर्व एवं पश्चात जांच, शल्य चिकित्सा, दवा/चश्मा, लेंस एवं भोजन प्रदान किया गया।
डिस्चार्ज के समय, श्री नरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक (नागरिक) और डॉ. ए आर वाटेकर, सीएमओ द्वारा मरीजों को फलों की टोकरियाँ दी गईं और परियोजना द्वारा रोगी और उनके रिश्तेदारों को घर छोड़ने के लिए परिवहन सुविधा भी प्रदान की गई।

मोतियाबिंद सर्जरी के मरीजों को फलों का वितरण

- **कोविड-19 के लिए मास्क और सैनिटाइजर का वितरण**

  मार्च 2020 में कोरोना वायरस के प्रकोप के दौरान, कोरोना वायरस से निपटने के लिए परियोजना क्षेत्र के स्थानीय लोगों में हैंड सैनिटाइज़र, हैंड ग्लव्स और फेस मास्क वितरित किए गए।

- **मैनुअल सेनेटरी इंसीनरेटर**

जिला कुल्लू ने महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता की दिशा में "संवेदना" के नाम से एक नेक पहल की है। यह कार्यक्रम इस जिले की महिलाओं/लड़कियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस संबंध में कुल्लू जिले के ग्रामीण क्षेत्र/विभिन्न पंचायतों में वितरण के लिए उपायुक्त, कुल्लू से 100 मैनुअल सेनेटरी पैड इंसीनरेटर उपलब्ध कराने का अनुरोध भी प्राप्त हुआ था, जिन्हें "आशुद्धि नाशक यंत्र" भी कहा जाता है।
महिलाओं/लड़कियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए परियोजना द्वारा सीएसआर और एसडी गतिविधि के तहत 100 मैनुअल इंसीनरेटर खरीदे गए। कुल्लू जिले की विभिन्न पंचायतों में आगे वितरण के लिए इन मैनुअल इंसीनरेटरों को जिला प्राधिकरण को सौंप दिया गया। इस कार्य पर कुल 6.22 लाख लागत रु. की आई और यह खर्च आरक्षित निधि से किया गया।

मैनुअल सेनेटरी इंसीनरेटर का वितरण

15. पार्बती – III पॉवर स्टेशन

एनएचपीसी की 520 मेगावाट की पार्बती-III पावर स्टेशन,हिमाचल प्रदेश के दूरस्थ इलाके कुल्लू के सैन्ज वैली में स्थित है और जून 2014 में इस परियोजना से लगातार बिजली का उत्पादन किया जा रहा है । पार्बती-III द्वारा अभी तक सीएसआर एवं एसडी योजना के अंतर्गत लगभग 2.04 करोड़ रुपये इस इलाके व स्थानीय जन के चौमुखी विकास हेतु खर्च किए जा चुके है । जिससे नि:संदेह पार्बती-III के प्रभावित पंचायतों का आर्थिक-सामाजिक विकास हुआ है । गत वर्ष 2019-20 में पार्बती-III पावर स्टेशन द्वारा निम्नलिखित सीएसआर एवं एसडी की गतिविधियों को किया गया, जिसमें कुल रु 30.00 लाख का खर्चा किया गया ।

- **स्वास्थ के क्षेत्र में किया रिकार्ड मरीजों की जांच व आवश्यक इलाज:**

  स्वास्थ के क्षेत्र में इस वर्ष पावर स्टेशन द्वारा लगभग 6.0 लाख की राशि मे कुल तीन मुख्य कैंप लगाए गए । जिसमें दो कैंप नि:शुल्क नेत्र जांच चिकित्सा कैंप जिसमें लगभग रिकार्ड 224 लोगों की जांच की गयी व 37 लोगों के आंखों की मोतियाबिंद का सफल आपरेशन भी करवाया गया । इसके साथ ही "हेल्थ व न्यूट्रीशन" हेड के अंतर्गत प्राभावित पंचायतों के 11 आगंनबाड़ी के कुल 80 बच्चों को "पोषण व स्वच्छता किट प्रदान किया गया । इसके अतिरिक्त इस वर्ष परियोजना क्षेत्र "बंजार" में हुए बस हादसे में 5 घायल जनों तथा कुल्लू स्थित नवचेतना केंद्र के 10 दिव्यांग बच्चों को "व्हील चेयर व चलने हेतु वाकिंग स्टिकस" प्रदान की गयी । एनएचपीसी के इस प्रयास व सहयोग की पूरे क्षेत्र ने सराहना की ।

दिव्यांग जन व बंजार हादसे` के घायल लोगों को व्हील चेयर व वाकिंग स्टैंड का वितरण

मोतिया बिन्द के मरीजो के सफल आपरेशन के बाद जरूरतमन्द जन

आँगनबाड़ी के बच्चों का स्वास्थ जांच व स्वच्छता व न्यूट्रीशियन किट का वितरण

- **"कोविड-19" के दौरान सहायतार्थ की गयी सीएसआर गतिविधि:**

  "कोविड-19" के विषम समय में कुल्लू में रहने वाले प्रवासी मजदूर व गरीब जन के कुल 210 परिवारों को 1.72 लाख रुपये की लागत से लगभग 1 महीने हेतु राशन सामाग्री की सहायता स्थानीय प्रसाशन के गाईड्लाइन्स के अंतर्गत उनके माध्यम से प्रदान की गयी ।

कुल्लू जिले में **210** प्रवासी मजदूर व गरीब जरूरतमंद परिवार को **1** माह का राशन जिला प्रशासन के माध्यम से वितरण

16. लोकतक पावर स्टेशन, मणिपुर

- **निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन**

इस गतिविधि के तहत तीन चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। पहला शिविर 28 अगस्त 2019 को इथाई में आयोजित किया गया था, दूसरा शिविर 21 दिसंबर 2019 को सिलेन गांव, लीमाटक में और तीसरा शिविर 28 जनवरी 2020 को थेंजंग गांव में आयोजित किया गया था। इन शिविरों में कुल 798 ग्रामीण लाभान्वित हुए। मुफ्त

परामर्श और मुफ्त दवाएं। संबंधित गांवों के ग्राम प्रधानों को प्राथमिक उपचार किट भी प्रदान की गई। इस पर 5.95 लाख रुपये की राशि खर्च की गई।

- **स्थानीय सरकारी अस्पताल को 2 मेडिकल एम्बुलेंस उपलब्ध करायी गईं**

पावर स्टेशन ने 2 एम्बुलेंस प्रदान कीं, जिनमें से एक बिष्णुपुर और एक चूड़ाचांदपुर जिला प्रशासन को दी गई। इन एंबुलेंस से दोनों जिलों के लोगों को फायदा होगा। ये एंबुलेंस 2 जुलाई 2019 को संबंधित जिलों के उपायुक्त को सौंप दी गईं। एनएचपीसी की इस सीएसआर पहल से बिष्णुपुर और चूड़ाचांदपुर जिलों के 10000 से अधिक लोग लाभान्वित होंगे।

17 धौलीगंगा पावर स्टेशन

- **ग्राम खेला के शेरी में पेय जल टेंक व 300 मीटर जल आपूर्ति लाइन उपलब्ध करना:**

धौलीगंगा पावर स्टेशन के बांध स्थल में नदी के दाहिने छोर की पहाड़ी के ऊपर लगभग 5.3 किलोमीटर पैदल मार्ग की दूरी पर स्थित शेरी गाँव के 176 निवासी पेय जल की व्यवस्था न होने के कारण एक किलोमीटर की दूरी से पानी ढोने को मजबूर थे। इस कार्य को अधिकतर महिलाओं के द्वारा किया जाता है जिससे रोज़मर्रा के उनके कार्यों में भी व्यवधान पैदा होता था। ग्रामीणों की मांग व स्थानीय प्रशासन के अनुरोध पर पावर स्टेशन द्वारा जल स्रोत से उक्त ग्राम तक पेय जल लाइन व टेंक का निर्माण किया गया। इस कार्य से ग्राम के 176 ग्रामीणों को लाभ प्राप्त होगा। इस कार्य में 4.74 लाख रुपये की लागत आई है।

- **चिकित्सा शिविर का आयोजन:**

  धौलीगंगा पावर स्टेशन जो उत्तराखंड के नेपाल व चीन सीमा से लगे अत्यधिक दुर्गम व कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में बसे अंतिम तहसील धारचूला में स्थित है। इस मध्य हिमालयी पर्वत श्रृंखला में बसे गाँव के ग्रामीणों का जीवन भी संघर्षपूर्ण होता है। यहाँ अन्य जीवन उपयोगी सामग्री के अतिरिक्त चिकित्सा व्यवस्था भी एक चुनौती ही है। पावर स्टेशन का प्रयास रहता है कि इन दूरदराज के गाँव में पहुच कर ग्रामीणों के स्वास्थ्य लाभ के लिए कार्य करे, जो ग्रामीणों के लिए सुखद आश्चर्य की अनुभूति कराता है। इस वर्ष पावर स्टेशन द्वारा इस क्षेत्र में चार स्वास्थ्य शिविरों में कुल 833 मरीजों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की। इस कार्यक्रम में कुल 5.99 लाख रुपये व्यय किए गए।

18 **क्षेत्रीय कार्यालय -** सिलिगुडी

- **कोरोना (COVID-19) से निपटने में एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय ने निभाया सक्रिय भूमिका व्यक्तिगत सुरक्षा सामग्री, जरूरतमंदों को भोजन एवं जागरूकता अभियान:**

  एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी द्वारा स्थानीय प्रशासन और ग्राम पंचायतों की मदद से कोरोना वायरस के संक्रमण के मद्देनजर फूलबारी-I व फूलबारी-II ग्राम पंचायत में मास्क, सैनीटाइजर, साबुन का वितरण किया । इसके अतिरिक्त एनएचपीसी ने सिलीगुड़ी के विभिन्न इलाक़ों में जागरूकता अभियान का संचालन और खाद्य पदार्थों का वितरण भी किया, जिसमें एनएचपीसी के वरिष्ठ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने कोविड-19 से बचने के तौर-तरीकों से लोगों को अवगत कराया । पंचायत कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में

सीमित संख्या में स्थानीय लोगों के साथ प्रधान और मुखिया भी शामिल हुए थे। इस सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा कोरोना महामारी के बारे में उठाए गए प्रश्नों और गलतफहमियों को एनएचपीसी टीम द्वारा दूर किया गया ।

एनएचपीसी ने 28 मार्च से ही विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए अभियान शुरू किया था, जिसमें एनजेपी स्टेशन, अमाइडीधी प्राथमिक विद्यालय, नूतनपाड़ा चाय बागान, पुट्टीमारी और कालीबाड़ी मंदिर इलाके में प्रतिदिन 200 से 250 जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया था । ये भोजन के पैकेट हमारे इन-हाउस अतिथि गृह के कैंटीन में स्वच्छ तरीके से तैयार किए गए एवं भोजन का वितरण करते समय कोविड-19 से संबंधित सभी सावधानियों का ध्यान रखा गया । कर्मचारी ने स्वयंसेवक व्यक्तिगत सुरक्षा और सोशल डिस्टेंसिंग का सख़्ती से पालन करके कोविड-19 के समय में समाज का प्रेरणाश्रोत बन रहें हैं । कोविड-19 से संबंधित सीएसआर गतिविधियाँ वर्ष 2019-20 के दौरान कुल रु 69228/- वित्तीय व्यय के साथ की गई ।

फूलबारी-I ग्राम पंचायत में वरिष्ठ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जागरूकता अभियान

फूलबारी-I ग्राम पंचायत में पंचायत में व्यक्तिगत सुरक्षा सामानों का वितरण

कोरोना से निपटने में एनएचपीसी निभा रहा सक्रिय भूमिका

- 28 मार्च से एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय ने शुरू किया था जागरूकता व खाद्य सामग्री वितरण अभियान

सिलीगुड़ी. एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी द्वारा स्थानीय प्रशासन और ग्राम पंचायतों की मदद से कोरोना वायरस को नियंत्रित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है. इसके तहत एनएचपीसी ने सिलीगुड़ी के विभिन्न इलाकों में जागरूकता अभियान, खाद्य सामग्री और व्यक्तिगत सुरक्षा सामान का वितरण किया जा रहा है. एनएचपीसी से मिली जानकारी के मुताबिक अप्रैल के शुरुआती दिनों में फूलबाड़ी-1 और फूलबाड़ी-2 ग्राम पंचायत में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया था. जिसमें एनएचपीसी के वरिष्ठ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने कोविड-19 से बचने के तौर-तरीकों से लोगों को अवगत कराया. पंचायत कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सीमित संख्या में स्थानीय लोगों के साथ प्रधान और मुखिया शामिल हुए थे. इन सत्रों में प्रतिभागियों द्वारा कोरोना महामारी के बारे उठाये गये प्रश्नों और गलतफहमियों को एनएचपीसी टीम द्वारा दूर किया गया. इससे पहले एनएचपीसी ने मार्च महीने में अलग से अपने कर्मचारियों और अनुबंध कर्मचारियों के लिए कोरोना जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया था. एनएचपीसी ने 28 मार्च से ही विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए अभियान शुरू किया था. जिसमें एनजेपी स्टेशन, अमाईदिघी प्राथमिक विद्यालय नतुनपाड़ा चाय बागान, पुड़ीमारी और कालीबाड़ी मंदिर इलाके में प्रतिदिन 200 से 250 जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया गया था.

प्रभात खबर Tue, 28 April 2020 https://epaper.prabhatkhabar.com

---

- **निःशुल्क चिकित्सा शिविर, दिनांक: 07.02.2020:**

सीएसआर के अंतर्गत मेडिकल कैंप के आयोजन के संबंध में जलपाईगुड़ी जिले के माननीय सांसद श्री जयंत कुमार रॉय ने बहादुर मुन्ना हैप्पी होम हाई स्कूल, जिला जलपाईगुड़ी में एक मेडिकल कैंप आयोजन करने की सिफारिश की है । एनएचपीसी ने स्कूल जाकर आस पास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया एवं पाया कि इस ग्रामीण व आस पास के इलाक़े के निवासियों, छोटे छोटे बच्चों व अन्य जरूरतमंदों को चिकित्सीय जाँच की अत्यंत आवश्यकता है जो कि गरीबी के कारण अपना इलाज नहीं करवा पा रहें हैं ।

उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी द्वारा मेडिका नॉर्थ बंगाल क्लिनिक, सिलीगुड़ी के सहयोग से 07 फरबरी 2020 को बहादुर मुन्ना हैप्पी होम हाई स्कूल, पंगा साहेबबरी, जलपाईगुड़ी में एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । इस चिकित्सीय शिविर में कुल 286 व्यक्तियों की चिकित्सीय जाँच मेडिका नॉर्थ बंगाल क्लिनिक सिलीगुड़ी के तीन वरिष्ठ डॉक्टर एवं एनएचपीसी के वरिष्ठ उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं तकनीशियनों की टीम के द्वारा की गयी तथा संबंधित बीमारियों की मुफ्त दवाएँ भी बाँटी गयी । इस चिकिसा शिविर में ज्यादातर मरीज रक्तचाप (बीपी), मधुमेह व त्वचा से संबंधित पाए गए जिन्हें आगे के इलाज के लिए राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों में जाने कि सलाह दी गई । बहादुर मुन्ना हैप्पी होम हाई स्कूल की छात्राओं ने भी चिकित्सा शिविर में आए हुए मरीजों का सहयोग किया एवं कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया ।

मेडिकल टीम द्वारा मरीजों की जाँच

- **सिलीगुड़ी द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर, दिनांक: 10.07.2019:**
  क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी द्वारा मेडिका नॉर्थ बंगाल क्लिनिक, सिलीगुड़ी के सहयोग से 10 जुलाई 2019 को फूलबाड़ी ग्राम पंचायत–II, फूलबाड़ी में एक दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । इस चिकित्सीय शिविर में कुल 238 व्यक्तियों की जाँच की गयी तथा संबंधित बीमारियों की मुफ्त दवाएँ भी बाँटी गयी । इस चिकिसा शिविर में ज्यादातर मरीज रक्तचाप (बीपी), मधुमेह व त्वचा से संबंधित पाए गए जिन्हें आगे के इलाज के लिए राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों में जाने कि सलाह दी गई । कुल लागत रु 1,48,995/-.

मेडिकल टीम द्वारा मरीजों की जाँच (बीपी, शुगर इत्यादि)

19 तीस्ता लो डैम-**III** पावर स्टेशन

- चिकित्सा शिविरों का आयोजन:
  पावर स्टेशन ने चौरास्ता और मुंगपू के 74 धुरा तथा देवराली जैसे क्षेत्रों में 3 निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए। इनका लक्ष्य पावर स्टेशन के आस-पास के क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं तक कम या न्यूनतम पहुंच वाली वंचित स्थानीय आबादी को लाभ पहुंचाना था। नि:शुल्क चिकित्सा जांच/उपचार के बाद मरीजों को नि:शुल्क दवाएं दी गईं। 400 से अधिक रोगियों ने इन शिविरों में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का लाभ उठाया।

वरिष्ठ डीसीएमओ चिकित्सा शिविर में रोगियों की जांच करते हुए

देवराली चिकित्सा शिविर में दवाइयों का वितरण

- **कोविड-19 महामारी का सामना करने में मदद पहुंचाना**:

  महामारी कोविड -19 का मुकाबला करने के लिए, टीएलडी-III पावर स्टेशन, रामबी ने कई तरह से स्थानीय आबादी की कठिनाइयां कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई। 31 मार्च 2020 को, बिजली स्टेशन के आसपास के रामबी और मुंगपू (पश्चिम बंगाल) के जरूरतमंद लोगों और फंसे मजदूरों के बीच सूखा राशन वितरित किया गया। पावर स्टेशन की आवश्यक सेवाओं के लिए तैनात ठेका मजदूरों और इस पावर स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों में काम करने वाले निर्माण श्रमिकों के बीच भी खाद्य सामग्री वितरित की गई। सीआईएसएफ, डीजीआर सुरक्षा और केंद्रीय विद्यालय के कर्मचारियों के सुरक्षा कर्मियों के बीच सैनिटाइज़र, मास्क और हाथ के दस्ताने वितरित किए गए। पावर स्टेशन क्षेत्र का सैनिटाइजेशन एवं कीट नियंत्रण उपचार किया गया।

अनुबंधित श्रमिकों को खाद्य वस्तुओं का वितरण

के.वी.एस. में सैनिटाइजर्स, मॉस्क और दस्तानों का वितरण

20 तीस्ता लो डैम-IV पावर स्टेशन

- **स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम और चिकित्सा शिविर**

मेसर्स मेडिका नॉर्थ बंगाल की मेडिकल टीम के सहयोग से 5.78 लाख रुपये की लागत के साथ 537 लाभार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पावर स्टेशन के आसपास स्थित निम्नलिखित गांवों में 5 चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। लाभार्थी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित थे:

क्र.सं	स्थान	शिविर की तारीख	लाभार्थियों की संख्या
1.	अपनाघर	20.07.19	80
2.	अपनाघर	16.10.19	80
3.	अपनाघर	24.01.20	80
4.	लंकू	31.01.20	123
5.	सिट्टोंग	28.02.20	174

- **"महावीर इंटरनेशनल" द्वारा संचालित वृद्धाश्रम "अपना घर", कदमतला, सिलीगुड़ी में दवाइयों कि वितरण एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर एवं अनुवर्ती शिविर का आयोजन:**

कदमतला, सिलीगुड़ी स्थित वृद्धाश्रम "अपना घर", "महावीर इंटरनेशनल" संस्था द्वारा संचालित किया जाता है, जहाँ पर 80 वृद्धो कि निस्वार्थ सेवा की जाती है। उक्त आश्रम में वृद्धो कि स्वास्थलाभ के लिए नियमित रूप में

स्वास्थ जाँच एवं दवाइयों कि आवश्यकता होती है। टीएलडी-IV पावर स्टेशन के परियोजना डिस्पेंसरी द्वारा वृद्धाश्रम “अपना घर”, में दवाइयों के वितरण एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया ।

- **लंकू वैलि में तीस्ता लो डैम-IV पावर स्टेशन, एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर:**

  सीएसआर-एसडी स्कीम के अंतर्गत तीस्ता लो डैम-IV पावर स्टेशन, कालीझोड़ा ने मेडिका नॉर्थ बेंगाल क्लीनिक, सिलीगुड़ी के साथ मिलकर दिनांक 31.01.2020 को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का लंकू वैलि में आयोजन किया । इस शिविर में लगभग 123 ग्रामीणों की निःशुल्क जांच की और निःशुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गई |

- **सीटोङ्ग में तीस्ता लो डैम-IV पावर स्टेशन, एनएचपीसी लिमिटेड द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर:**
  तीस्ता लो डैम-IV पावर स्टेशन, एनएचपीसी लिमिटेड, कालीझोड़ा द्वारा मेडिका नॉर्थ बेंगाल क्लीनिक, सिलीगुड़ी के साथ मिलकर दिनांक 28.02.2020 को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सीटोङ्ग में आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 174 ग्रामीणों की निःशुल्क जांच की गयी और निःशुल्क दवाइयाँ भी वितरित की गई | इसके अलावा ब्लड शुगर, ब्लड प्रेसर की भी जांच की गई |

21. रंगित पावर स्टेशन

- स्थानीय लोगों के लिए चिकित्सा शिविरों का आयोजन:
  वर्ष 2019-20 के दौरान, रंगित पावर स्टेशन ने लेगशिप, नरधंग और यांगसम जैसे आसपास के गांवों में कुल तीन (03) मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किए हैं।

  मुफ्त चिकित्सा शिविरों में लाभाथियों का ब्यौरा:

सामान्य	अजा	अजजा	अपिव	कुल	महिला
43	57	186	247	533	273

(लेगशिप में चिकित्सा शिविर के दौरान निःशुल्क दवाओं का वितरण)

(नेरधांग में आयोजित चिकित्सा शिविर का एक दृश्य)

- परियोजना अस्पताल के माध्यम से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच:

परियोजना अस्पताल के माध्यम से 365 दिनों में 24x7 नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवाओं का वितरण किया गया। विभिन्न परीक्षणों के लिए एक्स-रे और रक्त परीक्षण मशीनें स्थापित की गई। परियोजना अस्पताल में 10 बिस्तर की सुविधा भी उपलब्ध थी। परियोजना अस्पताल में मुफ्त स्वास्थ्य जांच के लाभार्थियों की संख्या निम्नानुसार है:

सामान्य	अजा	अजजा	अपिव	कुल	महिला
2820	1187	1393	3230	8630	4046

परियोजना अस्पताल के जरिए औषधियों का वितरण

परियोजना अस्पताल में रोगियों की जांच

- अस्पताल स्वास्थ्य देखभाल उन्नयन के लिए सहायता

जिला अस्पताल, पश्चिम सिक्किम में चिकित्सा उपकरणों के साथ अस्पताल के उन्नयन के लिए सहायता ली गई। डीसी (पश्चिम) के खाते में चार किस्तों में से तीन किस्त जारी की गईं।

22. तीस्ता-V पावर स्टेशन

- **परियोजना अस्पताल, तीस्ता-V पावर स्टेशन में जन औषधि परियोजना केंद्र का उद्घाटन:**

"प्रधान मंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना केंद्र" का उद्घाटन श्री बलराज जोशी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी लिमिटेड, ने परियोजना अस्पताल, तीस्ता-V पावर स्टेशन में दिनांक 27.07.2019 को किया। इस अवसर पर श्री रतीश कुमार, निदेशक (परियोजना), श्री देबजीत चट्टोपाध्याय, ईडी-सिलीगुड़ी, श्री वाईके चौबे, ईडी-अनुबंध (सिविल), श्री सहदेव कटुआ, परियोजना प्रमुख, तीस्ता-V पीएस, श्री रॉबिन पी. सेवा, एसडीएम, पूर्वी सिक्किम और पावर स्टेशन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इस केंद्र का संचालन एनएचपीसी तीस्ता-V अस्पताल परिसर में हेल्थकेयर एंड ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, गंगटोक द्वारा किया जाएगा। तीस्ता-V पीएस में टीम को बधाई देते हुए, श्री बलराज जोशी ने कहा कि जनऔषधि केंद्र जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए शुरू किया गया है जो बहुत कम कीमत पर उपलब्ध हैं लेकिन महंगी ब्रांडेड दवाओं की गुणवत्ता और प्रभावकारिता के बराबर हैं। तीस्ता-V प्रोजेक्ट अस्पताल में जन औषधि केंद्र सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराएगा और स्थानीय लोगों को काफी हद तक लाभान्वित करेगा।

- **उत्तर और दक्षिण सिक्किम में विभिन्न स्थानों पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन :**

तीस्ता-V पावर स्टेशन ने दक्षिण सिक्किम के बेन कटुजा में 29 नवंबर 2019 को, पूर्वी सिक्किम जिले के पाटुक सिगबेल ग्राम पंचायत नंबर 47 में 05 दिसंबर, 2019 को, दक्षिण सिक्किम जिले में 14-पेरबिंग डोवन जीपीयू ब्लॉक नामथांग पेरबिंग के ग्राम प्रशासनिक केंद्र में 13 जनवरी 2020 को, और दक्षिण सिक्किम के तारखोला में 03 मार्च 2019 को नि: शुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया। इसके अलावा 03 मार्च 2019 को पूर्वी सिक्किम के तुमिन साले में भी नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

बेन कटुजा और पाटुक सिगबेल ग्राम पंचायत में क्रमशः177 और 175 से अधिक स्थानीय लोगों ने चिकित्सा शिविर में भाग लिया और रोगियों को डॉक्टरों द्वारा उचित जांच के बाद मुफ्त परामर्श और दवा दी गई। नि:शुल्क चिकित्सा शिविर के हिस्से के रूप में रोगियों के रक्त शर्करा परीक्षण भी किए गए। आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के अलावा, स्वास्थ्य शिक्षा, स्वच्छता और सफाई के बारे में बुनियादी ज्ञान भी प्रदान किया गया।

दक्षिण सिक्किम के पेरबिंग डोवन जी.पी.यू ब्लॉक नामथांग पेरबिंग में डॉक्टरों द्वारा उचित जांच के बाद 121 से अधिक रोगियों और तारखोला में 179 रोगियों को मुफ्त परामर्श और दवा दी गई।

दक्षिण सिक्किम में बेन कटुजा और पाटुक सिगबेल ग्राम पंचायत में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

दक्षिण सिक्किम के पेरबिंग डोवन में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

दक्षिण सिक्किम में तारखोला में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

- **कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सहायता:**

जरूरतमंद लोगों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और आवश्यक वस्तुएं प्रदान करना:

एनएचपीसी तीस्ता-V पावर स्टेशन, बालूतार, पूर्वी सिक्किम ने रालाप, सिंगबेल, लोअर समदोंग, सोकपे, रैले, राकडोंग-टिनटेक, अपर समदोंग, और अन्य क्षेत्रों के स्थानीय लोगों को कोरोना वायरस (कोविड-19) से लड़ने के लिए फेस मास्क, हैंड सैनिटाइज़र, हैंड वॉश लिक्विड और साबुन प्रदान किए। कोरोना वायरस के फैलने की श्रृंखला को तोड़ने के लिए सामाजिक दूरी, व्यक्तिगत स्वच्छता और सफाई पर जोर दिया गया। संकट के समय में प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करने के लिए सभी फेस मास्क स्थानीय दर्जियों से तैयार कराए गए थे।

तीस्ता-V पावर स्टेशन ने संरक्षा उपकरण राकडोंग-टिंटेक के बीडीओ, बीएसी श्री पी वांगचेन को सौंपे

तीस्ता-V पावर स्टेशन, बालूतार, पूर्वी सिक्किम ने सालेबोंग, माखा पूर्वी जिला के स्थानीय लोगों को फेस मास्क, हैंड सैनिटाइज़र आदि उपकरण प्रदान किए

तीस्ता-V पावर स्टेशन, बालूतार, पूर्वी सिक्किम ने फंसे हुए मजदूरों को खाद्य सामग्री के पैकेट वितरित किए

23 तीस्ता-IV जलविद्युत परियोजना

सीएसआर और एसडी पहल के तहत आईटीआई चांडे में चिकित्सा एवं जागरूकता शिविर:
एनएचपीसी लिमिटेड की सीएसआर और एसडी पहल के तहत तीस्ता-**IV** जल विद्युत परियोजना, ने **24** सितंबर **2019** को जिला अस्पताल, मंगन और पीएचसी, पासिंगडोंग के पैरामेडिकल स्टाफ के सहयोग से एक मुफ्त मल्टी-स्पेशियलिटी चिकित्सा और जागरूकता शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन क्षेत्र की आवश्यकता के अनुसार स्थायी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता क्षेत्र के तहत उनकी पहल का एक हिस्सा था।

तीस्ता-IV जलविद्युत परियोजना द्वारा आयोजित नि:शुल्क चिकित्सा जांच के लिए अपना नाम दर्ज कराते हुए टिंगचिम चांडे जीपीयू के स्थानीय निवासी

तीस्ता-IV जल विद्युत परियोजना द्वारा आयोजित जिला अस्पताल, मंगन के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्थानीय निवासियों का मेडिकल चेकअप

24. **सुबनसिरी लोअर जल विद्युत परियोजना**

- **चिकित्सा शिविर का आयोजन:**

परियोजना ने चिकित्सा शिविर आयोजित करने के लिए कुछ दवाएं खरीदीं, लेकिन बाद में इसे बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच वितरण के लिए जिला स्वास्थ्य प्राधिकरण, धेमाजी को सौंप दिया गया। इसके अलावा, स्थानीय आयोजन समिति के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश के डोलुंगमुख सर्कल में एक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अभियान भी आयोजित किया गया। इस गतिविधि में कुल 2.40 लाख रुपये का उपयोग किया गया था।

25 दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजना

- **चिकित्सा शिविर का आयोजन :**

दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना (डीएमपी) ने दो चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया। पहला शिविर 13 मार्च, 2020 को ग्राम अनपम में और दूसरा 14 मार्च, 2020 को दंबुक निर्वाचन क्षेत्र में ग्राम बिजारी में आयोजित किया

गया। दोनों चिकित्सा शिविर सरकारी अस्पताल, दांबुक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), अनपम के सहयोग से आयोजित किए गए थे। ।
दांबुक निर्वाचन क्षेत्र की माननीय विधायक महोदया गम तायेंग ने श्री आर. रक्षप, अतिरिक्त जिला आयुक्त (एडीसी), दांबुक और श्री अरविंद पांगिन, अंचल अधिकारी (सीओ), दांबुक की उपस्थिति में शिविर का उद्घाटन किया।

शिविर में चिकित्सा लॉजिस्टिक्स की देखरेख सरकारी अस्पताल, दांबुक के डॉक्टरों और पीएचसी, अनपम के चिकित्सा अधिकारी, नर्सों, फार्मासिस्टों सहित पैरामेडिकल स्टाफ की एक टीम द्वारा की गई। दोनों शिविरों में पंचायत के सदस्यों सहित लगभग 220 व्यक्तियों ने भाग लिया। इनमें गांव अनपम और बिज़ारी तथा आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में स्थानीय पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल थे, जिन्हें निःशुल्क चिकित्सा जांच के साथ-साथ निःशुल्क दवा भी वितरित की गई।

श्री अरविन्द पांगिन, सीओ, दांबुक और स्वयं सहायता समूह, दांबुक की उद्यमी महिला सदस्य, जो पूरे शिविर में मौजूद रहीं, द्वारा ग्रामीणों की लामबंदी का प्रभावी ढंग से समन्वय किया गया।

सीएसआर एंड एसडी के तहत बिज़ारी में निशु:ल्क चिकित्सा शिविर

सीएसआर एंड एसडी के तहत अनुपम में निशु:ल्क चिकित्सा शिविर

स्वच्छ भारत अभियान

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दर्शन और उनके विचारों का प्रतिबिंब है। उनकी 150वीं जयंती पर राष्ट्र और समूचा विश्व उनका स्मरण कर रहा है। उद्योग जगत उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों के प्रदूषण को कम करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे रहे हैं और वे स्वच्छ भारत अभियान में भी निवेश कर रहे हैं। प्रदूषण से मुकाबले का यह सर्वाधिक उपयुक्त समय है और यह न सिर्फ समाज का बल्कि व्यक्ति का उत्तरदायित्व है। महात्मा गांधी को हमारी यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। देश में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2014 में स्वच्छ भारत अभियान के रूप में नई पहल का एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आरंभ किया गया। इस पहल का शुभारंभ स्वच्छ अभियान के साथ किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एनएचपीसी द्वारा जन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की पहल की गई जिसमें सार्वजनिक क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल की सुविधा, सामुदायिक स्तर पर आरओ प्लांट की सुविधा वाले पेयजल की उपलब्धता, मूलभूत जनउपयोगी सुविधाएं, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता सुविधा, ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति के लिए पाइप लाइन और स्वच्छता ढांचे का निर्माण/स्थापना, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर शौचालयों का निर्माण, विद्यालयों के लिए जलापूर्ति व्यवस्था, कचरे के डिब्बों को लगाना, विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक स्थलों को गोद लिया जाना, बस्तियों में ठोस कचरा प्रबंधन और कूड़ा घरों को साफ करने क्रम में वैन का प्रबंधन इत्यादि शामिल है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एनएचपीसी द्वारा अलग-अलग स्थानों पर पूरी की गई विभिन्न गतिविधियों का विवरण:

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत एनएचपीसी ऊर्जा केंद्र और परियोजनाओं-सीएसआर संबंधी पहल का विवरण नीचे विस्तार से उल्लेखित है:

1.दुलाहस्ती पावर स्टेशन

- **·सामुदायिक शौचालय परिसर का निर्माण:**

  3 गांवों वन्नी, त्रीगाम और किश्तवाड़ में 4.54 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक शौचालय परिसर का निर्माण किया गया।

- **· चोगान मैदान को विकसित करने और रख-रखाव के लिएउसे गोंद लिया गया:**

  दुलाहस्ती ऊर्जा केंद्र द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत किश्तवाड़ जिले के चोगान मैदान को स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों के लिए गोंद लिया गया। ऐसी गतिविधियों को पूरा करने के लिए 28.09.2019 को नगर समिति के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। संबन्धित गतिविधियां अब पूरी हो गई हैं।

2.किशनगंगा पावर स्टेशन

- **बांदीपुरा ज़िले के निशात बाग और गुलशन चौक का विकास**

बांदीपुरा जिले की निशात बाग और गुलशन चौक में विकास से जुड़ी गतिविधियां जारी हैं और इनके अंतर्गत इन दोनों स्थानों का सौंदर्यीकरण किया जाना है। निशात बाग का सौंदर्यीकरण का कार्य लगभग 90% तक पूर्ण हो चुका है। इसी तरह गुलशन चौक बांदीपोरा के विकास से जुड़ी गतिविधियां विशेष रूप से बिजली संबंधित कार्य 75% तक संपन्न हो चुके हैं।

बांदीपुरा निशात बाग का विकास कार्य (Image)

गुलशन चौक बांदीपुरा का विकास कार्य(Image)

3.बैरा स्यूल पावर स्टेशन

- **· सुंदला स्थित सरकार के केंद्रीय प्राथमिक विद्यालय में 2 शौचालयों का निर्माण कार्य:**

सुंदला में एक सरकारी केंद्रीय प्राथमिक विद्यालय है। यह विद्यालय बानीखेत के मुख्य मार्ग (सुरंगणी रोड) पर स्थित है। विद्यालय की तरफ से लड़कों के लिए अलग और लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की मांग की गई थी क्योंकि पुराना शौचालय जर्जर स्थिति में पहुँच गया था। इसके महत्व को देखते हुए सीएसआर पहल के अंतर्गत उक्त प्राथमिक विद्यालय में 2 शौचालय बनाए गए। इससे लगभग 550 छात्र लाभान्वित हो रहे हैं और स्थानीय स्तर पर लोग इस सहायता की प्रशंसा कर रहे हैं।

4.चमेरा-II पावर स्टेशन

- **ग्राम पंचायत जाघीं में 02 शौचालयों का निर्माण:**

  चमेरा-IIपावर स्टेशन के बांध परिसर के समीप स्थित ग्राम पंचायत जाघीं एवं ग्राम रोनेला में वर्ष 2019-20 के दौरान रूपये 4.28 लाख की लागत से 02 शौचालयों का निर्माण किया गया है।

ग्राम पंचायत जाघीं में नवनिर्मित शौचालय

5. पार्बती-III पावर स्टेशन

- **श्री लक्षमी नारायण उद्यान" का विकास:**

  स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत पार्बती-
  III द्वारा सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, सैन्ज के पास स्थित मेला ग्राऊंड में जहां एक कोने पर पूरे सैन्ज क्षेत्र का कूड़ा फेका जाता था और इस वजह से उक्त विधालय तथा पास ही स्थित सैन्ज स्वास्थ केंद्र मे आने वाले मरीजों व स्थानीय जन को वहां बैठना दूभर हो गया था । उस स्थान को एनएचपीसी द्वारा अंगीकृत कर वहां पर एक "स्वच्छता पार्क: श्री लक्षमी नारायण उघान" का विकास करवाया गया । जिसमें पावर स्टेशन द्वारा फेंसिंग, गार्डेन बेंच, झूले, डस्टबीन आदि की सुविधा प्रदान की गयी । उक्त कार्य में पावर स्टेशन द्वारा कुल रुपये 6.0 लाख का खर्च किया गया । उल्लेखनीय है कि पूरे सैन्ज क्षेत्र में इस प्रकार का पार्क का विकास पहली बार हुआ है तथा उक्त पार्क की लोकप्रियता इतनी बढ़ गयी है कि स्थानीय लोगों व बच्चों ने भी इसमें अपने स्वेच्छा से पौधारोपण कर उसकी देख भाल भी कर रहे है ।

स्वच्छ भारत अभियान के हेड में सीएसआर स्कीम में सैन्ज (स्कूल ग्राऊंड) पार्क का एडाप्टेशन

6.लोकतक पावर स्टेशन , मणिपुर

- · **स्वच्छ भारत अभियान**

इथाई पब्लिक स्कूल में 3.20 लाख रुपये की लागत से लड़कों और लड़कियों के लिए शौचालय और स्नानगृह का निर्माण किया गया। इस पहल से लगभग 400 विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।

7.धौलीगंगा पावर स्टेशन

विभिन्नराजकीय इंटर कॉलेज खेत, खुम्ती, खेला, रांथी एवं आंगन बाड़ी केंद्र व प्राइमरी स्कूल, बोरा गाँव में शौचालय का निर्माण:

उपरोक्त दुर्गम पहाड़ी स्थानों में स्थित प्रदेश सरकार के इन स्कूलों के प्रशासन द्वारा लंबे समय से शौचालय न हो ने अथवा क्षतिग्रस्त होने के कारण एनएचपीसी से शौचालय निर्माण का अनुरोध किया जाता रहा है। धौलीगंगा पाव र स्टेशन कि ओर से स्थलीय निरक्षण में भी पाया गया कि पहाड़ियों पर स्थित इन विद्यालयों में बालक व बालिका एँ सयुक्त रूप से पड़ते है परंतु शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं है। पूरे देश में चलाई जा रही स्वच्छ भारत अ भियान के मद्देनजर आवश्यकता के अनुरूप इन विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण किया गया। इस कार्य में कुल 15.30 लाख रुपये कि लागत आई है। वर्तमान में इन विद्यालयों में अध्यनरत लगभग 930 विधायर्थी इसका लाभ ले रहें है।

विभिन्न राजकीय इंटर कॉलेजों में शौचालय का निर्माण

- **·ग्राम चल (नया बस्ती), नौलदेव (गलाती), दुग्तु, स्यांकुरी, इशू (जुम्मा), रांथी एवं कालिका में सामूहिक शौचालयों का निर्माण:**

ग्राम पंचायतों के अनुरोध एवं स्थानीय प्रशासन की अनुशंसा पर स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यकता के आधार पर उपरोक्त ग्रामों में समूहिक शौचालयों का निर्माण जा रहा है। शौचालय निर्माण के लिए सम्पूर्ण गाँव के लिए सुलभ स्थल अथवा ग्राम पंचायत भवन की भूमि का चयन किया गया। शौचालयों की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए समुचित पानी की व्यवस्था भी की गई। इन शौचालयों के नि र्माण से वर्तमान में उपरोक्त ग्रामों के 1041 ग्रामीण लाभान्वित होंगे। इस कार्य में कुल 16.99 लाख रुपये की ला गत आएगी। उच्च पर्वतीय क्षेत्र में बर्फबारी के कारण इस कार्य को आगामी वर्ष में पूर्ण किया जाएगा।

8. क्षेत्र-सिलीगुड़ी

·क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी द्वारा "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत निर्मित शौचालयों व लघु शंकालयों में पानी की व्यवस्था का कार्य:

क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी द्वारा "स्वच्छ भारत अभियान" के तहत जलपाईगुड़ी जिले के मयनागुड़ी ब्लॉक के 84 विद्यालयों के शौचालयों व लघु शंकालयों में पानी की व्यवस्था का कार्य वर्ष 2019-20 के दौरान सीएसआर-

एसडी के अंतर्गत किया गया । इस कार्य में कुल व्यय रु 23,14,372/-
का हुआ। इस सीएसआर गतिविधि में विभिन्न विद्यालयों में लगभग 08 मीटर से 39 मीटर दूरी से पानी के श्रोत से नलकूप, टैंक आदि के दवारा शौचालयों में पानी की व्यवस्था की

सामान्य (GEN)	एससी (SC)	एसटी (ST)	ओबीसी (OBC)	कुल (Total)	महिला लाभार्थियों की संख्या
963	4520	92	86	5661	2845

ए
वं 09 विद्यालयों में टैंक भी प्रदान किए गए ।लाभार्थियों का विवरण निम्नानुसार है:

स्वच्छ भारत अभियान" के तहत निर्मित शौचालयों में पानी की व्यवस्था

9.तीस्ता लो डैम -III पावर स्टेशन

29वीं मील और संथार दानरा गाँव में निरंतर सुरक्षित जलापूर्ति सुविधाओं के लिए एक कॉमन स्थान तक पाइपलाइन पहुंचाई गई और नल से जल उपलब्ध कराया गया जिसका लाभ स्थानीय लोग ले सकते हैं। इस पहल से 200 ग्रामीण लाभान्वित हुए।

29वीं मील पर जलापूर्ति

संथार में जलापूर्ति

10. रंगीत पावर स्टेशन

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत दक्षिणी सिक्किम के केवजिंग स्थित राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नाली और जलापूर्ति ढांचे का निर्माण कराया गया ताकि 'स्वच्छ सिक्किम, हरित सिक्किम' की परिकल्पना को बढ़ावा मिल सके और साफ और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

11.तीस्ता V पावर स्टेशन

- **सिंगताम नगर पंचायत को ठोस कचरा प्रबंधन के लिए टिप्पर ट्रक सौंपा गया:**

एनएचपीसी-तीस्ता-V ऊर्जा केंद्र ने स्वच्छ भारत योजना के अंतर्गत सीएसआर पहल में वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान सिंगतम नगर पंचायत को ठोस कचरा प्रबंधन के लिए एक टिप्पर ट्रक सौंपा। तीस्ता-V ऊर्जा केंद्र के महाप्रबंधक और तीस्ता-VI एचई परियोजना के सीईओ श्री सहदेव खातूया ने नगर पंचायत सिंगतम के कार्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में सिक्किम के स्वास्थ्य देखभाल और परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनी कुमार शर्मा और रांगपो के उप-जिलाधिकारी श्री प्रेम कमल राय की उपस्थिती में सिंगतम नगर पंचायत के एमईओ श्री प्रकेश खरेल को इस ट्रक की औपचारिक रूप से चाभी सौंपी।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में सिक्किम के स्वास्थ्य देखभाल और परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनी कुमार शर्माने क्षेत्र के समग्र विकास में प्रयास के लिए एनजीपीसी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता प्रत्येक नागरिक का मूलभूत उत्तरदायित्व है। उन्होंने सिंगतम में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए लोगों से टिप्पर ट्रक का उपयोग करने की अपील भी की।

- **परियोजना के दायरे में सार्वजनिक शौचालय का निर्माण:**

पूर्वी सिक्किम स्थित तीस्ता-वी ऊर्जा केंद्र ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता को बेहतर करने के लिए परियोजना के दायरे में सार्वजनिक सौचालयों का निर्माण करवाया।

डिकचू में शौचालय

तरखोला में शौचालय

12. सुबनसिरी लोवर में एचई परियोजना

- **10 आरओ-स्वच्छता परिसरों का निर्माण:**

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान असम के 4 स्थानों-पोदुमनी, धेमाजी,गोहपुर और बिलमुख में 4 आरओ-स्वच्छता परिसरों का निर्माण किया गया और परियोजना द्वारा इसे लोगों के उपयोग के लिए सौंपा गया। वित्तीय वर्ष 2019-20 में इस कार्य पर कुल 34.99 लाख रुपये का खर्च आया।

BIO-GUM-SANITATION COMPLEX

ग्रामीण विकास:

बड़ी संख्या में ग्रामीण विकास परियोजनाएं इन अवसंरचनाओं के रखरखाव के लिए समुदाय की जागरूकता, समुदायों का क्षमता निर्माण और संस्थानों के निर्माण के साथ दृष्टिगोचर परिसंपत्तियों/बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इन परियोजनाओं को संधारणीय बनाने के लिए समुदाय और पंचायत की सहभागिता को एकीकृत करना और शुरुआत से ही विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकार का अभिसरण महत्वपूर्ण है। संधारणीयता एक बार की कवायद नहीं है, बल्कि यह एक गतिशील और निरंतर प्रक्रिया है, जिसे परियोजना क्षेत्र में कुछ समय के लिए किए जाने की आवश्यकता है। इसमें गाँव में समुदाय के विकास का दृष्टिकोण शामिल है। समुदाय स्वामित्व की मजबूत अवधारणा के साथ गांव के बुनियादी ढांचे को बनाए रखने में रुचि लेता है।

एनएचपीसी ने वंचित और हाशिए वाले ग्रामीण समुदायों की आवश्यकताओं के अनुरूप बुनियादी ढांचागत सुविधाओं जैसे कि सामुदायिक केंद्रों, जल आपूर्ति लाइनों, नालियों, सड़कों/मार्गों आदि के निर्माण के लिए विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रम शुरू किए हैं। एनएचपीसी ने वर्षा आश्रयों, यात्री शेड, श्मशान शेड आदि की निर्माण गतिविधियों का भी दायित्व लिया है और कृषि/बागवानी/मत्स्य पालन तथा खेती के अन्य उन्नत तरीकों के विकास के लिए किसानों को शिक्षित और प्रशिक्षित करने का काम किया है।

एनएचपीसी के परिचालन क्षेत्रों तथा उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले में स्थित कई और गाँवों में सामुदायिक केंद्र बनाना एनएचपीसी के सीएसआर कार्यक्रमों का हिस्सा है। एनएचपीसी एक ऐसी संस्था के रूप में कार्य कर रही है जो जिम्मेदार कारोबार गतितिधियों को मजबूत करने में शामिल होने के लिए प्रबुद्ध समाज के संगठनों को एक मजबूत मंच प्रदान करती है।

एनएचपीसी कई स्थानों पर बड़ी संख्या में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम और अल्पकालिक कंप्यूटर पाठ्यक्रम आयोजित करके इस क्षेत्र में लगातार काम कर रहा है। हाल में एनएचपीसी ने गैर सरकारी संगठन की भागीदारी से महिलाओं के लिए नैपकिन सफलतापूर्वक बनाने और बिक्री के लिए मेवात में पलवल और नूह के ग्रामीण क्षेत्र के हथिन ब्लॉक में विनिर्माण इकाइयां विकसित की हैं।

एनएचपीसी द्वारा ग्रामीण विकास के तहत किए गए सीएसआर उपायों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

1. **सलाल पावर स्टेशन**

- जम्मू - कश्मीर के रियासी जिले के ग्राम बिड्डा को "आदर्श गाँव" के रूप में अपनाना

सलाल पावर स्टेशन ने कश्मीर के रियासी जिले के ग्राम बिड्डा को "आदर्श गाँव" के रूप में गोद लिया है, जहां सतही जल टैंक, पुश्ता और बिटुमिनस रोड का काम किया गया है और इस पर कुल 11.15 लाख रुपए की लागत आई है।

चित्र- ग्राम बिड्डा में आरसीसी वाटर टैंक पुश्ता का निर्माण

- कोटला और थेरु (रनसू) गांव में पानी की आपूर्ति प्रदान करना

कोटला और थेरु गाँव को पानी की आपूर्ति प्रदान करने के लिए 123.50 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाली परियोजना के लिए 15.01.2020 को जम्मू के पीएचई विभाग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन के नियमों और शर्तों के अनुरूप 23.00 लाख रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। शेष 100.0 लाख रु. की राशि अगले वित्त वर्ष 2020-21 में पीएचई विभाग से पहली किस्त का निधि उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद जारी करने का प्रस्ताव है।

2. **उड़ी-I पावर स्टेशन**

- **तत्रे मोहल्ले मे फुटपाथ का निर्माण:**
  परियोजना क्षेत्र मे आने वाले **तत्रे मोहल्ले** मे फुटपाथ का निर्माण किया गया है। गांव की मेटल रोड से लेकर नदीम मस्जिद तक उपरोक्त फुटपाथ का निर्माण हुआ है और इसका लाभ गांव और आसपास के क्षेत्र के लगभग 1200 लोगो को मिला है।

- **मंच बड़ी गाँव मे शमशान घाट का निर्माण:**
  अस्थाई दाह संस्कार की व्यवस्था मंच बड़ी गाँव मे था, लेकिन बारिश का कोई शेड नहीं रहने के कारण लोगो को अंतिम संस्कार के कार्यक्रम मे बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता था, इस कारण बाँदी के लोगो की सुविधा के लिए शमशान घाट का निर्माण किया गया, इससे गांव के 400 लोगो को लाभ मिला।

3. उड़ी-II पावर स्टेशन

- 3.58 लाख रुपये की लागत से सलामाबाद गांव में कब्रिस्तान के लिए बाड़ का निर्माण:

चित्र- सलामाबाद गांव में कब्रिस्तान के लिए बाड़

13.70 लाख रुपये की लागत से जाबला गांव में शमशान घाट और शमशान घाट तक रास्ते का निर्माण:

चित्र- शमशान घाट और शमशान घाट तक रास्ते का निर्माण

- चक्रा गांव में शमशान तक फुटपाथ का निर्माण **2.83** लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया।

चित्र- शमशान घाट और शमशान घाट तक रास्ते का निर्माण

- बगरातू दाची गांव तक फुटपाथ का निर्माण:

-

चित्र- बगरातू दाची गांव तक फुटपाथ का निर्माण

- सलामाबाद गांव के ग्रामीणों के लिए फुटपाथ का निर्माण और नौपोड़ा गांव के ग्रामीणों के लिए पानी की पाइपलाइनें बिछाने तथा निकास नली का निर्माण कार्य। (इसे 1.29 रुपये की लागत से पूरा किया गया)

चित्र

4 **किशनगंगा पावर स्टेशन**

- गुरेज़ में हाई मास्ट सोलर लाइट की स्थापना

महिलाओं और वृद्धजनों को सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए सामान्य क्षेत्र में समुचित प्रकाश प्रदान करने के लिए गुरेज जिले में निर्दिष्ट स्थानों पर हाई मास्ट सोलर लाइटें लगाई गई हैं।

चित्र: हाई मास्ट सोलर लाइट

5. **चुटक पावर स्टेशन**

चुटक पावर स्टेशन, केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में एक बहुत ही दुगर्म इलाके में स्थित है और सर्दियों के मौसम यानी नवंबर से अप्रैल के दौरान छह महीने इसका सड़क संपर्क कटा रहता है। ऐसी स्थितियों में चुटक पावर स्टेशन ने स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सीएसआर और एसडी पहल के लिए विभिन्न गतिविधियाँ की हैं। तदनुसार, पेयजल उपलब्ध कराने और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान सीएसआर और एसडी पहल की गई थी।

• **हैंड पंप की स्थापना**

पानी की आपूर्ति के लिए वैकल्पिक स्रोत के लिए, पास के गाँव, छुटुक, स्टिक्ची और चेचेथांग में तीन हैंड पंपों को सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।

चित्र

- **पेय जल:**

हर घर पेयजल आपूर्ति प्रदान करने की योजना के तहत, वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान आसपास के गांवों में स्थानीय निवासियों के लिए पानी के टैंकर की व्यवस्था की गई थी। इस पहल से लगभग 2600 लोग लाभान्वित हुए हैं।

चित्र

6. **सेवा- II पावर स्टेशन**

• **चंदिया और सरोगा (वार्ड -2) में रेन शेल्टर सह बस स्टॉप का निर्माण**:

द्रामन पंचायत के बानी और सरोगा (वार्ड 2) के चंदिया में दो रेन शेल्टर सह बस स्टॉप स्थानीय प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से बनाए गए हैं।

चित्र- सरोगा में दो रेन शेल्टर

7**. बैरा स्यूल पावर स्टेशन**

- **बैरा बांध के डी / एस में बैरा नदी पर पैदल यात्री सस्पेंशन पुल का निर्माण:**

नखरोड़ गांव के पास, बैरा डैम के डी / एस में बैरा नदी पर एक पैदल यात्री सस्पेंशन पुल का निर्माण 15.05 लाख रुपये की लागत से किया गया है और यह उपयोगकर्ताओं के लिए खुशी लेकर आया है। इससे लगभग 800 ग्रामीण लाभान्वित हुए हैं।

चित्र

- **महिला मंडल, बयाना में सामुदायिक हॉल का निर्माण और इसकी देखभाल तथा रखरखाव के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए ।**

सुरंगनी में स्थित यह पावर स्टेशन बयाना पंचायत के अंतर्गत आता है और बयाना पंचायत के महिला मंडल तथा इन पंचायतों के स्थानीय लोगों ने विभिन्न सामुदायिक कार्यों के लिए सामुदायिक हॉल के निर्माण के वास्ते अनुरोध किया था। तदनुसार बयाना में 3.04 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक हॉल का निर्माण किया गया है। यह स्थानीय ग्रामीणों की विभिन्न सभाएं / कार्य करने के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। इससे लगभग 2300 ग्रामीणों को लाभ हुआ है।

चित्र

8 चमेरा- II पावर स्टेशन

- **ग्राम पंचायत गुराड़ में 02 श्मशानघाटों का निर्माण:**

  वर्ष 2019-20 के दौरान चमेरा-II पावर स्टेशन दवारा ग्राम पंचायत गुराड़ में रूपये 6.95 लाख की लागत से 02 श्मशानघाटों का निर्माण किया गया है । उक्त श्मशानघाटों के निर्माण के फलस्वरूप ग्रामीणों ने चमेरा-II पावर स्टेशन को धन्यवाद दिया है, ग्राम पंचायत गुराड़ चमेरा-II पावर स्टेशन के डैम परिसर के ठीक ऊपर स्थित है एवं गुराड़ पंचायत का चमेरा-II पावर स्टेशन के लिए बहुत महत्वपूर्ण स्थान है ।

ग्राम पंचायत गुराड़ में नवनिर्मित श्मशानघाट

9 चमेरा-III पावर स्टेशन

- **पगडंडी पर रेलिंग का निर्माण:**

  पहाड़ी गाँवों की ढलानदार पगडंडियाँ चलने में काफी असुरक्षित होती हैं; क्योंकि कई बार लोग ढलानदार पगडंडियों पर चलते हुए फिसल कर दुर्घटना के शिकार हो जाते हैं; ऐसे में यदि इन पगडंडियों पर रेलिंग का निर्माण कर दिया जाए तो लोगों के लिए आड़ी-टेड़ी पगडंडी काफी सुगम्य, सुविधाजनक और सुरक्षित हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए चमेरा-III पावर स्टेशन द्वारा अक्तूबर 2019 में ग्राम पंचायत दुर्गेठी के ठेडू गाँव के फुटपाथ पर रेंलिग का निर्माण किया है; जिससे न केवल उस गाँव के 1200 लोगों को बल्कि दूसरे गाँवों से वहाँ आने-जाने वाले लोगों को भी काफी सुविधा हुई है। रेलिंग लगने से ग्रामीण अब इस पगडंडी पर चलते हुए काफी सुरक्षित महसूस करते हैं।

- **प्राइमरी स्कूल गुआँ मे प्ले ग्राउंड और पक्का फुटपाथ का निर्माण:**
  पक्का फुटपाथ होने से जहाँ **गुआँ गाँव** में बच्चों के लिए उनके स्कूल की राह सुगम्य हुई है वहीं खेल के मैदान के निर्माण से उनके शारीरिक/ मानसिक विकास हेतु विभिन्न खेल खेलने की सुविधा उपलब्ध हुई है। उक्त सुविधाओं से इन स्कूलों में पढ़ने वाले 216 बच्चो के साथ-साथ वहाँ पढ़ा रहे अध्यापक व इन गाँवों के अन्य निवासी भी लाभानवित हुए हैं।

Govt. Primary School Guan

- **पक्का फुटपाथ व बौंड्री वॉल का निर्माण:**
  चमेरा-III द्वारा नवम्बर 2019 में ब्रेही गाँव में स्थित स्कूल के खेल-मैदान की बौंड्री वॉल के निर्माण के साथ-साथ राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुआँ में भी पक्का फुटपाथ व खेल-मैदान का निर्माण करवाया गया। जिससे वहाँ के स्थानीय लोगों विशेषकर बच्चो को काफी लाभ हुआ है।

ब्रेही गाँव में स्थित खेल-मैदान

10 **पार्बती-**II

- **अग्नि पीड़ितों को सीजीआई शीट का वितरण**

जामली गाँव, तहसील बंजार, जिला - कुल्लू, में हुई आग त्रासदी जिसमें गाय के शेड पूरी तरह से जल गए थे और पीड़ित परिवारों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, को देखते हुए और ग्रामीणों को हुए नुकसान पर विचार के बाद परियोजना ने 200 सीजीआई शीटों की खरीद की और इन्हें बंजार निर्वाचन क्षेत्र के माननीय विधायक श्री सुरेंद्र शौरी, परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों को वितरित किया ।

चित्र- सीजीआई शीटों का वितरण

- **ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट**

परियोजना को बंजार निर्वाचन क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाइट उपलब्ध कराने के लिए कुल्लू जिले के बंजार निर्वाचन क्षेत्र के माननीय विधायक से अनुरोध प्राप्त हुआ था। रात में स्थानीय लोगों के आवागमन में आसानी के लिए इन स्ट्रीट लाइटों की आवश्यकता थी। इन्हें ध्यान में रखते हुए, परियोजना ने वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 17 सौर स्ट्रीट लाइटों की खरीद की थी और इन्हें लगाया था। इस काम पर कुल 2.14 लाख रुपये की लागत आई।

चित्र- सौर स्ट्रीट लाइटों का वितरण और लगाना

- **आदर्श ग्राम योजना के तहत पुरानी मनाली का विकास**

एनएचपीसी को आदर्श ग्राम योजना (एसएजीवाई) के तहत पुरानी मनाली के विकास कार्यों के लिए निधि प्रदान करने के संबंध में हिमाचल प्रदेश में मंडी निर्वाचन क्षेत्र के माननीय सांसद श्री राम स्वरूप शर्मा से अनुरोध प्राप्त हुआ था।

चूँकि प्रस्तावित कार्यों यानी स्वागत द्वार, सामुदायिक केंद्र, पेयजल आपूर्ति और सीवरेज का सीधा संबंध पुरानी मनाली के स्थानीय लोगों के कल्याण से था, इसलिए एनएचपीसी ने इस गतिविधि के लिए 42 लाख रुपये की राशि की मंजूरी दी थी। इन कार्यों को एचपीपीडब्ल्यूडी, ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) और आई एंड पीएच जैसी सरकारी एजेंसियों के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यम से लिया गया है। उपरोक्त कार्यों के समझौता ज्ञापनों पर 28 सितंबर, 2019 को कुल्लू के

उपायुक्त, श्री आर के जायसवाल, मुख्य महाप्रबंधक और परियोजना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

लागत और कार्य का विवरण निम्नानुसार है-

क्रम सं.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	एजेंसी
1	वैलकम गेट, पुरानी मनाली	10.42	एचपीपीडब्ल्यूडी
2	सामुदायिक हाल, जोगता, पुरानी मनाली	2.35	आरडीडी
3	गांव ब्रेथा, पुरानी मनाली को पेय जल आपूर्ति	10.45	आई और पीएच
4	गांव ढुंगरी, पुरानी मनाली को सीवेज सुविधा	18.78	आई और पीएच

उपरोक्त कार्यों का शिलान्यास, हिमाचल प्रदेश के माननीय वन, परिवहन और खेल मंत्री श्री गोविंद सिंह ठाकुर ने 09 मार्च, 2020 को संसद सदस्य श्री राम स्वरूप शर्मा और एनएचपीसी के कार्यकारी निदेशक श्री आर के जायसवाल की उपस्थिति में किया गया । वर्तमान में उपरोक्त कार्य प्रगति पर हैं।

चित्र- शिलान्यास समारोह

11 **पार्बती-III पावर स्टेशन**

एनएचपीसी की 520 मेगावाट की पार्बती-III पावर स्टेशन, हिमाचल प्रदेश के दूरस्थ इलाके कुल्लू के सैन्ज वैली में स्थित है और जून 2014 में इस परियोजना से लगातार बिजली का उत्पादन किया जा रहा है । पार्बती-III द्वारा अभी तक सीएसआर एवं एसडी योजना के अंतर्गत लगभग 2.04 करोड़ इस इलाके व स्थानीय जन के चौमुखी विकास हेतु खर्च किए जा चुके है । जिससे नि:संदेह पार्बती-III के प्रभावित पंचायतों का आर्थिक-सामाजिक विकास हुआ है । गत वर्ष 2019-20 में पार्बती-III पावर स्टेशन द्वारा सीएसआर एवं एसडी की विभिन्न गतिविधियों को किया गया, जिसमें कुल रु 30.00 लाख का खर्चा किया गया, जिनमे मुख्य निम्न है:

- **वर्षा शालिका का निर्माण:**
  पार्बती-III पावर स्टेशन के द्वारा सैन्ज बाजार में स्थित बस स्टैंड जहां से रोजाना लगभग 1000 से 1500 स्थानीय जन, छात्र, व्यापारी, पर्यटक आदि लगभग 50 गांवों के लिए वाहन लेकर आते–जाते है, वहां पर लगभग 3.0

लाख की लागत पर एक“ वर्षा शालिका ”का निर्माण करवाया गया । यह“ वर्षा शालिका ”इस इलाके की प्रथम ऐसी शालिका है जिसमें कुत्ते, गाय, भैंस आदि जानवारों को रोकने हेतु गेट का प्रावधान किया गया है ,इस कारण यह शालिका सदैव ही स्वच्छ व यात्रियों के लिए सुरक्षित शालिका के रूप में इस क्षेत्र में बहुत ही अच्छी पहचान बना चुकी है ।

वर्षा शालिका :सैन्ज बाजार /बस स्टैंड

- **अग्नि कांड प्रभावित परिवारों को सहायतार्थ सीजीआई शीट का वितरण**

12. **लोकतक पावर स्टेशन**

• खा ऐमोल गांव में टैंक के लिए जीआई जल आपूर्ति पाइपलाइन और छत प्रदान करना:

इस परियोजना के कार्यान्वयन से खा-ऐमोल गाँव के लोगों को पेय जल मिल रहा है। इससे लगभग 2000 ग्रामीणों को लाभ हो रहा है।

चित्र

- इथई बैराज क्षेत्र और लाईखोंग में 7.25 लाख रुपये की लागत से शौचालय और गांव में जल निकासी के साथ प्रतीक्षा शेड का निर्माण। लाभार्थियों की संख्या: लगभग 2000

चित्र

13 **धौलीगंगा पावर स्टेशन**

- **कमेड़पानी गाँव में पेय जल की व्यवस्था**:
  पावर हाउस स्थल में पहाड़ी के ऊपर बसे कमेड़पानी गाँव में पेय जल की व्यवस्था न होने के कारण ग्रामीण पैदल मार्ग से पानी ढोने को मजबूर थे। इस गाँव की ग्रामीण मुख्यतया खेती से अपना जीवन यापन करते है। गाँव की महिलाओं को खेती के साथ रोज़मर्रा के कार्यों को करने के साथ पानी ढ़ोने का अतिरिक्त कार्य भी करना पड़ता था। ग्रामीणों की मांग व स्थानीय प्रशासन के अनुरोध पर पावर स्टेशन द्वारा जल स्रोत से उक्त ग्राम तक पेय जल लाइन व टेंक का निर्माण किया गया। इस कार्य से वर्तमान में ग्राम के 112 ग्रामीणों को लाभ प्राप्त होगा। इस कार्य में 4.25 लाख रुपये की लागत आई है।

- **तपोवन में शव दाह यार्ड व शेड का पुनर्निर्माण निर्माण:**
  उत्तराखंड में 2013 में आई भयावह प्रकृतिक आपदा में तपोवन के निकट काली नदी के तट पर बना शव दाह स्थल क्षतिग्रस्त हो गया था। पावर स्टेशन के प्रशासनिक भवन के निकट इस शव दाह स्थल का उपयोग आस-पास के बहुत से गाँव व कस्बे के लोग करते है। इस स्थल के क्षतिग्रस्त होने के बाद से ही स्थानीय जनता व जनप्रतिनिधियों के साथ पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा भी इसके पुनर्निर्माण की मांग एनएचपीसी से की जाती रही है। इस क्षेत्र में एनएचपीसी का धौलीगंगा पावर स्टेशन एक मात्र बड़ा संस्थान है जो क्षेत्र में सामुदायिक विकास के प्रति संवेदन शीलता का परिचय देता रहा है। स्वच्छता को बनाए रखने व स्थानीय जनता की परेशानियों को देखते हुए पावर स्टेशन द्वारा एक शव दाह यार्ड व शेड का निर्माण किया गया। इस कार्य में 6.28 लाख रुपये की लागत आई ।

- **गाँव खेला में अंबेडकर भवन का निर्माण:**
  इस क्षेत्र का गाँव खेला मुख्य सड़क मार्ग से 3.5 किलोमीटर से 6 किलोमीटर के पैदल मार्ग में बसा है। इसी गाँव का एक तोक चेतकला एससी ग्राम है। इस गाँव में 184 एससी व 26 ओबीसी श्रेणी के ग्रामीण निवास करते है। सड़क मार्ग से दूर स्थित होने के कारण इस गाँव के ग्रामीणों को समय-समय पर होने वाले आयोजन, ग्राम विकास तथा समस्याओं पर चर्चा एवं मिलन समारोह इत्यादि के लिए खुले स्थानों में व्यवस्था करनी होती थी। इस अंबेडकर भवन के लिए ग्रामीणों द्वारा अपनी भूमि ग्राम सभा को दान में दी गई व प्रशासन के माध्यम से एनएचपीसी से अनुरोध किया गया। इन आर्थिक रूप से कमजोर दलित समुदाय के सामूहिक उत्थान के लिए अंबेडकर भवन की आवश्यकता महसूस करते हुए पावर स्टेशन ने अंबेडकर भवन का निर्माण किया। इस कार्य में कुल 15.50 लाख रुपये की लागत आई है एवं वर्तमान आबादी के अनुसार 210 ग्रामीण लाभान्वित हुए है।

14. **टीएलडी**-III **पावर स्टेशन**

• दो स्थानों पर सामुदायिक हॉल का निर्माण

तीस्ता घाटी में दो स्थानों- मुंगपू और देवराली में रसोई और शौचालयों के साथ सामुदायिक हॉल का निर्माण किया गया है जिनमें गांववासी सभाएं, विवाह, धार्मिक कार्य आदि जैसे सामुदायिक समारोहों का आयोजन कर सकते हैं। इससे 550 ग्रामीणों को लाभ हो सकता है।

चित्र

15**. तीस्ता लो डैम-** IV **पावर स्टेशन**

• पेय जल उपलब्ध कराना

स्थानीय निवासियों के लिए बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से तीस्ता लो डैम- IV पावर स्टेशन ने लापचे खोला से ऊपरी माकुम तक निकटतम जल स्रोत से पानी की आपूर्ति लाइन प्रदान की है जो गाँव से लगभग 5 कि.मी. दूर है।

इस प्रयोजन के लिए स्रोत पर एक वाटर कैच पिट और एक-एक हजार लीटर की क्षमता वाले दो संग्रह टैंक गांव के पास बनाए गए हैं । इससे अनुसूचित जाति के 200 व्यक्तियों वाले 60 परिवारों को लाभ हुआ है। इस पर 21.95 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है।

चित्र

- **द्रधी झोरा से सुबुगांव, यंगमाकुम जीपी तक पीने का पानी उपलब्ध कराना**

तीस्ता लो डैम- IV पावर स्टेशन ने अनुसूचित समुदाय के 200 लाभार्थियों वाले ग्रामीण घरों में 1000 लीटर पानी की भंडारण क्षमता और आपूर्ति के वाटर कैच पिट टैंक का निर्माण करके निकटतम स्रोत से सुबुगांव को पानी की आपूर्ति की है। इस पर 20.15 लाख रुपये की लागत आई है।

• फर्नीचर और अन्य सहायक सामग्री के वितरण के माध्यम से गांवों में निर्मित सामुदायिक हॉल को बुनियादी ढांचा समर्थन/सहायता प्रदान करना

एनएचपीसी द्वारा गांवों में निर्मित सामुदायिक हॉल के लिए प्लास्टिक की कुर्सियों और मेजों के रूप में ढांचागत सहायता 0.78 लाख रुपये की लागत से की गई।

16. रंगित पावर स्टेशन

• बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण

ग्रामीण विकास के तहत रंगित पावर स्टेशन अपने आसपास के क्षेत्र में रहने वाले समुदाय के लिए बुनियादी ढांचागत सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए कई पहल कर रहा है। बहुउद्देशीय हॉल के निर्माण जैसी गतिविधि का अनुमानित खर्च 4 लाख रुपये है। इससे इस क्षेत्र के कई लोगों को लाभ होगा।

17. तीस्ता V पावर स्टेशन

• फी खोला से फिदांग गांव तक जलापूर्ति प्रणाली

तीस्ता V पावर स्टेशन ने फी खोला से फिदांग गांव तक जलापूर्ति प्रणाली प्रदान की है, जिस पर कुल 17.07 लाख रुपए लागत आई है।

• शेडा (मठवासी) स्कूल के भवन का निर्माण और मठ का मरम्मत / पेंटिंग कार्य

पावर स्टेशन, पूर्वी सिक्किम ने शेडा (मठवासी) के स्कूल भवन का निर्माण किया है और उत्तर सिक्किम के लुम गाँव में स्थित मठ की मरम्मत और पेंटिंग का काम किया है, जिस पर कुल 16.79 लाख रुपये की लागत आई है।

चित्र- शेडा (मठवासी) स्कूल का भवन

18. **तीस्ता IV एचईपी**

• उत्तरी सिक्किम के रंग रंग में प्रतीक्षारत शेड / हवा घर का निर्माण:

तीस्ता IV एचई परियोजना ने सीएसआर और एसडी गतिविधियों के तहत ग्रामीण विकास के लिए निम्न कार्यों का निर्माण किया है, जैसे कि उत्तरी सिक्किम के रंग रंग में श्मशान घाट पर पानी की आपूर्ति और प्रतीक्षा शेड / हवा घर का निर्माण, नवंबर 2019 के दौरान कुल 2.30 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया था।

19. बीआरआरपी, पटना

• ग्रामीण विकास के तहत शाहपुर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में पीसीसी सड़क का निर्माण

एनएचपीसी सीएसआर और एसडी कार्य के तहत बिहार में भोजपुर जिले (आरा) के शाहपुर ब्लॉक में कई गतिविधियां जारी रखे हुए है जैसे विभिन्न गांवों में पीसीसी सड़कों, पुलिया, सामुदायिक केंद्र / विवाह भवन, छठ घाट, चबूतरा, स्कूल शौचालय / भवन / मेढ़, ओपन जिम का निर्माण और सामान्य एलईडी लाइट, सोलर लाइट तथा हाई मास्ट लाइट आदि लगाना। वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान इस पर कुल 218.82 लाख रुपये खर्च किया गया था।

पीसीसी सड़कें / पुलिया: शाहपुर ब्लॉक के निम्नलिखित गांवों को लाभ हुआ है, ईश्वरपुर, रामचन्द्र सेमरिया, पड़रिया, चरघाट, बंशीडीहरी (बसोपुर), धर्मागतपुर, चनउर, पहडपुर, परसौंडा टोला, चमरपुर, महरजा, टिकापुर (खगरहा), माधोपुरनन्द लाल का डेरा, पांडेपुर, लिलारी, मिश्रवलिया, होरिल छपरा, बीमारी, करीमन का डेरा, झौआ, लहंग डुमरिया, बरिसवन आदि ।

चित्र- पड़रिया गांव, शाहपुर ब्लॉक में पीसीसी रोड

चित्र- चमारपुल गांव, शाहपुर ब्लॉक में पीसीसी रोड

चित्र- झौआ गांव, शाहपुर ब्लॉक में पीसीसी रोड

चित्र- मिश्रवलिया गांव, शाहपुर ब्लॉक में पीसीसी रोड

चित्र- गांव बरिसवन (शाहपुर ब्लॉक) पीसीसी रोड का काम पूर्ण किया गया

चित्र-(शाहपुर ब्लॉक) ग्राम धामवाल में पीसीसी रोड

- **सामुदायिक केंद्र सह विवाह हॉल और चबूतरा**

वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 02 स्थानों (ग्राम बिलौटी और सहजौली) पर विवाह हॉल सह सामुदायिक केंद्र का निर्माण किया गया। शाहपुर ब्लॉक के 02 स्थानों (सुमेरनपुर और सारंगपुर गाँव) में सीएसआर पहल के रूप में चबूतरे का निर्माण

भी वित्त वर्ष 2019-20 में पूरा किया गया था, ताकि संबंधित गाँवों और आस-पास के इलाकों के स्थानीय लाभार्थियों की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा किया जा सके।

चित्र- बिलौती गांव के शाहपुर ब्लॉक में सामुदायिक केंद्र सह विवाह हॉल

चित्र- सुरेमानपुर गांव के शाहपुर ब्लॉक में चबूतरा, प्रत्यक्ष

• सामान्य एलईडी लाइट, सोलर लाइट तथा हाई मास्ट लाइट और ओपन जिम की स्थापना:

सोलर लाइट और हाई मास्ट लाइटें लगाने से प्रकाश व्यवस्था पर 17.87 लाख रुपये खर्च किये गये थे। इसके अलावा, शाहपुर ब्लॉक के 02 स्थानों पर 11.52 लाख रुपये खर्च कर खुले जिम भी स्थापित किए गए थे ताकि शाहपुर ब्लॉक के जावानिया तथा सोंकी गांवों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

चित्र- (शाहपुर ब्लॉक) जावानिया और सोंकी गांव में ओपन जिम

चित्र- कर्जा (शाहपुर ब्लॉक) सोलर एलईडी लाइट

पर्यावरण

एनएचपीसी ने लगातार एक जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक होने की भूमिका निभायी है तथा आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय सुरक्षा को ध्यान में रखकर अपने व्यवसाय का संचालन करते हुए कॉरपोरेट-सामाजिक-दायित्व के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। व्यवसाय की सीमाओं से परे जाकर एनएचपीसी का प्रयास, वैश्विक स्तर पर पर्यावरण क्षति और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए इस धरती के सरंक्षण का रहा है। एनएचपीसी पर्यावरण संरक्षा, पारिस्थतिकीय संतुलन, वनस्पति- जीवजंतु और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा हवा, पानी और मिट्टी की गुणवत्ता बनाये रखने के लिये प्रतिबद्ध रहा है। पर्यावरणीय निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये एनएचपीसी ने अनेक सीएसआर पहल की हैं।

लेड आधारित सोलर स्ट्रीट लाईट की स्थापनाः

एनएचपीसी ने जनप्रतिनिधि संदर्भ के तहत सीएसआर पहल से, देश के विभिन्न स्थानों में सौर ऊर्जा संचालित स्ट्रीट लाईट परियोजनायें लगायी हैं। जैसे फरीदाबाद (हरियाणा) के गांवों, मिर्जापुर, कानपुर, बिजनौर (यूपी) के गांव, बीकानेर (राजस्थान) और कई अन्य स्थानों में। हमारे सीएसआर कार्यक्रमों में स्थानीय समुदायों को भी शामिल किया जाता है ताकि इन्हें लगातार बनाये रखने के लिये जागरुकता और अनुकूल माहौल बनाया जा सके।

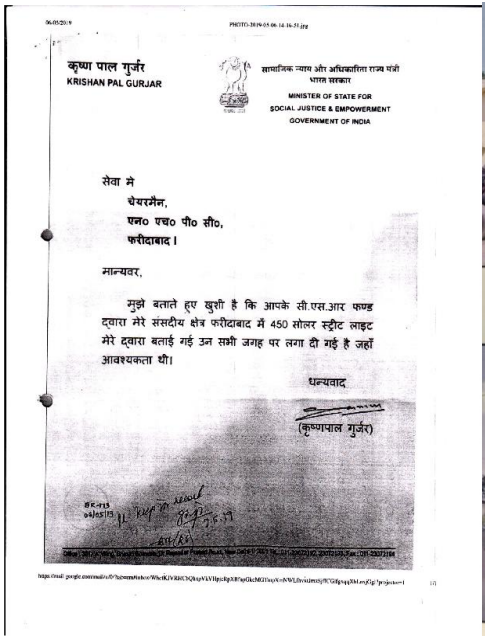

कृष्ण पाल गुर्जर
KRISHAN PAL GURJAR

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

सेवा में
चेयरमैन,
एन० एच० पी० सी०,
फरीदाबाद।

मान्यवर,

मुझे बताते हुए खुशी है कि आपके सी.एस.आर फण्ड द्वारा मेरे संसदीय क्षेत्र फरीदाबाद में 450 सोलर स्ट्रीट लाइट मेरे द्वारा बताई गई उन सभी जगह पर लगा दी गई है जहाँ आवश्यकता थी।

धन्यवाद

(कृष्णपाल गुर्जर)

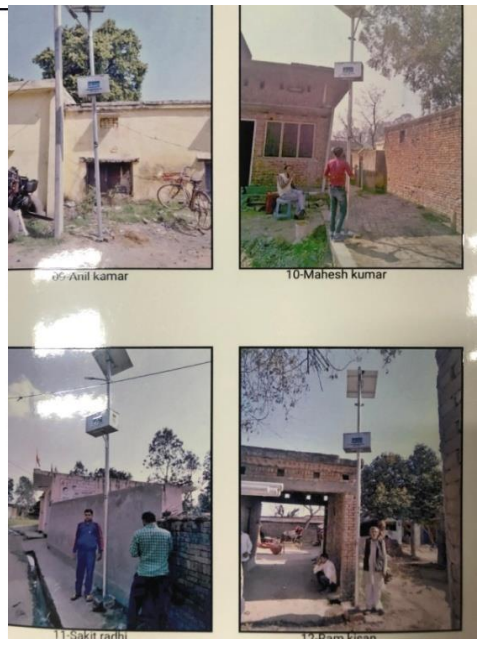

स्वच्छ गंगा कोष में अंशदान

सरकार द्वारा हर संभव माध्यम से संसाधन जुटाने का यह सर्वोत्तम उदाहरण था। इससे एक अच्छे उद्देश्य के लिये सरकार को कॉरपोरेट जगत का महत्वपूर्ण सहयोग मिला, जैसा कि कंपनी अधिनियम की धारा VII में अधिसूचित है। एनएचपीसी ने स्वच्छ गंगा कोष में 2 करोड़ रुपये का योगदान किया।

नमामि गंगे

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन
National Mission for Clean Ganga

CLEAN GANGA FUND

1)Name of Agency	:	CLEAN GANGA FUND
2)Agency Address	:	1ST FLOOR, MAJOR DHYAN CHAND NATIONAL STADIUM, INDIA GATE, NEW DELHI – 110002
3) Account No.	:	34213740838 State Bank of India, New Delhi Main Branch, Parliament Street, New Delhi 110001
IFSC Code	:	SBIN0000691
Swift Code	:	SBININBB104
4)Type of account	:	CURRENT ACCOUNT
5)PAN No.	:	AABTC7844F
6)GST NO.	:	07DELC15747E1DS (Donation is exempt from GST)

25/07/2019

एन.एम.सी.जी., (जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत निबंधित सोसायटी)
प्रथम तल, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, इंडिया गेट, नई दिल्ली - 110002
NMCG, (A Registered Society under Ministry of Water Resources, River Development & Ganga Rejuvenation, Govt. of India)
First Floor, Major Dhyan Chand National Stadium, India Gate, New Delhi-110002
Ph : 011-23072980, 23072901

विभिन्न प्रोजेक्ट/बिजली केंद्रों में पर्यावरण की रक्षा के लिये चलायी जा रही विभिन्न गतिविधियां इस प्रकार हैः

1. **दुलहस्ती पावर स्टेशन**

- **स्वास्थ्य देखभाल के ऐहतियाती उपायों के लिये औषधीय पौध पार्क (हर्बल पार्क) का विकासः**

  किश्तवाड़ जिले के ब्लॉक मारवा में बरसार एचईपी स्थल के नोआपाछी में स्वास्थ्य देखभाल और पौधरोपण के जरिये पर्यावरण रक्षा के लिये हर्बल पार्क विकसित किया जा रहा है। इसपर 15 लाख रुपये की लागत आयेगी। इसके लिये जिला प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन पर 28.02.2020 को हस्ताक्षर हो चुका है और कार्य प्रगति पर है।

2. **सेवा-।। पावर स्टेशन**

- **जल निकायों की सफाई और साथ के जल भंडारण टैंक की मरम्मतः**

  बिजली केंद्र के निकट का जलस्रोत स्थानीय ग्रामवासियों के लिये पीने और घरेलू जरूरतों के पानी का मुख्य स्रोत है लेकिन उपेक्षित पड़ा है। एनएचपीसी की टीम इसे सुंदर स्थल के रूप में विकसित कर रही है। नहाने की अलग जगह बनायी जा रही है। यह कार्य प्रगति पर है। स्थानीय पंचायत इसके रखरखाव का काम करेगी।

- बानी में बाढ़ से क्षतिग्रस्त मंझीरी पार्क के पुनर्निर्माण और मरम्मत कार्य के लिये सीएसआर पहल के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। निर्माण कार्य प्रगति पर है।

3. **चमेरा-। पावर स्टेशन**

- **आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र के लिये स्टील बेंच उपलब्ध करानाः**

  ग्रामीण और परिधीय विकास की प्रतिबद्धता के तहत चमेरा बिजली केंद्र-। ने मार्च 2020 में ग्राम सिमनी में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र को स्टील बेंच उपलब्ध कराकर रोगियों के बैठने की समुचित व्यवस्था की है। यह स्वास्थ्य केंद्र बिजली संयंत्र के बांध स्थल के निकट स्थित है। आसपास के क्षेत्रों में प्राथमिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने वाला यह एकमात्र स्वास्थ्य केंद्र है।

4. **कोटलिभेल एचई प्रोजेक्ट-1 ए**

- प्रोजेक्ट ने आसपास के गांवों जैसे मुनेथ, नाईजर इत्यादि में 12 वाट के सोलर स्ट्रीट लाईट लगाये हैं। इसपर 3 लाख 44 हजार रुपये की राशि व्यय की गयी है। स्ट्रीट लाईट लगाने का कार्य जून,2019 में पूरा हो चुका है। इन गांवों के निवासियों को इससे बहुत लाभ हुआ है।

5. तीस्ता लो डैम-।।। पावर स्टेशन

- **सोलर स्ट्रीट लाईट लगानाः**

  राम्बी के कुछ इलाकों में रात के दौरान बिजली नहीं रहने से अंधेरे के कारण अक्सर अप्रिय घटनाएं होती रहती हैं। स्थानीय निवासियों और प्रशासन ने तीस्ता लो डैम-।।। बिजली केंद्र से इस क्षेत्र में लाईट लगाने का अनुरोध किया।

  इस अनुरोध पर विचार करते हुये राष्ट्रीय राजमार्ग 10 से लगे राम्बी क्षेत्र में 6 सोलर स्ट्रीट लाईट लगायी गयी। इस पहल से 500 से अधिक स्थानीय निवासियों को लाभ हुआ।

6. तीस्ता लो डैम-।V पावर स्टेशन

- **प्रोजेक्ट स्थल के आसपास (बायरिक) में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाना**

  राष्ट्रीय राजमार्ग 10 से लगे बायरिक वन ग्राम में 24 वाट की 9 सोलर स्ट्रीट लाईट लगायी गयी। इसपर 1 लाख 77 हजार रुपये की लागत आई और 100 से अधिक ग्रामवासियों को लाभ हुआ। ये लाभार्थी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हैं।

7. तीस्ता -IV एचई प्रोजेक्ट

- **तिंघचिम/रांगरंग क्षेत्र में सोलर लाईट**
- तीस्ता -IV एचई प्रोजेक्ट ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और सतत विकास पहल के तहत तिंघचिम/रांगरंग क्षेत्र में सोलर लाईट की व्यवस्था की है। इसके लिये जिला प्रशासन मांगन, उत्तरी सिक्किम के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

8. दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजनाः

- **रोईंग/अनीनि कस्बे में और आसपास पौधरोपण और सौंदर्यीकरण**

  मानवजाति की रक्षा के लिये पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल देने के लिये 5 जून को पूरी दुनिया में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रोईंग में एनएचपीसी के दिबांग बहुउद्देश्यीय परियोजना ने एक व्यापक पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। परियोजना के कार्यकारी निदेशक (दिबांग और तवांग) श्री राकेश, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों तथा मॉडल स्कूल, मायू के शिक्षक और विद्यार्थियों ने इस अभियान की शुरूआत की। पौधरोपण मॉडल स्कूल, रोईंग के परिसर में किया गया।

  विश्व पर्यावरण दिवस पर इस वर्ष के लिय संयुक्त राष्ट्र की थीम थी- वायु प्रदूषण। इस अवसर पर श्री राकेश ने स्कूल के कर्मचारियों, विद्यार्थियों और शिक्षकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आग्रह किया। वायु प्रदूषण के घातक असर को कम करने के लिये उन्होंने पौधे लगाने के महत्व पर बल दिया।

  .....

विविध गतिविधियां

क्षमता निर्माण, महिला सशक्तीकरण और सशस्त्र सेना के जवानों के लिये अंशदान इत्यादि।

एनएचपीसी ने महिलाओं के सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न सुविधाओं के लिये अनेक सीएसआर यानी कंपनी सामाजिक दायित्व गतिविधियों में योगदान किया है तथा महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिये उनके कौशल विकास प्रशिक्षण में सहयोग दिया है। एनएचपीसी ने मेवात के आकांक्षी जिलों में महिला सशक्तीकरण और आजीविका बढ़ाने के लिये सैनिटरी नैपकिन यूनिट लगाया, केवल महिलाओं के लिये बाजार और आंगनवाड़ी केंद्र का पुनरुद्धार किया तथा आय अर्जन और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिये सिलाई मशीनें भी वितरित कीं।

विभिन्न गतिविधियों के प्रभावों का आकलन परिणामों की समीक्षा के साथ साथ प्रभावकारिता बढ़ाने के लिये किया गया। जैसे असम और अरुणाचल प्रदेश में स्वच्छ भारत अभियान के तहत 3129 शौचालयों का निर्माण, पीने के साफ पानी की व्यवस्था, क्षेत्रीय कार्यालय सह स्वच्छता परिसर, असम के 5 जिलों में 20 मोबाईल मेडिकल यूनिट से दूरदराज के ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराना, क्षेत्रीय कार्यालय ईटानगर और अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले के डौलुंगमुख सर्कल के विवेकानंद केंद्र विद्यालय की कौशल विकास पहलों का आकलन सेक्टर क्षमता निर्माण के तहत प्रभाव मूल्यांकन कार्यक्रम के जरिये किया गया, जिससे इस क्षेत्र में इनकी प्रभावकारिता का अनुमान मिला। ऐसा ही मूल्यांकन उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय द्वारा टीएलडी-।।।, IV और क्षेत्रीय कार्यालय सिलीगुड़ी के लिये भी किया गया। इससे विभिन्न सीएसआर पहल लागू करने के लिये प्रशासनिक मदों का नियमन किया गया।

एनएचपीसी ने ग्रामीण खेलकूद को बढ़ावा देने के लिये प्रशिक्षण में भी योगदान किया है। कला और संस्कृति के संरक्षण के लिये एनएचपीसी ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत पहल की है और सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में भी अंशदान किया है।

कोविड 19 महामारी के कठिन समय में एनएचपीसी ने पीएम केयर्स निधि में 25 करोड़ रुपये दिये हैं। इस महामारी से संघर्ष में स्थानीय प्रशासन की मदद के लिये एनएचपीसी ने खाद्य वस्तुएं, औषधि, स्वच्छता किट उपलब्ध कराये हैं और स्वच्छता अभियानों में सहयोग दिया है। एनएचपीसी की अनेक इकाईयों ने अपने औषधालयों में पृथकवास केंद्रों की भी व्यवस्था की है।

महिला सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिक

एनएचपीसी द्वारा शुरू की गयी सुरक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी दूरदर्शी गतिविधियों से हजारों महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। हरियाणा के सुविधावंचित वर्गों की महिलाओं के लिये आजीविका संवर्द्धन कार्यक्रम और माहवारी स्वच्छता संबंधी जागरुकता प्रोजेक्ट "पैड वुमन" के लिये एनएचपीसी ने सहयोग मुहैया कराया है। हरियाणा के हाथिन और मेवात ब्लॉक में एनएचपीसी ने 01 नं. सैनिटरी नैपकिन यूनिट भी लगायी है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस परिवार कल्याण कोष में अंशदान

सरकार द्वारा सभी संभव स्रोतों से संसाधन जुटाने का यह सर्वोत्तम उदाहरण है। एनएचपीसी ने कल्याणकारी उद्देश्यों के लिये सरकार को ठोस सहयोग उपलब्ध कराया है। भारत सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम की धारा 7 में अधिसूचित अंशदान प्रावधान के अनुसार इसने सशस्त्र सेना परिवार कल्याण कोष में एक करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है।

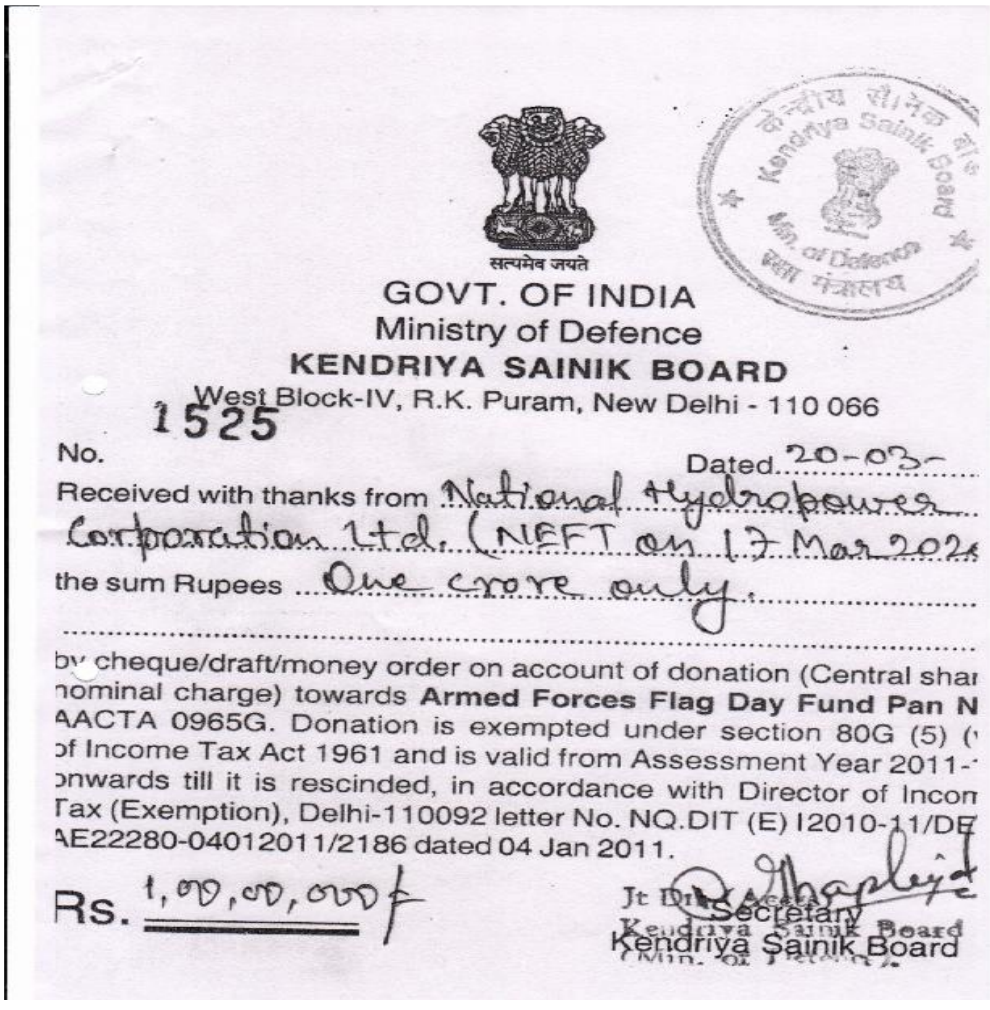

सत्यमेव जयते

GOVT. OF INDIA
Ministry of Defence
KENDRIYA SAINIK BOARD
West Block-IV, R.K. Puram, New Delhi - 110 066

No. 1525 Dated 20-03-

Received with thanks from National Hydropower Corporation Ltd. (NEFT on 17 Mar 202

the sum Rupees One crore only.

by cheque/draft/money order on account of donation (Central shar nominal charge) towards **Armed Forces Flag Day Fund Pan N** AACTA 0965G. Donation is exempted under section 80G (5) (of Income Tax Act 1961 and is valid from Assessment Year 2011- onwards till it is rescinded, in accordance with Director of Incon Tax (Exemption), Delhi-110092 letter No. NQ.DIT (E) I2010-11/DE AE22280-04012011/2186 dated 04 Jan 2011.

Rs. 1,00,00,000/-

Secretary
Kendriya Sainik Board

कला और संस्कृति के संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, वरिष्ठ नागरिकों के लिये सुविधाओं की व्यवस्था, ग्रामीण खेलकूद को बढ़ावा देने के लिये परियोजनाओं/ बिजली केंद्रों / इकाईयों की गतिविधियों का ब्योरा इस प्रकार हैः

1. **सलाल पावर स्टेशन**

   - **स्थानीय खेलकूद कला और संस्कृति को बढ़ावा**

     जम्मू कश्मीर सरकार ने "वापस गांव की ओर" नाम से एक पहल शुरू की है जिसके तहत तुम्बी (तार वाद्य), कुद (लोक नृत्य), पाख (स्थानीय संगीत), डोगरी जित्रु (स्थानीय संगीत), और शिंज (कुश्ती) को बढ़ावा दिया जाता है। इस संदर्भ में सलल बिजली केंद्र ने जिला प्रशासन को स्थानीय कला और संस्कृति को प्रोत्साहन के लिये एक लाख पचास हजार रुपये और स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने के लिये एक लाख रुपये दिये हैं।

2. **उड़ी-।। पावर स्टेशन**

- **महिला सशक्तीकरणः**

  जिला प्रशासन के "वापस गांव की ओर" पहल के तहत निर्धन और सुविधावंचित महिलाओं की आजीविका के साधन बढ़ाने के लिये उन्हें सिलाई मशीनें उपलब्ध करायी गयीं। इस कार्यक्रम के तहत एनएचपीसी ने पात्र लाभार्थियों को 50 सिलाई मशीनों का वितरण किया।

3. दुलहस्ती पावर स्टेशन

- **ग्रामीण और राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त खेलों को बढ़ावा**
- दुलहस्ती बिजली केंद्र ने जिला युवा सेवा और खेल कार्यालय (डीवाईएसएसओ), किश्तवाड़ के साथ मिलकर ग्रामीण और राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त खेलों को बढ़ावा देने के लिये तीन दिन के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। डीवाईएसएसओ के कोच और कर्मचारियों ने स्थानीय विद्यार्थियों को खो-खो, कबड्डी और वॉलीबॉल का प्रशिक्षण दिया। इन गतिविधियों पर 99,804 रुपये व्यय हुए।

- **स्थानीय कला और संस्कृति का संवर्द्धन**

  जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, किश्तवाड़ के सहयोग से स्थानीय कला और संस्कृति के संवर्द्धन के लिये तीन दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, किश्तवाड़ के अनुदेशकों द्वारा प्रतिभागियों को स्थानीय कला और संस्कृति के विभिन्न विषयों, जैसे स्थानीय लोक संगीत, लोक नृत्य, हस्तशिल्प इत्यादि में प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण पर कुल 99,120 रुपये का व्यय हुआ।

- **किसानों की आय बढ़ाने/दोगुनी करने पर किसानों के लिये कार्यशाला**

  किसानों की आय बढ़ाने/दोगुनी करने के विषय पर कार्यशालाओं के आयोजन के लिये कृषि विभाग, जिला किश्तवाड़ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इसके अनुसार पांच ब्लॉक – पालमर, डाशन, मारवाह, नागसेनी और किश्तवाड़ में किसानों की आय दोगुनी करने के विषय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। इन आयोजनों पर कुल 2,90,280 रुपये का व्यय हुआ।

किसानों की आय बढ़ाने/दोगुनी करने पर किसानों के लिये कार्यशाला

4. किशनगंगा बिजली संयंत्र

- **प्रशिक्षण के माध्यम से खेलकूद को मजबूती देना**

  जिला प्रशासन द्वारा **प्रशिक्षण के माध्यम से खेलकूद को मजबूती** नामक एक सीएसआर गतिविधि की शुरूआत की गयी है जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2019-20 में युवाओं के लिये स्नो स्कीईंग में बुनियादी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की शुरूआत की गयी। एनएचपीसी ने इसके लिये जिला प्रशासन को 2 लाख 54 हजार रुपये का योगदान किया।

प्रशिक्षण के माध्यम से खेलकूद को मजबूती

5. निम्मो-बाजगो पावर स्टेशन

निम्मो-बाजगो बिजली केंद्र ने स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने के लिये भारतीय महिला आईस हॉकी टीम को एक लाख रुपये का वित्तीय सहयोग दिया।

6. चमेरा-।। पावर स्टेशन

- **जोनल अस्पताल से लगे ऐतिहासिक चोगन के लिये संरक्षण और पुनरुद्धार कार्यः**

  चंबा (हि.प्र.)के जोनल अस्पताल से लगे ऐतिहासिक चोगन का संरक्षण- पुनरुद्धार कार्य आरंभ किया गया।

  वित्तीय वर्ष 2019-20 में 55% कार्य पूरा हो चुका है।

7. पार्बती-।। पावर स्टेशन

- **महिलओं और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिये सीसीटीवी कैमरा लगाना**

  कुल्लू जिला पुलिस अधीक्षक ने विशेषकर महिला सुरक्षा के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिये प्रोजेक्ट से 2.15 लाख रुपये की राशि देने का अनुरोध किया था। महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये गये और राशि सौंप दी गयी। राशि आरक्षित निधि से उपलब्ध करायी गयी।

सहमति पत्र पर हस्ताक्षर और सीसीटीवी कैमरा लगाया जाना

8. पार्बती-।।।

- **विविध कार्यः**

  परबती-।।। ने आकस्मिक अग्निकांड, महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, फुटपाथ निर्माण इत्यादि के लिये समय समय पर सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से सहयोग किया है और इनपर लगभग 2 लाख रुपये व्यय किये हैं।

9. लोकतक पावर स्टेशन

- **खिलाड़ियों को फुटबॉल प्रशिक्षणः**

  जिला खेल प्राधिकरणों के सहयोग से पुरूष और महिला खिलाड़ियों को फुटबॉल कौशल बढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मणिपुर के युवाओं के फुटबॉल प्रेम को ध्यान में रखते हुए एनएचपीसी और जिला प्रशासन, चूड़ाचांद पुर की यह पहल युवा फुटबॉल खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिये आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करायेगी। कार्यक्रम के तहत निःशुल्क फुटबॉल कोचिंग दी जायेगी। व्यय लागतः 22.63 लाख रुपये। लाभार्थियों की संख्या – लगभग 2000.

- **महिला सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिकः**

  चूड़ाचांद पुर जिले के मुआलपी गांव में मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र का विकास। रानी गाइदिनलु बाजार लोकटक बिजली केंद्र कॉलोनी के निकट स्थित है। केवल महिलायें इस बाजार को संचालित करती हैं और इसे एकमात्र महिला मार्केट के रूप में जाना जाता है। इस बाजार का नवीकरण इन महिला विक्रेताओं के लाभ के लिये किया गया है। लागतः 5.21 लाख रुपये, लाभार्थियों की संख्या- 50.

आंगनवाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों और माताओं के लिये प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के रूप में काम करते हैं। इन केंद्रों को विकसित कर हम बच्चों और महिलाओं को बेहतर माहौल और बेहतर सुविधायें उपलब्ध करा रहे हैं। लाभार्थियों की संख्या- 50, लागत- 2.80 लाख।

रानी गाइदिनलु बाजार, महिला मार्केट

मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र, मुआलपी गांव

10. तीस्ता-v पावर स्टेशन

- **महिला सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिकः**

  स्वसहायता समूहों को सिलाई, बुनाई और फास्ट फूड बनाने के लिये प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया तथा प्रशिक्षण के दौरान उनके बीच कच्ची सामग्री, मशीनों और अन्य आवश्यक सामान का वितरण किया गया।

  तीस्ता-v बिजली केंद्र ने पूर्वी सिक्किम के सिंगबेल में स्वसहायता समूहों को सिलाई के प्रशिक्षण के लिये 04.11.2019 से 18.12.2019 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के सशक्तीकरण पर बल देना तथा विशेष रूप से उन्हें रोजगार योग्य बना कर सतत आजीविका का साधन उपलब्ध कराना और वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना था। इस कार्यक्रम के तहत सिंगबेल वार्ड के 5 स्वसहायता समूहों के 31 प्रशिक्षु उम्मीदवारों को 45 दिन का प्रशिक्षण दिया गया। स्व सहायता समूह के सदस्यों को सिलाई मशीन भी दी गयी।

समापन समारोह

सिलाई मशीन वितरण

- **स्व सहायता समूहों को कुर्सी वितरण**

  तीस्ता-v बिजली केंद्र ने सलेबोंग और सिंगबेल वार्ड स्वसहायता समूहों के सदस्यों को 100 कुर्सियों का वितरण किया। सलेमबोंग स्वसहायता समूह ने पूर्वी सिक्किम के राकडिंग टिनटेक ब्लॉक में 11.03.2020 को इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

  स्वसहायता समूहों ने सतत आजीविका के अवसर हासिल करने के लिये विभिन्न आय अर्जन गतिविधियों में हिस्सा लिया। कॉरपोरेट-सामाजिक दायित्व और सतत विकास लक्ष्यों के तहत तीस्ता-v बिजली केंद्र ने सिलाई पर 45 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये सिंगबेल वार्ड के 5 स्वसहायता समूहों को सिलाई मशीनों का वितरण किया। कार्यक्रम के समापन पर सलेबोंग और सिंगबेल स्वसहायता समूह के सदस्यों को बुनियादी सुविधाओं के तौर पर 100 कुर्सियों का वितरण किया गया।

श्रेणी	लाभार्थियों की संख्या
अनुसूचित जाति	04
अनुसूचित जनजाति	27
अन्य पिछड़ा वर्ग	0
सामान्य	0
कुल	31
महिला लाभार्थी	31

प्रशिक्षु उम्मीदवार बच्चों की स्कूल यूनिफॉर्म सिलते हुए

11. सुबनसिरी लोअर जल विद्युत परियोजना

- **स्थानीय कला और संस्कृति का संवर्द्धन**

  परियोजना ने अरुणाचल प्रदेश के डौलुंगमुख में बूरी बूट उत्सव, असम के लालुक में मदाम-मी-फी उत्सव और माजुली के औनियति सतरा में वार्षिक भावना प्रस्तुति के सफलता पूर्वक आयोजन के लिये सहयोग उपलब्ध कराया। प्रोजेक्ट ने गारमर, माजुली में निर्मित सांस्कृतिक भवन के लिये बकाया राशि का भी भुगतान किया। इस गतिविधि पर कुल 4.94 लाख रुपये की लागत आयी।

वित्तवर्ष 2019-20 के लिये पावर स्टेशन / प्रोजेक्ट/ यूनिट वार व्यय

क्रम सं	बिजली संयंत्र/ प्रोजेक्ट/ यूनिट	व्यय लाख में
1	सलाल	362.47
2	दुलहस्ती	341.35
3	उड़ी-I	130.18
4	उड़ी-II	134.85
5	किशनगंगा	37.47
6	चुटक	46.52
7	निम्मो-बाजगो	59.44
8	सेवा-II	35.25
9	क्षेत्रीय कार्यालय -बनीखेत	25.87
10	बैरा-स्यूल	64.11
11	चमेरा- I	238.38
12	चमेरा-II	1155.71
13	चमेरा-III	32.18
14	पार्बती-II	364.69
15	पार्बती-III	30.13
16	लोकतक	470.59
17	कोटलीभेल	3.38
18	धौलीगंगा	285.40
19	टनकपुर	294.45
20	क्षेत्रीय कार्यालय- सिलीगुड़ी	35.46
21	टीएलडीपी-III	222.84
22	टीएलडी-IV पीएस	73.28
23	रंगित	334.82
24	तीस्ता-V	411.36
25	तीस्ता-IV	27.02
26	सुबनसिरी लोअर	399.93
27	दिबांग	85.49
28	बीआरआरपी (बिहार)	274.78
29	निगम मुख्यालय (निगम मुख्यालय के नियंत्राधीण गतिविधियां)	6665.86
	कुल	**12643.26**

वित्तववर्ष 2019-20 के लिये पावर स्टेशन/ प्रोजेक्ट/ यूनिट वार और गतिविधि वार व्यय

(लाख रुपये में)

क्र.सं	**प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट**	**सेक्टर**	**गतिविधि/पहल विवरण**	**व्यय**
1	**सलाल**	शिक्षा और कौशल विकास	आईटीआई: गोद लिये गये आईटीआई रियासी/ रामबन का उन्नयन	12.84
			रियासी जिले के सरकारी स्कूलो में मौजूदा भवनों और चारदीवारी का निर्माण/ संरक्षण और अन्य सुविधायें	14.70
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	279.51
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन.	0.93
			रेडक्रॉस सोसायटी को एक बहुपयोगी वाहन/ अंतिम संस्कार के लिये एक शव वाहन उपलब्ध कराना	2.47
			कोविड-19 पृथकवास केंद्र और अन्य चिकित्सा सहायता	4.15
				2.00
			स्थानीय लोगों को अस्पतालों/ औषधालयों की सेवा उपलब्ध कराना	8.38
		ग्रामीण विकास	केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बिद्दा गांव को आदर्श गांव के रूप में गोद लेना	11.15
			ग्राम कोटला और थेरू, जिला रियासी का सुधार/ विस्तार और गुरूत्वाकर्षण के जरिये पानी उपलब्ध कराना	23.00
		खेलकूद	स्थानीय खेलों को बढ़ावा	1.84
		कला और संस्कृति	कला और संस्कृति को बढ़ावा	1.50
			कुल (सलल)	**362.47**
2	**दुलहस्ती**	शिक्षा	आईटीआई: गोद लिये गये आईटीआई का उन्नयन	2.69
			डुमना, डूल(जम्मू-कश्मीर) के राजकीय उच्चविद्यालय में दो कमरे और सीढ़ियों का निर्माण	6.72
			राजकीय कन्या उच्च विद्यालय भवन,संग्रामभाटा,किश्तवार,जम्मू-कश्मीर का रखरखाव/ मरम्मत/ नवीकरण	0.56
			राजकीय मध्य विद्यालय, बागवान मोहल्ला, किश्तवाड़ (जम्मू-कश्मीर) की परिसर चारदीवारी और फर्श की मरम्मत	0.50
			आय बढ़ाने/दोगुनी करने के विषय पर स्थानीय किसानों के लिये कार्यशाला	2.90
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	294.09
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	5.48
			यक्ष्मा केंद्र, किश्तवाड़, जम्मू-कश्मीर में शौचालय परिसर का निर्माण	0.30
			स्थानीय लोगों को अस्पतालों/ औषधालयों की सेवा उपलब्ध कराना	14.48

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		पर्यावरण	नोआपाछी,खंड मारवा में स्वास्थ्य रक्षा के लिये हर्बल पार्क का विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिये आसपास पौधरोपण	1.14
		स्वच्छ भारत अभियान	चौगांव ग्राउंड, किश्तवाड़ का एडॉप्शन, विकास और रखरखाव	5.96
			शौचालय परिसर का निर्माण	3.54
			गांव वानी,त्रिगाम में सामुदायिक शौचालय परिसर का निर्माण	1.00
		खेलकूद	ग्रामीण और राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त खेलों को बढ़ावा	1.00
		कला और संस्कृति	स्थानीय कला और संस्कृति को बढ़ावा	0.99
			कुल (दुलहस्ती)	**341.35**
3	**उड़ी-I**	स्वास्थ्य और स्वच्छता	स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन	2.11
			कोविड-19 के दौरान खाद्यान्न और स्वास्थ्य रक्षा सामग्री का वितरण	6.17
			पृथकवास/क्वारंटीन केंद्रों की स्थापना	1.55
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना	3.03
		शिक्षा	बुनियादी ढांचे का उन्नयन- भूकंप में नष्ट हो गये गिंगल उच्चविद्यालय भवन का निर्माण	6.52
			बुनियादी ढांचे का उन्नयन – आंशिक रूप से निर्मित गिंगल राजकीय उच्चविद्यालय भवन का शेष कार्य	9.03
			बुनियादी ढांचे का उन्नयन – आंशिक रूप से निर्मित सायदन, धानी राजकीय उच्चविद्यालय भवन का शेष कार्य.	7.39
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	81.60
		ग्रामीण विकास	मस्जिद युसुफ से एनएचपीसी कॉलोनी गिंगल तक फुटपाथ का निर्माण	2.68
			तांत्रे मोहल्ला में फुटपाथ का निर्माण	3.88
			बांदी गांव में अंतिम संस्कार स्थल का विकास	4.09
		महिला सशक्तीकरण	जिला प्रशासन के "वापस गांव की ओर" कार्यक्रम के तहत निर्धन और सुविधावंचित महिलाओं को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिये सिलाई मशीन उपलब्ध कराना।	0.86
			उरी तहसील, बारामूला के पात्र लाभार्थियों को सिलाई मशीन का वितरण	1.27
			कुल **(उरी-I)**	**130.18**

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
4	**उड़ी-II**	स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	4.42
			कोविड-19 से मुकाबले में सहयोग	2.60
			लगमा गांव में मौजूदा जल स्रोतों का पुनरुद्धार और धुलाई स्थल का निर्माण	0.43
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना	12.08
		शिक्षा	स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	81.60
		महिला सशक्तीकरण	जिला प्रशासन के "वापस गांव की ओर- II " कार्यक्रम के तहत पात्र लाभार्थियो को 50 सिलाई मशीनों का वितरण।.	2.07
		ग्रामीण विकास	सलामाबाद गांव में फुटपाथ का निर्माण तथा नोपोरा गांव में जल पाईप लाईन बिछाना और नाली बनाना।	1.29
			सलामाबाद गांव में कब्रिस्तान के चारों ओर बाड़ा लगाना।	3.58
			जाबला गांव में श्मसान घाट और यहां तक पंहुचने के रास्ते का निर्माण	13.70
			चक्रा गांव में कब्रिस्तान तक फुटपाथ बनाना	2.83
			बगरातू दाची गांव में फुटपाथ का निर्माण .	10.25
			कुल (उरी-II)	**134.85**
5	**किशनगंगा**	शिक्षा	उच्च विद्यालय वानपोरा, गुरेज में कंप्यूटर लैब के साथ डिजिटल स्मार्ट क्लास रूम	1.25
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	बांदीपोरा और गुरेज में चिकित्सा शिविरों का आयोजन	3.74
			कोविड-19 आपात चिकित्सा सामग्री	0.90
		स्वच्छ भारत अभियान	बांदीपोरा में गुलशन चौक का विकास	14.40
		ग्रामीण विकास	गुरेज में पांच वर्ष के रखरखाव के साथ ऊंचे खंभों पर 10 सोलर लाईट (4X40वाट) की स्थापना	1.30
			चेक गांव, बांदीपोरा में पुलियों का निर्माण और मरम्मत/जलापूर्ति लाईन का विस्तार	6.36
			क्रालपोरा, चेक, मंत्रीग्राम, चंदाजी और गुरेज में कुल, पुलियों और फुटपाथ की मरम्मत और सफाई	0.24
			आस पास के गांवों में कुलों की मरम्मत और रखरखाव	6.90
			क्रालपोरा, चेक, मंत्रीग्राम, चंदाजी और गुरेज गांवों में स्थानीय जलापूर्ति लाईनों की मरम्मत और रखरखाव	0.46
		पर्यावरण	चेक गांव बांदीपोरा में सोलर स्ट्रीट लाईट.	1.48

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		खेलकूद	प्रशिक्षण और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर स्थानीय खेलकूद, कला और संस्कृति को मजबूती देना।	0.46
			कुल(किशनगंगा)	**37.47**
6	**सेवा-II**	शिक्षा	03 राजकीय मिड्ल/उच्च/ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना से आईटी सक्षम स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देना।	7.75
			"एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के तहत उच्च शिक्षा के लिये स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	6.72
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविर आयोजित करना.	6.00
			जिला चिकित्सा कॉलेज और अस्पताल, कठुआ (जम्मू-कश्मीर) के मातृत्व/नवजात शिशु वार्ड के लिये दो स्प्लिट एसी (गर्म और ठंडा)	0.84
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	6.64
		स्वच्छ भारत अभियान	ग्राम शेरा पंचायत संधार में एक बाथरूम यूनिट का निर्माण	1.15
		ग्रामीण विकास	ब्राईडल पथ सरोगा में राजकीय उच्च विद्यालय, द्रमान तक घोरनाला पर पुल का निर्माण	3.41
			राजकीय उच्च विद्यालय, हट में छत/ सीलिंग लीकेज की मरम्मत।	1.02
			बानी और सरोगा द्रमण के चांदिया में वर्षा आश्रय स्थल सह बस स्टॉप का निर्माण	0.86
		पर्यावरण	लघु जलनिकाय की सफाई और निकट के जल भंडारण टैंक की मरम्मत	0.27
			बानी में बाढ़ से तबाह मंझीरी पार्क का पुनर्निर्माण और मरम्मत	0.59
			कुल (सेवा-II)	**35.25**
7	**चुटक**	स्वास्थ्य देखभाल	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	5.89
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	11.71
		शिक्षा	सर्दियों में शैक्षणिक सुधार कार्यक्रम	6.00
		स्वच्छ भारत अभियान	थांग स्टिक्चे और चेचेथांग गांव में हैंड पंप लगाना।	6.55
		ग्रामीण विकास	सर्दियों के दौरान टैंकर से पेय जल उपलब्ध कराना।	7.48
			03 हैंडपंप लगाया जाना। 02 थांग स्टिक्चे में और 01 चुटक गांव में।	8.89
			कुल (चुटक)	**46.52**

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
8	**निम्मो बाजगो**	स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	4.86
			चिकित्सा विभाग, लेह को एक रोगी परिवहन एंबुलेंस (मारुति ईको) उपलब्ध कराना।	6.72
			प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, खालस्ती के लिये हिमेटोलॉजी कंप्यूटर एलालाईजर एमएस 4-ई उपलब्ध कराना।	4.60
			प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, खालस्ती के लिये यूरिन एलालाईजर(सीमेन) उपलब्ध कराना.	2.98
			खालस्ती गांव में बोरवेल से पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध कराना और पाईप लाईन बिछाना।	18.00
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	16.11
		शिक्षा	सर्दियों में ट्यूशन के लिये वित्तीय सहयोग।	4.00
			आईटीआई का उन्नयन और कंप्यूटर हार्डवेयर लैब के लिये आईटी संबंधी सामग्री उपलब्ध कराना।	0.17
			छात्राओं के लिये अतिरिक्त कोचिंग क्लासेज के लिये जिला प्रशासन लेह को वित्तीय सहयोग।	1.00
		खेलकूद	भारतीय महिला हॉकी टीम को वित्तीय सहयोग।	1.00
			कुल (निम्मो बाजगो)	**59.44**
9	**आरओ-बनीखेत**	स्वास्थ्य और स्वच्छता	बनिखेत और डलहौजी के आसपास के गांवों में चिकित्सा शिविरों का आयोजन।	5.88
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	15.99
		शिक्षा और कौशल विकास	व्यावसायिक प्रशिक्षण- कटाई सिलाई, सौंदर्य प्रसाधन और कंप्यूटर अनुप्रयोग पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना।	1.16
			चंबा जिले के राजकीय उच्च विद्यालय, धालोग के प्लेग्राउंड के पुनरुद्धार के लिये दीवार का निर्माण	0.40
			सरकारी स्कूल को डेस्क वितरण	1.63
			राजकीय विद्यालय को जनसंपर्क प्रणाली उपलब्ध कराना	0.80
			कुल(आरओ- बनिखेत)	**25.87**
10	**बैरा-स्यूल**	शिक्षा	"एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के तहत उच्च शिक्षा के लिये स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	0.30
			महिलामंडल, ब्यानास में सामुदायिक हॉल का निर्माण	3.04
			"एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के तहत उच्च शिक्षा के लिये स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	6.26
		स्वास्थ्य	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	3.73
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	33.84

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		स्वच्छ भारत अभियान	राजकीय केंद्रीय प्राथमिक विद्यालय, सुंडला में 02 शौचालयों का निर्माण	1.89
		ग्रामीण विकास	नखरोट गांव के निकट बायरा नदी पर पैदल सस्पेंशन पुल का निर्माण	15.05
			कुल(बायरा सिउल)	64.11
11	**चमेरा-I**	स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	5.89
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	28.53
		शिक्षा	स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	203.78
		पर्यावरण	चंबा जिले के सिमनी गांव के आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र में रोगियो के लिये 02 स्टील बेंच उपलब्ध कराना।	0.17
			कुल(चमेरा-I)	**238.38**
12	**चमेरा-II**	स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविर का आयोजन	5.99
			1.5 टेस्ला एमआरआई मशीन उपलब्ध कराना	300.00
			8 वर्ष के लिये सीएमसी के साथ 64 स्लाईस सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध कराना।	600.00
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	24.48
		शिक्षा	राजकीय मिड्ल स्कूल, काकरा, चंबा में अतिरिक्त निर्माण और नवीकरण।	2.57
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	208.92
		कला और संस्कृति	हिमाचल प्रदेश में चंबा के जोनल अस्पताल से लगे ऐतिहासिक चोगन का संरक्षण और पुनरुद्धार कार्य।	2.52
		स्वच्छ भारत अभियान	जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) के रेनोला गांव में शौचालयों का निर्माण कार्य।	3.19
			जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) के रेनोला ग्राम पंचायत, जांगी में शौचालयों का निर्माण	1.08
		ग्रामीण विकास	जिला चंबा(हिमाचल प्रदेश)के गुराद पंचायत में अंतिम संस्कार स्थल का निर्माण	6.95
			कुल (चमेरा-II)	**1155.71**
13	**चमेरा-III**	स्वास्थ्य	चिकित्सा शिविर का आयोजन	5.90
			कोविड-19 के दौरान राशन/जरूरी चीजें उपलब्ध कराना।	2.50
			कोविड-19 से मुकाबले के लिये पीपीई-किट उपलब्ध कराना	0.50
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	10.76

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		ग्रामीण विकास	ग्राम थेडू, ग्राम पंचायत दुर्गहटी में फुटपाथ की रेलिंग बनाना।	1.75
			ब्रेही, जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) के खेल के मैदान में चारदीवारी का निर्माण	5.79
			राजकीय प्राथमिक विद्यालय, गुआन, जिला चंबा (हिमाचल प्रदेश) में स्कूल प्लेग्राउंड और पक्के फुटपाथ का निर्माण	4.98
			कुल (चमेरा-III)	**32.18**
14	**परबती-II**	शिक्षा	"एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के तहत उच्च शिक्षा के लिये स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	5.52
			राजकीय माध्यमिक विद्यालय,गरसा, जिला कुल्लू(हि.प्र.) में एसेंबली ग्राउंड का निर्माण	0.40
			राजकीय प्राथमिक विद्यालय, म्हाजन, राजकीय उच्च विद्यालय, नाजन, एसएमसी राजकीय उच्च विद्यालय जेष्ठा, जीपीएस कोईशंदर, जीपीएस खमरादा, जीएसएस नगवैन जैसे विभिन्न सरकारी स्कूलों को नवीनीकरण के लिये सहयोग और कंप्यूटर जैसी बुनियादी ढांचा सुविधाएं मुहैया कराना।	9.43
			सरस्वती विद्या मंदिर, भुंतर, जिला कुल्लू (हि.प्र.)को 15 कंप्यूटर प्रदान करना।	4.84
			जीएसएस स्कूल, बजौरा,जिला कुल्लू (हि.प्र.)को यूपीएस के साथ कंप्यूटर प्रदान करना।	1.71
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	312.65
		महिला सशक्तीकरण	कुल्लू जिले में महिलाओं की सुरक्षा के लिये सीसीटीवी कैमरे लगाना।	2.15
		खेलकूद	ग्रामीण खेलों को बढ़ावा	0.87
		स्वास्थ्य देखभाल	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	3.32
			100 मैनुअल अशुद्धिनाशक यंत्र उपलब्ध कराना।	8.20
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	0.50
		ग्रामीण विकास	पुराना मनाली जिला कुल्लू(हि.प्र.) के तहत आदर्श गांव का विकास	15.10
			ग्राम जामली, जिला कुल्लू(हि.प्र.) के अग्नि पीड़ित परिवार को सीजीआई शीट उपलब्ध कराना।	0.02
			कुल (परबती-II)	**364.69**

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
15	**परबती-III**	शिक्षा और कौशल विकास	"एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के तहत उच्च शिक्षा के लिये स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	5.75
			राजकीय प्राईमरी स्कूल, सारी ब्लॉक, बंजार, जिला कुल्लू(हि.प्र.) में सीढ़ियों का निर्माण और ग्रिल लगाना।	0.52
			जीपीएस टिपरीधार टांडी, जीपीएस बेहली, कैनॉन, लार्जी जैसे विभिन्न सरकारी स्कूलों को नवीनीकरण के लिये सहायता और पीए प्रणाली, कंप्यूटर पेरीफेरल जैसी बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराना।	0.80
			कन्या उच्च विद्यालय, सरी में शौचालयों का निर्माण	1.17
			जीपीएस और जीएचएस केनॉन में प्लेग्राउंड की सुरक्षा रेलिंग	1.20
			एनएचपीसी द्वारा गोद लिये गये जीएसएसएस सैंज ग्राउंड पार्क के लिये झूले और बेंच उपलब्ध कराना।	0.65
		स्वास्थ्य	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	5.81
			जीएसएसएस सैंज, जिला कुल्लू(हि.प्र.) में शौचालयों का निर्माण/मरम्मत	0.90
			कोविड-19 के दौरान चिकित्सा सहायता	1.72
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	0.80
		स्वच्छ भारत अभियान	जीएसएसएस सैंज, जिला कुल्लू(हि.प्र.) के पार्क को गोद लेना	1.76
		ग्रामीण विकास	धामन गांव में क्लास रूम का नवीनीकरण	0.98
			जीएसएसएस सैंज, जिला कुल्लू(हि.प्र.) में स्पोर्ट कक्ष का निर्माण	2.94
			गहरू गांव तक के लिये फुटपाथ का निर्माण	1.83
			सैंज बाजार, जिला कुल्लू(हि.प्र.) में वर्षा आश्रय स्थल का निर्माण	1.55
			एनएचपीसी द्वारा गोद लिये गये जीएसएसएस सैंज ग्राउंड पार्क के लिये झूले और बेंच उपलब्ध कराना।	0.12
			पुराने बेहाली से सपनगनी तक लेड स्ट्रीट लाईट की स्थापना.	0.96
			अग्निकांड पीड़ित परिवारों को सीजीआई शीट उपलब्ध कराना।.	0.30
		क्षमता निर्माण	हितधारकों के साथ बैठक.	0.36
			कुल (परबती-III)	**30.13**
16	**लोकतक**	स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन.	5.96
			सरकारी./सीआरपीएफ अस्पताल को 02 चिकित्सा एंबुलेंस उपलब्ध कराना।	21.26
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	65.27

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		शिक्षा	निंगथाउखोंग में सार्वजनिक पुस्तकालय भवन का निर्माण .	3.07
			आयमोल लाउचुलबुंग गांव में सार्वजनिक पुस्तकालय भवन का निर्माण और अन्य बुनियादी सुविधाएं जैसे पुस्तकें, टेबल, कुर्सी, आलमारी उपलब्ध कराना	11.87
			चूड़ाचांद पुर जिले में मेडिकल में प्रवेश के इच्छुक छात्रों की नीट कोचिंग के लिये सहायता उपलब्ध कराना।	7.08
			जीएसएस स्कूल बाजौरा को यूपीएस के साथ कंप्यूटर उपलब्ध कराना	312.72
		स्वच्छ भारत अभियान	इथई स्कूल और अन्य स्थानों पर लड़के और लड़कियों के लिये तीन सेट शौचालय और बाथरूम का निर्माण।	3.20
		ग्रामीण विकास	खाआयमल गांव में टैंक के लिये जीआई जलापूर्ति पाइप लाईन और छत की व्यवस्था करना	0.89
			1/9, खुदीथिबी क्षेत्र में निंगथाउखोंग गारबेज पार्क में स्वच्छ भारत अभियान के तहत ठोस कचरे के पुनचक्रण सहित ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली में सुधार	1.36
			इथई बैरेज क्षेत्र और लाईखोंग में जलनिकासी व्यवस्था और शौचालय के साथ प्रतीक्षा शेड का निर्माण	7.25
		खेलकूद	चूड़ाचांद पुर खेल प्राधिकरण के सहयोग से पुरूष और महिला खिलाड़ियों के लिये फुटबॉल प्रशिक्षण	22.63
		महिला सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिक	रानी गायदिनलु बाजार (महिला बाजार) का पुनरुद्धार	5.21
			मुलालपी गांव, जिला चूड़ाचांद पुर में आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र का विकास	2.80
			कुल(लोकटक)	**470.59**
17	**कोटलीभेल**	पर्यावरण	विभिन्न गांवों/परियोजना से प्रभावित लोगों के स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाईट लगाना	3.38
			कुल(कोटलिभेल)	**3.38**
18	**धौलीगंगा**	शिक्षा	गवर्नमेंट इंटर कॉलेज, खेत में सभागार का निर्माण	3.50
			गवर्नमेंट इंटर कॉलेज, धारचुला की 250 छात्राओं के लिये स्कूल फर्नीचर उपलब्ध कराना।	3.24
			सरकारी प्राथमिक विद्यालय भवन, जामकू का नवीनीकरण	2.40
			खेत के राजकीय उच्च विद्यालय में लड़कियों के लिये शौचालय का निर्माण	2.43
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	205.57

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	सायरी गांव खेला में पेयजल टैंक और 300 मीटर जलापूर्ति लाईन उपलब्ध कराना।	4.74
			चिकित्सा शिविरों का आयोजन	5.98
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	6.45
		स्वच्छ भारत अभियान	ग्राम चाल नया बस्ती में सामुदायिक शौचालय का निर्माण	4.30
			ग्राम गलाटी, नौलदेव में सामुदायिक शौचालय का निर्माण	4.20
			जीआईसी खुमटी, जीआईसी खेला और जीआईसी रांथी में लड़के और लड़कियों के लिये शौचालयों का निर्माण	9.88
			ग्राम दुगटु, सयानकुरी, इशु, रांथी और कालिका में सामुदायिक शौचालयों का निर्माण	13.59
			ग्राम बोरागांव (रांथी) में प्राथमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केंद्र में शौचालयों का निर्माण	2.99
		ग्रामीण विकास	कामेधपानी (सयानकुरी) में पेयजल टैंक और जलापूर्ति लाईन उपलब्ध कराना।	4.25
			तपोवन में अंतिम संस्कार स्थल और शेड का निर्माण	6.28
			तोक-चेताकला, ग्राम खेला में आंबेडकर भवन का निर्माण	5.60
			कुल (धौलिगंगा)	**285.40**
19	**टनकपुर**	शिक्षा	स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	283.69
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन.	6.01
			श्री पूर्णगिरी इंटर कॉलेज, बनबासा में शौचालयों और मूत्रालयों का निर्माण	0.36
			गवर्नमेंट इंटर कॉलेज, सैलानीगोथ में जलापूर्ति लाईन की व्यवस्था	0.16
			गवर्नमेंट इंटर कॉलेज, सैलानीगोथ में शौचालयों का पुनर्निर्माण	0.58
		ग्रामीण विकास	स्थानीय पंचायत बनबासा को वॉटर कूलर उपलब्ध कराना।	1.54
			आंगनवाड़ी बनबासा को आलमारी, वॉटर प्यूरिफायर और दरियां उपलब्ध कराना	0.15

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		स्वच्छ भारत अभियान	गर्वनमेंट कॉलेज टनकपुर में 02 महिला शौचालयों का निर्माण और पुनर्निर्माण.	1.97
			कुल(टनकपुर)	294.45
20	**आरओ-सिलिगुड़ी**	शिक्षा	स्कूलों, बुनियादी ढांचा, दृष्टिबाधितों के लिये विद्यालय, दिव्यांग बच्चों, अनाथ बच्चों के लिये आईसीडीसी केंद्रों और सामुदायिक भोजनालय का उन्नयन	6.88
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	5.44
		स्वच्छ विद्यालय अभियान	162 स्कूलों को जलापूर्ति प्रणाली उपलब्ध कराना	23.14
			कुल (आरओ- सिलिगुड़ी)	**35.46**
21	**टीएलडी-III**	स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	4.38
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	9.77
		शिक्षा	स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	172.23
		ग्रामीण विकास	74 धुरा, मांगपू में किचेन और शौचालय के साथ सामुदायिक भवन का निर्माण	22.28
			देवराली, तीस्ता घाटी में किचेन और शौचालय के साथ सामुदायिक भवन का निर्माण	4.56
		पर्यावरण	रांबी बाजार में 06 सोलर स्ट्रीट लाईट (12V/24WLED) लगाया जाना	1.72
		स्वच्छ भारत अभियान	समथर दनरा गांव में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था	3.93
			29 मील गांव के लिये जलापूर्ति कनेक्शन व्यवस्था	3.99
			कुल (टीएलडीपी-III)	**222.84**
22	**टीएलडी-IV पीएस**	शिक्षा	लाटपंचोर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान प्रयोगशाला का विकास	1.72
			एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना के तहत स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	0.92
			सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचा सुविधायें/सहायता उपलब्ध कराना	2.66
			दिव्यांग बच्चों/ लोगों के सतत विकास के लिये बुनियादी ढांचा सहयोग उपलब्ध कराना।	1.00
			छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना	0.38
			सेरेब्रल पाल्सी के कारण मानसिक रूप से अस्वस्थ विद्यार्थियों के लिये विशेष कुर्सियां/व्हील चेयर उपलब्ध कराना।	3.28
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	5.98
			कोविड-19 से मुकाबले के लिये सहयोग	7.07

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		ग्रामीण विकास	लैप्चेखोला से उपरी माकूम बस्ती, यांगमाकूम ग्राम पंचायत तक पीने का पानी उपलब्ध कराना	21.95
			धोद्रेझोरा से सुबुगांव, यांगमाकूम ग्राम पंचायत तक पीने का पानी उपलब्ध कराना	20.15
			कारमाथ गांव में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाना।	3.19
			लंकू गांव में खेल के मैदान का विकास	2.42
			परियोजना स्थल के आसपास के गांवों में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाना।	1.78
			गांवों में पहले से निर्मित सामुदायिक भवन में बुनियादी ढांचा सहयोग/ सुविधाऐं उपलब्ध कराना।	0.78
			कुल(टीएलडी-IVपीएस)	**73.28**
23	**रंगित**	शिक्षा	"एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के तहत स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	0.48
			दक्षिण सिक्किम के धारगांव प्राईमरी स्कूल के क्लासरूम और खेल के मैदान का रखरखाव और उन्नयन	0.94
			आईटीआई, गेजिंग, पश्चिम सिक्किम में नये व्यावसायिक पाठ्यक्रम और यंत्र- उपकरणों के लिये प्रावधान	22.00
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	260.42
		स्वास्थ्य देखभाल	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	5.64
			चिकित्सा उपकरणों के साथ जिला अस्पताल, पश्चिम सिक्किम को उन्नत बनाया जाना।	5.50
			कोविड-19 से मुकाबले के लिये सहयोग	1.90
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	30.19
		स्वच्छ भारत अभियान	दक्षिण सिक्किम के राजकीय सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, केवजिंग नालियों का निर्माण और जलापूर्ति व्यवस्था	3.75
		ग्रामीण विकास	लेगशिप में बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण	4.00
			कुल (रंगित)	**334.82**
24	**तीस्ता-V**	शिक्षा	निचले सैमदोंग में सरकारी विद्यालय में विकास गतिविधियां।	28.34
			12वीं कक्षा और उपर के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति	4.56
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	247.25

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	4.77
			कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिये परियोजना स्थल के आसपास के लोगों को सुरक्षात्मक सामग्री, सैनिटाईजर उपलब्ध कराना	1.84
			कोविड-19 से मुकाबले के लिये मुख्यमंत्री कोष में सहायता देना।	5.00
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना..	50.23
		ग्रामीण विकास	शेडा (मॉनेस्टिक) स्कूल भवन का निर्माण और मॉनेस्ट्री की मरम्मत/पेंटिंग	16.79
			सामुदायिक केंद्र का निर्माण	3.50
			फीखोला से फिदैंग गांव तक जलापूर्ति	17.07
		स्वच्छ भारत अभियान	पुनचक्रण सहित ठोस कचरा प्रबंधन के लिये सिंगताम नगरनिगम तक ट्रिपर ट्रक उपलब्ध कराना।	17.62
			विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, सामुदायिक स्थलों, स्कूलों इत्यादि में शौचालयों का निर्माण	12.86
		महिला सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिक	स्थानीय स्वसहायता समूहों को सिलाई, बुनाई, फास्ट फूड बनाने से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था तथा प्रशिक्षण के दौरान कच्ची सामग्री, मशीन और अन्य सामान उपलब्ध कराना और वितरित करना।	1.52
			कुल(तीस्ता-V)	**411.36**
25	**तीस्ता-IV**	शिक्षा	"एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना" के तहत स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	1.62
			उत्तरी सिक्किम के सरकारी स्कूलों में 10वी. 12वी. कक्षा के लिये शिक्षा स्तर में सुधार के लिये कार्यक्रम संचालित करना।	4.99
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	4.20
			कोविड-19 से मुकाबले के लिये सहयोग	2.50
		ग्रामीण विकास	रांगरांग, उत्तर सिक्किम में अंतिम संस्कार स्थल पर प्रतीक्षा स्थल शेड/हवाघर का निर्माण, संरक्षण कार्य और जलापूर्ति व्यवस्था।	2.30
		स्वच्छ भारत अभियान	उत्तरी सिक्किम में सार्वजनिक उपयोग और स्कूलों के लिये शौचालयों का निर्माण और साफ सफाई सुविधायें जैसे शागयोंग सार्वजनिक स्थल और शागयोंग गोम्पा में शौचालय बनाया जाना।	6.56
			रालक उत्तरी सिक्किम में जूनियर हाईस्कूल की मरम्मत और नवीकरण	0.45
		पर्यावरण	तिंगचिम/रांगरांग में सोलर लाईट लगाना।	4.39

			कुल (**तीस्ता**-IV)	**27.02**

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
26	**सुबनसिरी**	शिक्षा	“एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना” के तहत स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	9.48
			स्थानीय लोगों को केंद्रीय विद्यालय/अन्य स्कूलों की सेवाएं उपलब्ध कराना	251.47
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	चिकित्सा शिविरों का आयोजन	2.40
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	46.73
		स्वच्छ भारत अभियान	आरओ सह स्वच्छता परिसर का निर्माण	34.99
			ग्राम स्वच्छता अभियान का संचालन	3.38
		स्वच्छ विद्यालय अभियान	स्कूलों/सार्वजनिक स्थलों में पहले से मंजूर 143 शौचालयों के निर्माण के लिये शेष राशि उपलब्ध कराना।	29.99
		कला और संस्कृति	स्थानीय कला/संस्कृति को बढ़ावा देना	4.94
		क्षमता निर्माण	प्रभाव आकलन कार्यक्रम संचालित करना।	11.56
		खेलकूद	स्थानीय खेलों को बढ़ावा	5.00
			कुल **(**सुबनसिरी**)**	**399.93**
27	**दिबांग**	शिक्षा	आईटीआई का उन्नयन	9.44
			“एनएचपीसी छात्रवृत्ति योजना” के तहत स्कॉलरशिप उपलब्ध कराना।	8.32
			सिरांग, दांबुक में राजकीय मिड्ल स्कूल की मरम्मत और रखरखाव	6.00
			लोहित जिला (अरुणाचल प्रदेश) के अपना विद्या भवन, वाकरो से 05 छात्राओं को गोद लेना।	1.65
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	दिबांग और लोअर दिबांग घाटी के विभिन्न सरकारी अस्पतालों को चिकित्सा उपकरण और अन्य सहयोग	12.00
			चिकित्सा शिविरों का आयोजन	10.11
			आरक्षित निधि (शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण)	6.54
			दिबांग और लोअर दिबांग घाटी के विभिन्न सरकारी अस्पतालों को चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराना	3.54
			स्थानीय लोगों को अस्पताल/ औषधालय की सेवा उपलब्ध कराना.	12.32
		पर्यावरण	रोईंग/अनीनि कस्बे में और आसपास पौधरोपण और सौंदर्यीकरण .	4.37
		कला और संस्कृति	दिबांग और लोअर दिबांग घाटी में कला और संस्कृति को बढ़ावा	1.48
		खेलकूद	दिबांग और लोअर दिबांग घाटी जिलों के स्थानीय खिलाडियों को विभिन्न खेलों में कोचिंग उपलब्ध कराना।	9.72
			कुल**(**दिबांग**)**	**85.49**

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
28	**बीआरआरपी पटना**	ग्रामीण विकास	भोजपुर जिला, आरा के शाहपुर ब्लॉक के विभिन्न गांवों में पीसीसी रोड का निर्माण	274.78
			कुल **(**बीआरआरपी पटना**)**	**274.78**
29	निगम मुख्यालय के तहत नियंत्रित कार्यान्वित योजनाएं	शिक्षा	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ग्राम-पावता, जिला- फरीदाबाद का मरम्मत और पुनरुद्धार कार्य	10.00
			डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, फरीदाबाद में बुनियादी ढांचा सुविधाओं का विस्तार	39.00
			हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर के हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज को वित्तीय सहयोग	1500.00
		कौशल विकास	1000 लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण देना	103.72
			3000 युवाओं को रोजगार उन्मुखी व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना	84.68
			दिव्यांग जन और अन्य को आजीविका संवर्द्धन के लिये रोजगार उन्मुखी व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना	573.82
			हिमाचल प्रदेश के पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्रों में गायों की देसी प्रजातियों के अनुसंधान विकास के माध्यम से किसानो का आजीविका संवर्द्धन	2.00
		स्वास्थ्य और स्वच्छता	उत्तरप्रदेश के मेरठ और मुजफ्फरनगर जिलों के गांवों में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराना	11.15
			चिकित्सा शिविरों का आयोजन	17.81
			एलिम्को के माध्यम से पश्चिम सिक्किम जिले में दिव्यांगों के लिये सहायक उपकरण और सहायता उपलब्ध कराना	6.25
			कोविड-19 के दौरान विमान से चिकित्सा उपकरण / व्यक्तिगत सुरक्षा किट इत्यादि पहुंचा कर मणिपुर सरकार को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना	18.00
			कोविड-19 के लिये पीएम केयर कोष में सहयोग	2500.00
		स्वच्छ भारत अभियान	प्राचीन हनुमान मंदिर, नयी दिल्ली के आसपास के क्षेत्र का विकास	20.10
			हिमाचल प्रदेश के विभिन्न स्थलों पर पीवीसी डस्टबिन लगाना और उनका रखरखाव करना।	438.00

क्र.सं	प्रोजेक्ट/ पीएस/ यूनिट	सेक्टर	गतिविधि/पहल विवरण	व्यय
		ग्रामीण विकास	कानपुर, उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में ऊंचे खंभों पर एलईडी सोलर लाईट और सोलर स्ट्रीट लाईट लगाना।	143.00
			हिमाचल प्रदेश के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में ईईएसएल के जरिये सोलर एलईडी स्ट्रीट लाईट लगाना।	121.78
			उत्तरप्रदेश के बस्ती जिले में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण	40.50
		महिला सशक्तीकरण और वरिष्ठ नागरिक	मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरुकता प्रोजेक्ट “पैड वीमेन” और मेवात क्षेत्र की सुविधावंचित वर्ग की महिलाओं के आजीविका कार्यक्रम के लिये सहायता उपलब्ध कराना।	8.26
			मेवात(एचआर) के हाथिन ब्लॉक में सैनिटरी नैपकिन यूनिट लगाना।	12.00
		पर्यावरण	फरीदाबाद के विभिन्न गांवों मे ईईएसएल के जरिये एलईडी सोलर स्ट्रीट लाईट प्रणाली लगाना	30.72
			उत्तरप्रदेश के बिजनौर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाना।	41.49
			राजस्थान के बीकानेर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में सोलर स्ट्रीट लाईट लगाना।	41.49
			गंगा नदी की सफाई और पुनरुद्धार के लिये "स्वच्छ गंगा निधि" में सरकारी नियमों के अनुरूप वित्तीय सहायता।	200.00
		सशस्त्र सेना नायक	सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में अंशदान	100.00
		क्षमता निर्माण	प्रशासनिक मद	327.26
			प्रशासनिक मदों	274.80
			कुल (कॉरपोरेट कार्यालय):	**6665.86**
			कुल (परियोजनाएं/ बिजली केंद्र/ यूनिट)	**12643.26**

मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरुकता प्रोजेक्ट "पैड वीमेन" और हरियाणा की सुविधावंचित वर्ग की महिलाओं के आजीविका कार्यक्रम के लिये सहायता उपलब्ध कराना

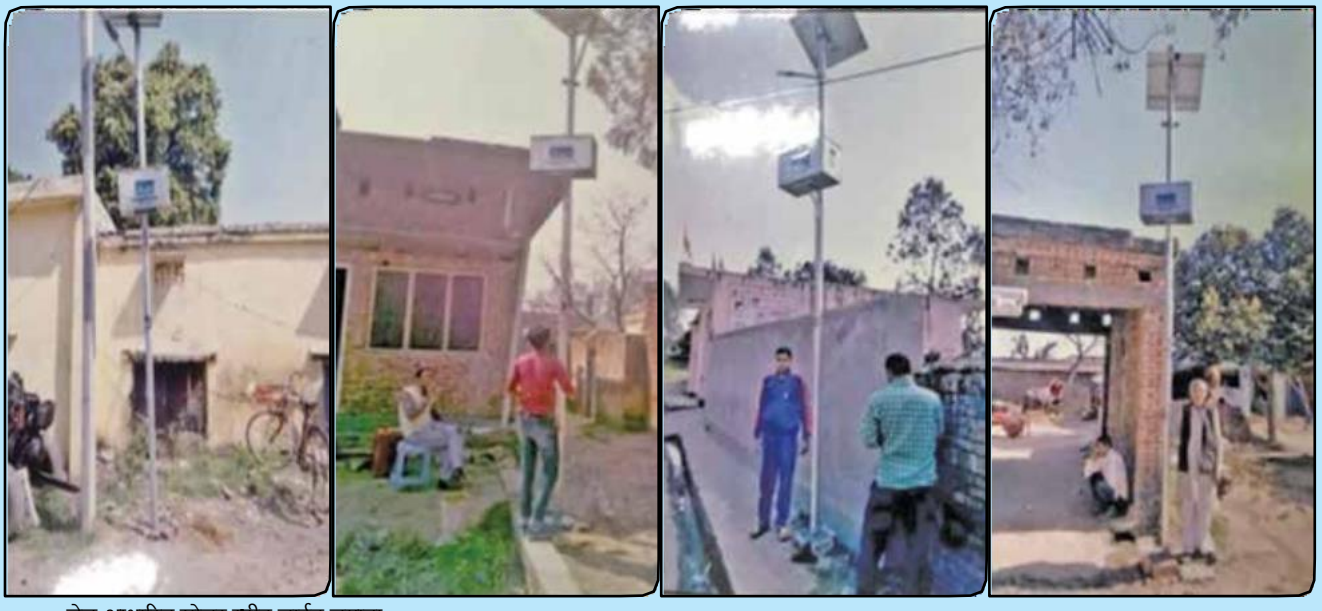

लेड आधारित सोलर स्ट्रीट लाईट लगाना

Development of Model Anganwadi Centre at Mualpi Village, District Churachandpur

Follow NHPC at :

https://www.facebook.com/NHPCIndiaLimited

https://twitter.com/nhpcltd

https://www.instagram.com/nhpclimited

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

नीर शक्ति सदन – निगम मुख्यालय, फरीदाबाद

एनएचपीसी
NHPC

एनएचपीसी लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

सीएसआर और एसडी प्रभाग

कॉरपोरेट कार्यालय
एनएचपीसी कार्यालय परिसर, सेक्टर-33, फरीदाबाद-
121003 (हरियाणा)CIN :
L40101HR1975GOI032564
टेलीफोन :- 0129-2270601, ईमेल :
nhpcsva@gmail.comwebsite :
www.nhpcindia.com

Printed at: I G Printers Pvt. Ltd., New Delhi-110020